20 अक्टूबर 2025

सोमवार

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

दीपों की जगमगाहट से नहाया डुमरांव, दीपावली पर उमड़ा जनसैलाब 2

आपकी आवाज

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

रामनगरी में 26 लाख दीयों से जगमगाई सरयू, सीएम योगी ने किया श्रीराम का राज्याभिषेक

एजेंसी। अयोध्या

अयोध्या में दीपावली की पूर्व संध्या पर भव्य दीपोत्सव मनाया गया। सीएम योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर में दीप जलाकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। सरयू तट पर 26 लाख से अधिक दीप जलाकर रिकॉर्ड बनाया गया। दीपावली की पूर्व संध्या पर रामनगरी अयोध्या एक बार फिर ऐतिहासिक दीपोत्सव की गवाह बनी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने राम मंदिर में दीप प्रज्वलन कर नौवें दीपोत्सव का शुभारंभ किया। इस बार का आयोजन अब तक का सबसे भव्य बताया जा रहा है। पूरे शहर को दिव्य रूप में सजाया गया, और सरयू के 56 घाटों पर 26 लाख से अधिक दीप जलाकर नया रिकॉर्ड कायम किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत

रामकथा पार्क में प्रभु श्रीराम के प्रतीकात्मक राज्याभिषेक से हुई, जिसके बाद मुख्यमंत्री योगी ने राम मंदिर पहुंचकर पूजा-अर्चना की और दीप जलाया। इसके बाद सरयू तट पर आरती की और दीपोत्सव का औपचारिक उद्घाटन किया। इस दौरान मुख्यमंत्री के साथ श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्रा और प्रबंधन से जुड़े अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री योगी ने बताया कि 15 मिनट के भीतर 56 घाटों पर दीप जलाए गए, जो कि एक नया कीर्तिमान है। साथ ही, 2100 से अधिक विद्वानों ने सरयू तट पर महाआरती में भाग लिया। कार्यक्रम में ड्रोन शो और लेजर शो ने भी दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। दीपोत्सव के मंच से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष पर भी तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा, "जब 2017 में हमने दीपोत्सव की शुरूआत की, तो हमारा उद्देश्य दुनिया को दिखाना था कि दीपावली का वास्तविक स्वरूप क्या है। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राम जन्मभूमि आंदोलन के दौरान कांग्रेस ने राम को मिथक बताया और समाजवादी पार्टी ने राम भक्तों पर गोलियां चलवाई थीं। योगी ने विपक्ष द्वारा राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण अस्वीकार करने को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा, "ये वही लोग हैं जो बाबर की कब्र पर सजदा करते हैं, लेकिन रामलला के निमंत्रण को ठुकरा देते हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी बताया कि इस बार उत्तर प्रदेश में 1 करोड़ 51 लाख दीपक जलाए गए, जो राज्य की सांस्कृतिक विरासत और विकास का संगम है। उन्होंने कहा, "जहां कभी गोलियां चलती थीं, वहां आज दीप जल रहे हैं। यह बदलाव अयोध्या की पहचान है। पूर्व सांसद रामविलास वेदांती महाराज ने कहा कि अयोध्या में ऐसा दीपोत्सव कभी कोई सोच भी नहीं सकता था लेकिन आदित्यनाथ ने मुख्यमंत्री बनकर असंभव को संभव बना दिया। रामविलास ने कहा कि उनसे पहले कई मुख्यमंत्री हुए पर किसी ने अयोध्या में ऐसे भक्ति-महोत्सव का स्वप्न तक नहीं देखा। उन्होंने नाम लिए बिना समाजवादी पार्टी पर निशाना साधते हुए कहा, 'लोग सैफई महोत्सव करवाते रहे और अपने घरों को सजाते रहे मगर योगी ने अयोध्या में दीपोत्सव की शुरूआत की। हर वर्ष दीपों की संख्या बढ़ रही है। योगी ने विश्वभर के हिंदुओं का मस्तक गर्व से ऊंचा किया है। जगतगुरु रामानुजाचार्य राघवाचार्य जी महाराज ने कहा कि पिछली सरकारों ने अयोध्या को अंधकार में धकेल दिया था, लोग अयोध्या का नाम लेने से कतराते थे, लेकिन आज वही अयोध्या प्रकाश की राजधानी बन गई है। उन्होंने कहा पहले के मुख्यमंत्री अयोध्या देखना नहीं चाहते थे, पर योगी लगभग हर महीने यहां आकर संतों का हाल जानते हैं। उन्होंने कहा कि सम्राट विक्रमादित्य ने कभी अयोध्या को सजाया था, योगी ने विक्रमादित्य की ही परंपरा को पुनर्जीवित किया है।

तमिलनाडु : घर में रखे देसी पटाखों में धमाका, चार लोगों की मौत

एजेंसी। चेन्नई

तमिलनाडु में चेन्नई के पास थंडुरै इलाके में रविवार को हुए एक भीषण धमाके में चार लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बताया कि हादसा एक मकान में हुआ जहां देसी (कंट्री-मेड) पटाखे बड़ी मात्रा में रखे गए थे। धमाका इतना जबरदस्त था कि मकान के कई हिस्से ढह गए और आसपास की इमारतों को भी नुकसान पहुंचा। फायर एंड रेस्क्यू सर्विसेज के कर्मियों ने मौके पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। अवडी पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि यह मकान पटाखों के भंडारण और खुदरा बिक्री के लिए इस्तेमाल किया जा रहा था। हादसे के सही कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। चेन्नई के पास थंडुरै इलाके में रविवार को एक घर में रखे देसी पटाखों के फटने से चार लोगों की मौत हो गई। धमाके में मकान के कई हिस्से क्षतिग्रस्त हो गए। पुलिस ने बताया कि घर का उपयोग पटाखे के भंडारण और बिक्री दोनों के लिए किया जा रहा था।

अब तक 11 सीटों पर सामने आई महागठबंधन की गांठें

बिहार चुनाव में आरजेडी बनाम कांग्रेस की जंग!

एजेंसी। नई दिल्ली

महागठबंधन में से 6 सीटों पर आरजेडी-कांग्रेस, तीन सीटों पर सीपीआई-कांग्रेस और दो सीटों पर आरजेडी-वीआईपी आमने-सामने हैं। सीट शेयरिंग को लेकर नेताओं में बातचीत भी बंद है। बिहार विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के लिए नामांकन की प्रक्रिया खत्म होने को है, लेकिन विपक्षी इंडिया गठबंधन में भ्रम की स्थिति अभी भी खत्म होती नहीं दिख रही है। हालत ये हो गई कि महागठबंधन की भीतर ही पार्टियां चुनावी मैदान में एक-दूसरे के खिलाफ ताल ठोक रहे हैं। सीट बंटवारे यहां ऐसा पेंच फंसा है कि 11 सीटों पर महागठबंधन के सहयोगी दल आमने-सामने हैं। महागठबंधन में से 6 सीटों पर आरजेडी-कांग्रेस, तीन सीटों पर सीपीआई-कांग्रेस और दो सीटों पर आरजेडी-वीआईपी आमने-सामने हैं। दूसरे चरण के मतदान के लिए नामांकन प्रक्रिया सोमवार (19 अक्टूबर 2025) को खत्म हो रहा है। बताया जा रहा है एक-दूसरे की सीट पर दावा करने के कारण आरजेडी और कांग्रेस के नेताओं में बातचीत बंद है। आरजेडी लगातार अपने उम्मीदवारों को सिंबल बांट रही है।

इन सीटों पर कांग्रेस बनाम आरजेडी

डिहरी और सासाराम सीट पर कांग्रेस और आरजेडी दोनों दावा कर रही है। कहलगांव, वैशाली, लालगंज, सिकंदरा, कुटुंबा और वारिसलीगंज सीटों पर आरजेडी और कांग्रेस आमने-सामने है। बेगूसराय जिले के बछवाड़ा सीट से कांग्रेस और सीपीआई दोनों के उम्मीदवार चुनावी मैदान में हैं. इस सीट की वजह से सीपीआई ने रोसड़ा, बिहारशरीफ और राजापाकड़ से भी अपने उम्मीदवार उतार दिए।

दो सीटों पर वीआईपी अे आरजेडी

उसी तरह तारापुर और चैनपुर सीट से वीआईपी और आरजेडी के उम्मीदवार आमने-सामने हैं। चैनपुर सीट से आरजेडी ने दो दिन पहले बृज किशोर बिंदु को सिंबल सौंपा, जिसके बाद वीआईपी ने भी अपने प्रदेश अध्यक्ष बालगोविंद बिंद को यहां का प्रत्याशी बना दिया. महागठबंधन के कोई नेता खुलकर इस मुद्दे पर कुछ नहीं बोल रहे हैं, जिस वजह से घटक दल के कार्यकताओं में असमंजस की स्थिति बनी हुई है। आरजेडी और कांग्रेस के बीच सीट बंटवारे को लेकर गतिरोध जारी है। महागठबंधन पहले चरण के मतदान के लिए नामांकन की समय सीमा समाप्त होने के बावजूद सीट बंटवारे का फॉमूर्ला तय नहीं कर पाया है। इसके चलते गठबंधन के सहयोगी कई सीटों पर एक-दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं। वैशाली, लालगंज, कहलगांव और बिहारशरीफ जैसी जगहों पर आरजेडी और कांग्रेस सीधे मुकाबले में हैं, जबकि बछवाड़ा और रोसरा में सीपीआई कांग्रेस से भिड़ रही है। इस गतिरोध की जड़ में आरजेडी की यह मांग है कि तेजस्वी यादव को गठबंधन का मुख्यमंत्री चेहरा घोषित किया जाए। कांग्रेस ने अभी तक इस प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया है। बिहार में कांग्रेस के कुछ नेता निजी तौर पर मानते हैं कि यादव स्पष्ट पसंद हैं, लेकिन पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व इस पर कुछ भी कहने से बच रहा है।

राजेश राम के सामने आरजेडी के उम्मीदवार

बिहार कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम के खिलाफ कुटुम्बा सीट से आरजेडी ने सुरेश पासवान उतार दिया है. राजेश राम ने यहां तक कह दिया कि तेजस्वी यादव गठबंधन के समझौते के खिलाफ काम कर रहे हैं और दलितों के प्रतिनिधित्व को कमजोर कर रहे हैं। आरजेडी के अनुसार उसने दिनारा, डिहरी, सासाराम, नवीनगर, नोह, रफीगंज, टिकारी, नवादा, रजौली, रून्नीसैदपुर, सुरसंड और बाजपट्टी सीटों पर उम्मीदवारों को सिंबल नहीं सौंपा है।

देश में 8.82 लाख आदेश अधर में सुप्रीम कोर्ट ने जताई गहरी नाराजगी

एजेंसी। नई दिल्ली

देश की सर्वोच्च अदालत ने देशभर में लंबित पड़े 8.82 लाख से ज्यादा 'निष्पादन याचिकाओं' (अदालती आदेशों को लागू करवाने के लिए दायर याचिकाएं) पर सख्त नाराजगी जताई है। अदालत ने कहा कि ये स्थिति बेहद निराशाजनक और चिंताजनक है। जब किसी नागरिक विवाद में अदालत कोई फैसला दे देती है और हारने वाला पक्ष उस आदेश को मानने से इनकार कर देता है, तब विजेता पक्ष अदालत में निष्पादन याचिका दायर करता है ताकि आदेश लागू हो सके। यानी यह प्रक्रिया अदालत के

आदेश को जमीन पर उतारने की होती है। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस पंकज मित्तल की पीठ ने कहा, 'अदालत का आदेश अगर वर्षों तक लागू ही न हो सके, तो फिर ऐसे आदेश का कोई मतलब नहीं रह जाता। यह न्याय का मजाक बन जाएगा।' अदालत ने बताया कि कुल 8,82,578 निष्पादन याचिका लंबित हैं। मार्च 2024 से अब तक लगभग 3.38 लाख मामलों का निपटारा हुआ, लेकिन बाकी अब भी अटके हुए हैं। कोर्ट ने सभी हाईकोर्टों से कहा कि वे जिला अदालतों को स्पष्ट दिशा-निर्देश दें ताकि पुराने मामलों को जल्द निपटाया जा सके। कर्नाटक हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट को जरूरी आंकड़े नहीं भेजे। इस पर कोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि रजिस्ट्रार जनरल दो हफ्तों में जवाब दें कि जानकारी क्यों नहीं दी गई। 6 मार्च को सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया था कि सभी हाईकोर्ट सर्कुलर जारी करें।

केंद्रीय कर्मचारी को पीएम मोदी ने दिया 60 दिन का बोनस

एजेंसी। नई दिल्ली

दिवाली के त्योहार से पहले केंद्र सरकार ने अपने कर्मचारियों के लिए एक खुशखबरी दी है। संचार मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले डाक विभाग ने वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए उत्पादकता-लिंक्ड बोनस का ऐलान किया है। अधिकारियों के अनुसार, इस बार डाक कर्मचारियों को 60 दिनों के वेतन के बराबर बोनस मिलेगा। यह कदम कर्मचारियों की मेहनत को मान्यता देने के साथ-साथ त्योहारी सीजन में उन्हें वित्तीय राहत प्रदान करने के उद्देश्य से उठाया गया है। डाक विभाग के आधिकारिक आदेश के अनुसार, इस बोनस का लाभ विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों को दिया जाएगा। इनमें नियमित कर्मचारी, ग्रामीण डाक सेवक अस्थायी और पूर्णकालिक कैजुअल कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा, ऐसे कर्मचारी जो 31 मार्च 2025 के बाद सेवानिवृत्त, इस्तीफा दे चुके हैं या प्रतिनियुक्ति पर चले गए हैं, वे भी इस बोनस के पात्र होंगे। विभाग ने स्पष्ट किया है कि ऐसे सभी कर्मचारियों के लिए उत्पादकता-लिंक्ड बोनस, संबंधित प्रावधानों के अनुसार देय होगा। नियमित कर्मचारी और गैर-राजपत्रित के कर्मचारी शामिल हैं। इसके अलावा, जो कर्मचारी 31 मार्च 2025 के बाद सेवानिवृत्त होंगे, इस्तीफा देंगे या प्रतिनियुक्ति पर जाएंगे, उन्हें भी प्रो-राटा आधार पर बोनस दिया जाएगा।

रेलवे ने चलाएगा 75 जोड़ी विशेष ट्रेन

दिवाली-छठ पर घर जाने के लिए स्टेशनों पर लोगों की भारी भीड़

एजेंसी। नई दिल्ली

दिवाली और छठ महापर्व के मद्देनजर गुजरात के सूरत रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ उमड़ आई है। अपने घरों को लौट रहे यात्रियों की संख्या में जबरदस्त बढ़ोतरी के कारण वेस्टर्न रेलवे ने यात्रियों की सुविधा के लिए 75 जोड़ी विशेष ट्रेनें चलाई हैं। रेलवे स्टेशन पर स्थिति को संभालने के लिए सुरक्षा और भीड़ प्रबंधन के व्यापक इंतजाम किए गए हैं। पश्चिम रेलवे ने रविवार को जानकारी दी कि दिवाली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए 75 जोड़ी

विशेष ट्रेनें चलाई जा रही हैं। ये ट्रेनें 2,400 से अधिक फेरियां लगाकर यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचा रही हैं। सूरत रेलवे स्टेशन पर 1.5 किलोमीटर तक लंबी कतारें लग रही हैं, जहां हजारों लोग अपने घर जाने की प्रतीक्षा में खड़े दिखाई दे रहे हैं। रेलवे के अनुसार, ये विशेष ट्रेनें उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, ओडिशा और पश्चिम बंगाल सहित कई राज्यों के लिए चलाई जा रही हैं। सूरत और उधना स्टेशन से लगभग 40 जोड़ी त्योहार विशेष ट्रेनें संचालित की जा रही हैं। रविवार को छह नियमित ट्रेनों के अलावा 15 विशेष ट्रेनंन भी चलाई जा रही हैं, जिनमें से छह अनारक्षित (जनरल) ट्रेनें हैं। इसके अलावा उधना से जयनगर के लिए तीन विशेष ट्रेनें अधिसूचित की गई हैं।

हर दिन हजारों यात्रियों का आवागमन

रेलवे के मुताबिक, शनिवार को सूरत और उधना स्टेशन से कुल 22,800 यात्रियों ने यात्रा की, जबकि रविवार दोपहर तक 20,000 से अधिक लोग घर लौटने के लिए ट्रेनें पकड़ चुके थे। इस अभूतपूर्व भीड़ को देखते हुए रेलवे प्रशासन ने स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण के लिए कई उपाय किए हैं। स्टेशन के पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में अलग-अलग ह्लहोल्डिंग एरियाह्न बनाए गए हैं, ताकि यात्रियों को इंतजार के दौरान भी आराम मिल सके।

डुमरांव में सघन वाहन जांच अभियान, पुलिस और सीएपीएफ की संयुक्त कार्रवाई से मचा हड़कंप

■ **चुनावी माहौल में सतर्क हुई पुलिस, संदिग्ध धन और आचार संहिता उल्लंघन पर होगी सख्त**

केटी न्यूज/डुमरांव

लोकतांत्रिक महापर्व की तैयारी के बीच आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद डुमरांव में पुलिस प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। रविवार को डुमरांव थाना पुलिस और केंद्रीय अर्धसैनिक बल (सीएपीएफ) के जवानों ने स्टेशन रोड स्थित शनिचरा ब्रह्म बाबा के समीप संयुक्त रूप से सघन वाहन जांच अभियान चलाया। यह अभियान कानून-व्यवस्था को दुरुस्त रखने और आचार संहिता के पालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से किया गया। अभियान का नेतृत्व थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा और एसआई प्रियंका कुमारी ने किया। पुलिस और सीएपीएफ की संयुक्त टीम ने दोपहिया और चारपहिया वाहनों की बारीकी से जांच की। जिन वाहनों के पास आवश्यक कागजात नहीं थे या चालक हेलमेट और सीट बेल्ट का उपयोग नहीं कर रहे थे, उन पर चालान की कार्रवाई की गई। पुलिस ने मौके पर लोगों को यातायात नियमों और आचार संहिता के प्रावधानों की जानकारी देते हुए जागरूक भी किया। थानाध्यक्ष संजय कुमार सिन्हा ने बताया कि चुनाव के दौरान किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि, संदिग्ध धन या राजनीतिक उद्देश्य से धन के दुरुपयोग पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि चुनाव अवधि में यदि कोई व्यक्ति 50 हजार रुपये से अधिक नकद राशि लेकर चलता है, तो उस पर जांच की जा सकती है। जांच के दौरान हालांकि किसी वाहन से बड़ी नकद राशि बरामद नहीं हुई, लेकिन पुलिस ने पूरी सतर्कता बरतते हुए प्रत्येक वाहन की तलाशी ली। थानाध्यक्ष ने कहा कि इस तरह के सघन अभियान आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे, ताकि क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनी रहे और चुनाव प्रक्रिया निष्पक्ष रूप से संपन्न हो सके। उन्होंने बताया कि पुलिस का मकसद केवल कार्रवाई नहीं, बल्कि नागरिकों को कानून का सम्मान करने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में स्वच्छ भागीदारी सुनिश्चित कराने का भी है। पुलिस प्रशासन ने आम जनता से सहयोग की अपील की है। थानाध्यक्ष ने कहा कि यदि किसी को किसी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी मिले, तो तत्काल इसकी सूचना पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि ऐसी सूचनाओं पर गोपनीय तरीके से त्वरित कार्रवाई की जाएगी। डुमरांव पुलिस की यह पहल स्थानीय नागरिकों के बीच चर्चा का विषय बनी रही। कई लोगों ने इसे चुनावी पारदर्शिता और सुरक्षा सुनिश्चित करने की सराहनीय पहल बताया। अभियान के दौरान पुलिस और सीएपीएफ की संयुक्त मौजूदगी से क्षेत्र में सुरक्षा का माहौल और अधिक सुदृढ़ महसूस किया गया।

डीएम डॉ. विद्यानंद सिंह ने किया सामग्री कोषांग का निरीक्षण, पारदर्शिता और समयबद्धता पर दिया जोर

दीपों की जगमगाहट से नहाया डुमरांव, दीपावली पर उमड़ा

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव में दीपावली की रौनक इस बार कुछ खास रही। रविवार को सुबह से ही बाजारों में लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी। गोला रोड, चूड़ी बाजार, स्टेशन रोड, सफाखाना रोड, राजगढ़ चौक और जंगलबाजार जैसे इलाकों में दिनभर खरीदारों का तांता लगा रहा। दीपों के पर्व पर मिट्टी के दीये, लावा-मूरी, मिट्टी के खिलौनों और देवी-देवताओं की मूर्तियों की बिक्री जमकर हुई। दुकानदारों ने अपने ठेलों और दुकानों को आकर्षक तरीके से सजाया, वहीं ग्राहकों ने भी जमकर खरीदारी की।

दीपावली के शुभ अवसर पर परंपरा के अनुरूप लोगों ने मिट्टी के दीये खरीदे। माना जाता है कि मिट्टी के दीयों की रोशनी से लक्ष्मी का आगमन होता है और घर में समृद्धि आती है। शाम होते-होते पूरा शहर रोशनी की चादर में लिपट गया। सड़कों, गलियों और घरों की बालकनियों पर लटकती रंग-बिरंगी लाइटें दीपावली की उल्लास भरी तस्वीर पेश कर रही थीं।

मिठाई, पटाखे और खिलौनों की खूब रही बिक्री

बाजारों में मिठाइयों की बिक्री भी चरम पर रही। दुकानों पर मोतीचूर के लड्डू की सबसे अधिक मांग रही। इसके अलावा रसगुल्ले, पेड़ा, बर्फी और काजू कतली की भी अच्छी खासी बिक्री हुई। वहीं बच्चे पटाखों की दुकानों पर खूब उमड़े। फूलझरी, अनार, चकरी और छोटे पटाखे की जबरदस्त बिक्री हुई। अभिभावक भी बच्चों की खुशी के लिए उनके साथ फूलझरी और अनार खरीदते नजर आए। मिट्टी की मूर्तियों की दुकानों पर लक्ष्मी-गणेश की प्रतिमाओं की बिक्री खूब हुई। लोग पूजा के लिए मिट्टी की मूर्तियों के साथ देवी-देवताओं के सुंदर कैलेंडर भी खरीद रहे थे। इस बार मिट्टी के दीयों के साथ-साथ बिजली से चलने वाले सजावटी दीयों और रंगीन झालरों की भी खूब मांग रही।

शहर की गलियां बनीं रोशनी का समंदर

डुमरांव की कोई गली ऐसी नहीं थी, जो दीपावली की रोशनी से नहाई न हो। हर घर को मिनी बल्बों, रंगीन झालरों और दूधिया लाइटों से सजाया गया था। कई घरों की छतों, खिड़कियों और दरवाजों से छनकर निकलती रोशनी ने पूरे नगर को स्वर्णिम आभा से भर दिया। लोग अपने परिवारों के साथ सड़कों पर निकलकर सजावट का आनंद ले रहे थे। दीपावली की शाम डुमरांव का हर कोना किसी सपनों के शहर की तरह जगमगा रहा था। अमीर-गरीब सभी ने अपने घरों को सजाया और दीपों की रोशनी से अंधेरे को दूर किया।

शहर में प्रशासन की मुस्तैदी, हर चौक पर तैनात रही पुलिस

दीपावली के उल्लास के बीच प्रशासन ने भी सुरक्षा व्यवस्था का कड़ा प्रबंध किया था। नगर के नया थाना मोड़, विष्णु भगवान मंदिर, महरौरा मोड़, पुराना भोजपुर और नया भोजपुर चौक पर दंडाधिकारी के साथ पुलिस बल के जवान तैनात रहे। पुलिस बल का मार्च पास्ट देख लोगों में सुरक्षा की भावना बनी रही। हर चौक-चौराहे पर निगरानी बढ़ाई गई थी, ताकि कोई अप्रिय घटना न हो।

फुटपाथी संघ ने कहा, जो वेंडिंग जोन जो बनाएगा, उसी को देंगे वोट

केटी न्यूज/डुमरांव

डुमरांव फुटपाथी संघ ने आगामी चुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया है। संघ के जिलाध्यक्ष मिंटू हाशमी ने कहा कि डेढ़ दशक से फुटपाथी दुकानदार वेंडिंग जोन की मांग कर रहे हैं, लेकिन अब तक केवल आश्वासन मिला है। कई बार स्थल चयन भी हुआ, पर वेंडिंग जोन अस्तित्व में नहीं आया।

उन्होंने कहा कि अब फुटपाथी दुकानदार वही उम्मीदवार चुनेंगे, जो सिर्फ वादा नहीं, बल्कि वेंडिंग जोन बनवाने का ठोस काम करेगा। हाशमी ने बताया कि इस मुद्दे पर जल्द ही फुटपाथी संघ की एक बैठक बुलाई जाएगी, जिसमें सर्वसम्मति से निर्णय लिया जाएगा कि किस उम्मीदवार को समर्थन दिया जाए।

फुटपाथी दुकानदारों ने साफ कहा कि अब वादों का नहीं, काम का समय है। जो हमारी रोजी-रोटी की गारंटी देगा, वोट उसी को मिलेगा।

विक्षुब्ध भाजपा कार्यकर्ता अमरेन्द्र पांडेय ने लिया नामांकन

■ **बक्सर सदर सीट से आनंद मिश्रा को टिकट मिलने के बाद से चल रहे थे नाराज, गिले शिकवे भूल फिर से एकजुट हुए सभी**

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधानसभा चुनाव 2025 को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। इसी क्रम में भारतीय जनता पार्टी, जिला बक्सर के द्वारा रविवार की शाम 4 बजे पार्टी कार्यालय अहिरौली में एक प्रेस वार्ता आयोजित की गई। प्रेस वार्ता की अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश भुवन ने की, जबकि संचालन का कार्य जिला मीडिया प्रभारी उमाशंकर राय ने किया।

कार्यक्रम में मुख्य रूप से विधान परिषद सदस्य जीवन कुमार, भाजपा क्षेत्रीय प्रभारी अशोक भट्ट, एनडीए समर्थित भाजपा प्रत्याशी आनंद मिश्रा तथा भाजपा के असंतुष्ट कार्यकर्ता अमरेन्द्र पांडेय समेत अनेक वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता के दौरान बताया गया कि शनिवार 18 अक्टूबर को बिहार चुनाव प्रभारी एवं केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान का आगमन बक्सर के वैष्णवी क्लार्क होटल में हुआ था। इस दौरान भाजपा के सभी जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, जनप्रतिनिधि, विधानसभा संयोजक एवं विस्तारकों के साथ आगामी विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करने को लेकर रणनीतिक चर्चा की गई। इसी बैठक में भाजपा नेतृत्व द्वारा बक्सर विधानसभा सीट पर एनडीए समर्थित प्रत्याशी आनंद मिश्रा के समर्थन में सभी कार्यकर्ताओं से एकजुट होकर कार्य करने की अपील की गई। धर्मेन्द्र प्रधान ने असंतुष्ट कार्यकताओं से भी संवाद स्थापित कर पार्टी की नीतियों और विचारधारा पर चर्चा की। इसी का परिणाम रहा कि रविवार को भाजपा के असंतुष्ट कार्यकर्ता एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अमरेन्द्र पांडेय ने पार्टी कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान अपने समर्थकों के साथ भाजपा प्रत्याशी आनंद मिश्रा को समर्थन देने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि भाजपा के केंद्रीय एवं प्रदेश नेतृत्व में उन्हें पूर्ण विश्वास है और पार्टी की विचारधारा ही देशहित में सर्वोपरि है। अमरेन्द्र पांडेय ने अपने नामांकन को वापस लेने की घोषणा करते हुए कहा कि अब उनका एकमात्र लक्ष्य बक्सर विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी की विजय सुनिश्चित करना है। प्रेस वार्ता के अंत में उपस्थित सभी कार्यकताओं ने भारतीय जनता पार्टी जिंदाबाद और एनडीए गठबंधन जिंदाबाद के नारों के साथ एकता और संगठन की शक्ति का प्रदर्शन किया। कार्यकताओं ने यह संकल्प लिया कि भाजपा के नेतृत्व में बक्सर विधानसभा से एनडीए की जीत निश्चित है और सभी कार्यकर्ता एकजुट होकर इस लक्ष्य को पूरा करेंगे।

दीपावली-छठ पर अग्नि सुरक्षा को लेकर सक्रिय हुआ अग्निशमन विभाग, पटाखा दुकानों का किया निरीक्षण

केटी न्यूज/डुमरांव

दीपावली और छठ जैसे बड़े पर्वों के मद्देनजर अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने हेतु अग्निशमन विभाग पूरी तरह से सक्रिय हो गया है। जिला अग्निशमन पदाधिकारी विनोद कुमार यादव के निर्देश पर अनुमंडल अग्निशमालय बक्सर एवं डुमरांव की संयुक्त टीम द्वारा रविवार को बक्सर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में पटाखा दुकानों का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अग्निशमन कर्मियों ने पटाखा विक्रेताओं को अग्नि सुरक्षा नियमों की विस्तृत जानकारी दी तथा किसी भी आपात स्थिति में किए जाने वाले त्वरित उपायों के प्रति जागरूक किया। टीम ने दुकानदारों को सावधानी बरतने की सलाह देते हुए कहा कि पटाखों को सुरक्षित दूरी पर रखे, आग के स्रोत से दूर रहें और दुकान के पास अग्निशमन यंत्र अवश्य रखें। विभाग की ओर से दीपावली एवं छठ पर्व पर क्या करें और क्या न करें की जानकारी भी दी गई। इसमें बताया गया कि बच्चों द्वारा पटाखे जलाने के समय वयस्क सदस्य अवश्य उपस्थित रहें तथा आतिशबाजी का प्रयोग करने से पूर्व उस पर लिखे गए सुरक्षा निदेर्शों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। वहीं, घर में अधिक मात्रा में पटाखों का भंडारण न करने, घर के अंदर पटाखा न जलाने और पतले बिजली तारों पर अधिक वोल्टेज वाले बल्ब लगाने से परहेज करने की अपील की गई। अग्निशमन विभाग ने जनता से अपील की है कि किसी भी प्रकार की आगजनी या आपदा की स्थिति में तुरंत डॉयल 101 या 112 पर सूचना दें। इसके अतिरिक्त डुमरांव अग्निशमालय से 7485805932/33 तथा बक्सर अग्निशमालय से 7485805930/31 नंबर पर संपर्क किया जा सकता है। विभाग ने लोगों से सुरक्षित और जिम्मेदार तरीके से पर्व मनाने की अपील की है।

छठ से पहले गंगा तटों पर कचरे का अंबार, सफाई व्यवस्था पर उठे सवाल

■ **अब भी दयनीय बनी हुई है चौसा गंगा घाटों की स्थिति**

केटी न्यूज/चौसा

आस्था के महापर्व छठ को लेकर जहां श्रद्धालु तैयारियों में जुटे हैं, वहीं चौसा नगर पंचायत क्षेत्र के गंगा तटों की स्थिति अब भी चिंताजनक बनी हुई है। घाटों की सफाई व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं, क्योंकि नगर पंचायत द्वारा शहर के विभिन्न इलाकों से निकले कचरे को अब भी गंगा किनारे फेंका जा रहा है। इससे न केवल गंदगी फैल रही है, बल्कि आने वाले दिनों में छठव्रतियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ सकता है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नगर पंचायत द्वारा मुख्य सड़कों की सफाई तो नियमित रूप से की जाती है, लेकिन उठाए गए कचरे को उचित स्थान पर फेंकने के बजाय गंगा किनारे या सड़क के किनारे ही डाल दिया जाता है। कई बार इन ढेरों में आग भी लगा दी जाती है, जिससे धुआं और राख आसपास के इलाकों में फैल जाती है और वायु प्रदूषण की स्थिति बन जाती है। लोगों ने कई बार आपत्ति जताई, लेकिन ठोस कार्रवाई नहीं की गई। सूत्रों के अनुसार, चौसा बाजार घाट, नवाब घाट, रामनगर घाट सहित अन्य तटीय क्षेत्रों में कचरे के बड़े ढेर लगे हैं। हाल ही में नगर पंचायत की कार्यपालक पदाधिकारी रानी कुमारी ने निरीक्षण के दौरान इन कचरों को स्वयं देखा और संबंधित स्वच्छता पदाधिकारी को त्वरित सफाई के निर्देश दिए। बावजूद इसके, अब तक कोई विशेष सुधार देखने को नहीं मिला है। गौरतलब है कि आगामी दिनों में छठव्रती महिलाएं गंगा तटों पर पहुंचकर सूर्य को अर्घ्य अर्पित करेंगी। ऐसे में घाटों की वर्तमान स्थिति श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का सबब बन सकती है। पहले सामाजिक संस्थाओं व स्वयंसेवकों द्वारा घाटों और रास्तों की सफाई अभियान चलाया जाता था, लेकिन नगर पंचायत गठन के बाद पूरी जिम्मेदारी प्रशासन की हो गई है।

स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया कि सफाई, प्रकाश व्यवस्था और सुरक्षा के नाम पर हर वर्ष नगर पंचायत को पर्याप्त राशि उपलब्ध कराई जाती है, लेकिन उसका समुचित उपयोग नहीं होता। उनका कहना है कि अगर समय रहते प्रशासन ने सफाई अभियान नहीं चलाया, तो श्रद्धालुओं को कीचड़ और कचरे से होकर गंगा तक पहुंचना पड़ेगा। इस संबंध में कार्यपालक पदाधिकारी रानी कुमारी ने बताया कि नगर पंचायत की ओर से सभी घाटों की सफाई कराने के निर्देश जारी किए गए हैं। उन्होंने कहा कि छठ पर्व से पहले सभी घाटों से कचरे की सफाई पूरी कर ली जाएगी, ताकि श्रद्धालुओं को किसी तरह की परेशानी न हो।

फिलहाल नगर पंचायत की कार्रवाई पर सभी की निगाहें टिकी हैं। जनता को उम्मीद है कि प्रशासन जल्द ही गंगा तटों को स्वच्छ बनाकर छठव्रतियों के लिए सुरक्षित और स्वच्छ माहौल सुनिश्चित करेगा।

एम.पी. हाई स्कूल, बक्सर में माइक्रो ऑब्जर्वर प्रशिक्षण संपन्न

■ **मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित करने का दिया गया संदेश**

केटी न्यूज/बक्सर

आगामी बिहार विधान सभा निर्वाचन 2025 की तैयारियों के तहत रविवार को एम.पी. हाई स्कूल, बक्सर में माइक्रो ऑब्जर्वरों का एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह प्रशिक्षण जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह के निर्देशन में तथा नोडल पदाधिकारी (प्रशिक्षण प्रकोष्ठ) एवं मास्टर ट्रेनर्स की देखरेख में संपन्न हुआ। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य निर्वाचन कार्य में संलग्न माइक्रो ऑब्जर्वरों को उनकी भूमिका, दायित्वों एवं रिपोर्टिंग प्रणाली की संपूर्ण जानकारी प्रदान करना था।

प्रशिक्षण सत्र के दौरान नोडल पदाधिकारी (प्रशिक्षण प्रकोष्ठ) ने बताया कि माइक्रो ऑब्जर्वर निर्वाचन प्रक्रिया की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी हैं, जिनकी जिम्मेदारी मतदान केंद्रों पर निष्पक्षता, पारदर्शिता और शांतिपूर्ण माहौल बनाए रखने की होती है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त माइक्रो ऑब्जर्वरों को मतदान केंद्रों पर किसी भी प्रकार की अनियमितता, मतदाता को प्रभावित करने या डराने-धमकाने की स्थिति, अथवा आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन की सूचना तुरंत प्रेक्षक एवं जिला निर्वाचन पदाधिकारी को भेजनी होगी।

ईवीएम और वीवीपैट के संचालन पर मिला प्रायोगिक प्रशिक्षण

प्रशिक्षण सत्र में मास्टर ट्रेनर्स द्वारा ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की कार्यप्रणाली का प्रायोगिक प्रदर्शन कराया गया। माइक्रो ऑब्जर्वरों को मतदान दिवस पर मशीनों के सही संचालन, मॉक पोल प्रक्रिया, सीलिंग, एवं पोल के बाद ईवीएम-वीवीपैट के सुरक्षित भंडारण से संबंधित सभी तकनीकी पहलुओं की जानकारी दी गई। ट्रेनर्स ने बताया कि प्रत्येक माइक्रो ऑब्जर्वर को मतदान के दौरान मत प्रतिशत की निगरानी रखनी होगी तथा मतदान केंद्र पर किसी भी गड़बड़ी की स्थिति में त्वरित रिपोर्टिंग करनी होगी।

पारदर्शिता और निष्पक्षता पर दिया गया विशेष बल

कार्यक्रम के दौरान बताया गया कि माइक्रो ऑब्जर्वर निर्वाचन आयोग की ह्लपारदर्शी चुनावह्व की अवधारणा के वास्तविक क्रियान्वयन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। वे मतदान केंद्रों पर आयोग की आँख और कान के रूप में कार्य करते हैं। इस अवसर पर जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी, बक्सर ने संदेश दिया कि प्रत्येक प्रशिक्षण सत्र का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि निर्वाचन प्रक्रिया में शामिल प्रत्येक पदाधिकारी अपनी भूमिका को पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निभाए। उन्होंने कहा कि निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव लोकतंत्र की बुनियाद है, और इसके लिए प्रशिक्षित एवं सजग कर्मियों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है।

प्रशिक्षण स्थल पर रही सुदृढ़ व्यवस्थाए

एम.पी. हाई स्कूल, बक्सर में आयोजित इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए समुचित व्यवस्थाएं की गई थीं। प्रशिक्षणार्थियों के लिए आवश्यक निर्वाचन सामग्रियां, प्रशिक्षण पुस्तिकाएं और तकनीकी सहायता की उपलब्धता सुनिश्चित की गई थी। प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रतिभागियों को आयोग के दिशा-निर्देशों से संबंधित हैंडबुक भी प्रदान की गई।

निष्पक्ष चुनाव की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम

नोडल पदाधिकारी ने कहा कि यह प्रशिक्षण आगामी बिहार विधान सभा निर्वाचन 2025 की निष्पक्ष एवं पारदर्शी आयोजन की दिशा में एक अहम पहल है। माइक्रो ऑब्जर्वरों की सजगता और तत्परता से ही मतदान केंद्रों पर किसी भी प्रकार की अनियमितता पर नियंत्रण रखा जा सकेगा। उन्होंने यह भी बताया कि प्रशिक्षण प्राप्त ऑब्जर्वर मतदान दिवस पर आयोग के दिशा-निर्देशों के तहत स्वतंत्र रूप से अपने कार्यों का निष्पादन करेंगे और आवश्यक रिपोर्ट प्रत्यक्ष रूप से प्रेक्षक को देंगे। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने प्रशिक्षण के अंत में सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि सजग, प्रशिक्षित एवं जिम्मेदार कर्मियों के सहयोग से ही लोकतंत्र का यह महापर्व, विधान सभा निर्वाचन 2025, पूर्णतः शांतिपूर्ण, स्वतंत्र और पारदर्शी तरीके से संपन्न होगा।

एक नजर

बस से 13 किलो गांजा बरामद, महिला व नाबालिग हिरासत में, चुनाव के मद्देनजर प्रशासन सतर्क

राजपुर। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद जिलेभर में पुलिस और उड़न दस्ता टीमों द्वारा लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में राजपुर थाना क्षेत्र के बसही पुल के समीप की गई सघन जांच के दौरान पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल की है। जांच के दौरान एक यात्री बस की तलाशी में करीब 13 किलो गांजा बरामद किया गया। थानाध्यक्ष निवास कुमार ने बताया कि मौके से एक महिला दुलिया देवी और एक नाबालिग लड़के को हिरासत में लिया गया है। दोनों से पूछताछ के बाद उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। प्रारंभिक पूछताछ में यह संभावना जताई जा रही है कि इस मादक पदार्थ की तस्करी से जुड़े अन्य लोगों के नाम भी सामने आ सकते हैं। पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है ताकि पूरे नेटवर्क का पदार्फाश किया जा सके। ज्ञात हो कि शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष विधानसभा चुनाव संपन्न कराने को लेकर प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है। जिला निर्वाचन पदाधिकारी सह जिलाधिकारी डॉ. विद्यानंद सिंह के निर्देश पर सीमावर्ती इलाकों में विशेष सतर्कता बरती जा रही है। राजपुर थाना क्षेत्र के साथ-साथ कैमूर और उत्तर प्रदेश की सीमा से सटे देवल पुल पर भी बैरिकेडिंग की गई है। इस दौरान गुजरने वाले हर वाहन की तलाशी ली जा रही है तथा संदिग्ध व्यक्तियों से गहन पूछताछ की जा रही है। पुलिस एवं अर्धसैनिक बल के जवान लगातार फ्लैग मार्च कर रहे हैं ताकि किसी भी तरह की अवैध गतिविधियों पर अंकुश लगाया जा सके। अधिकारियों का कहना है कि चुनाव के दौरान किसी भी तरह की अवैध तस्करी या गड़बड़ी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

बसही पुल पर उड़न दस्ते की बड़ी कार्रवाई एक कार से 1.75 लाख रुपये बरामद

राजपुर। आगामी विधानसभा चुनाव को शांतिपूर्ण और निष्पक्ष तरीके से संपन्न कराने के लिए राजपुर प्रखंड में प्रशासन पूरी तरह चौकन्ना है। आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद से उड़न दस्ता दल ने सख्ती बढ़ा दी है। इसी कड़ी में रविवार को बक्सर-कोचस मुख्य मार्ग पर बसही पुल के समीप चल रहे जांच अभियान के दौरान टीम ने एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया। मजिस्ट्रेट धर्मेन्द्र कुमार और थानाध्यक्ष निवास कुमार के नेतृत्व में चल रहे अभियान के दौरान गुजर रही एक कार को जांच के लिए रोका गया। तलाशी के दौरान कार से एक लाख पचहत्तर हजार रुपये नगद बरामद किए गए। मौके पर मौजूद अधिकारियों ने जब रुपये के संबंध में दस्तावेज या प्रमाण मांगे, तो कार सवार कोई भी संतोषजनक जवाब या वैध कागजात नहीं प्रस्तुत कर सका। इसके बाद उड़न दस्ता टीम ने नगद राशि को जब्त करते हुए कानूनी प्रक्रिया पूरी की और राशि को वरीय अधिकारियों को सौंप दिया। इस कार्रवाई में पुलिस बल के अलावा अन्य कर्मी भी शामिल रहे। थानाध्यक्ष निवास कुमार ने बताया कि चुनाव के दौरान किसी प्रकार की धन या वस्तु वितरण जैसी गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए जिले के सभी सीमावर्ती इलाकों पर निगरानी बढ़ा दी गई है। रोहतास, कैमूर और उत्तर प्रदेश की सीमाओं से बिहार में प्रवेश करने वाले हर वाहन की बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि चुनाव को प्रभावित करने वाली किसी भी गतिविधि को समय रहते रोका जा सके।

दो शराबी व एक वारंटी समेत तीन गिरफ्तार

डुमरांव। नया भोजपुर थाने की पुलिस ने थाना क्षेत्र के पुराना भोजपुर गांव से शराब के नशे में दो युवकों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेजा है। गिरफ्तार शराबियों में खदेरन चौधरी पिता जय प्रकाश चौधरी तथा रवि कुमार चौधरी पिता लाल चौधरी शामिल है। मेडिकल जांच में शराब पीने की पुष्टि के बाद पुलिस ने उन्हें न्यायिक हिरासत में भेजा है। दूसरी तरफ नया भोजपुर निवासी वारंटी सुंदर लाल चौधरी को भी गिरफ्तार कर पुलिस ने जेल भेजा है। नया भोजपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने इसकी पुष्टि की है। उन्होंने बताया कि पुलिस विस चुनाव को ले ऐक्टिव मोड में है। उन्होंने कहा कि फरार अपराधियों तथा वारंटियों पर शिकंजा कसा जा रहा है।

धूमधाम और श्रद्धा से मनाया गया पंचमुखी हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव

■ **भक्तिमय वातावरण में गूंजे जय श्रीराम और जय हनुमान के उद्घोष**

केटी न्यूज/बक्सर

कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्दशी के पावन अवसर पर रविवार को पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में हनुमान जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। मंदिर के महंत आदरणीय श्री रमाकांत जी महाराज के पावन सानिध्य एवं मार्गदर्शन में संपन्न इस आयोजन में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसका संचालन डॉ. राजेश कुमार पांडेय की देखरेख में किया गया। मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों, झालरों और दीपमालाओं से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय और दिव्य बना रहा। इस अवसर पर महंत रमाकांत जी महाराज ने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि हनुमान जी सर्वगुण सम्पन्न, बाल ब्रह्मचारी और प्रभु श्रीराम के अनन्य भक्त हैं, जो अपने भक्तों के संकट हरने और उनके कल्याण हेतु सदा तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि हनुमान जी कलयुग में निराश जीवन में उत्साह और आस्था का संचार करते हैं तथा मानव जीवन को आदर्श पथ पर चलने की प्रेरणा देते हैं। पूजन, हवन और महावीरी झंडा स्थापना के पश्चात भव्य मंगल गायन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भोजपुरी गायक सम्राट भरत शर्मा व्यास, अशोक मिश्रा, के.के. पंडित, बटेश्वर यादव, जितेन्द्र कुमार, सोनू पांडेय, गुड्डू पाठक, जेपी तिवारी, मुकुल सिंह, पीयूष मिश्रा, मनीष पटेल, राहुल रंगीला, शेषनाथ ओझा एवं हंसराजू यादव सहित कई प्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी भक्ति-रसपूर्ण प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। जय श्रीराम और जय हनुमान के उद्घोष से मंदिर परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम में निगरानी अन्वेषक डीएसपी डॉ. पवन कुमार, पूर्व सीनेटर अजय कुमार मुनमुन, संदीप ठाकुर, अशोक द्विवेदी, श्रीमन पाठक, अंकित पांडेय, बीरू राय और अभिलाष सिंह सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

आचार संहिता के तहत की गई कार्रवाई, दो युवकों से पूछताछ जारी

केटी न्यूज/नावानगर

बासुदेवा थाना पुलिस ने रविवार को चेकिंग अभियान के दौरान दो वाहनों से कुल चार लाख रुपए बरामद किए हैं। यह कार्रवाई आदर्श आचार संहिता के तहत सतर्कता बरतते हुए की गई। थानाध्यक्ष अनिल कुमार पासवान ने बताया कि थाना परिसर के समीप वाहन जांच के क्रम में एक थार और एक ब्रेजा कार को रोका गया। तलाशी के दौरान दोनों वाहनों से दो-दो लाख रुपए नकद मिले। थार में सवार व्यक्ति की पहचान रोहतास जिले के अभिषेक कुमार सिंह के रूप में हुई, जबकि ब्रेजा कार चला रहे युवक की पहचान औरंगाबाद जिले के शंकर कुमार के रूप में की गई है। दोनों ने पुलिस को बताया कि वे व्यापारी हैं और डुमरांव से बिक्रमगंज की ओर वसूली की गई राशि लेकर लौट रहे थे। हालांकि, पुलिस के समक्ष कोई संतोषजनक दस्तावेज या प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके, जिसके बाद आचार संहिता के प्रावधानों के तहत नकदी रुपए को जब्त कर ली गई। थानाध्यक्ष ने बताया कि जब्त राशि की सूचना संबंधित निर्वाचन पदाधिकारी को दी गई है। दोनों व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है ताकि राशि के स्रोत और उपयोग की जानकारी स्पष्ट हो सके। पुलिस प्रशासन ने कहा है कि आदर्श आचार संहिता लागू रहने के दौरान किसी भी संदिग्ध धनराशि की आवाजाही पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है।

क्यों होता है डुमरांव विधानसभा का चुनाव रोचक, इस बार क्या रहेंगे मुद्दे, अभी कितना पिछड़ा है डुमरांव

■ **ऐतिहासिक, राजनैतिक व सांस्कृतिक महत्व रखने वाली है डुमरांव विस की सीट**

पीके बादल/केसठ

जिले की राजनीति में डुमरांव विधानसभा सीट हमेशा से सुर्खियों में रही है। ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और राजनीतिक महत्व रखने वाली यह सीट चुनावी मौसम में पूरे राज्य का ध्यान अपनी ओर खींचती है। डुमरांव न केवल बिहार की सबसे पुरानी रियासतों में से एक रही है, बल्कि यहां के मतदाता अपने जागरूक और बदलाव की ओर झुकाव वाले फैसलों के लिए भी जाने जाते हैं। यही कारण है कि यहां का चुनाव हर बार रोचक और कड़ा मुकाबला वाला होता है। पिछले चुनावों पर नजर डालें तो डुमरांव में मतदाता जातीय समीकरण, स्थानीय मुद्दे और उम्मीदवार की व्यक्तिगत छवि के आधार पर मतदान करते रहे हैं। यहां एक तरफ पारंपरिक समर्थक आधार वाले दल हैं, तो दूसरी ओर नए चेहरों और स्वतंत्र उम्मीदवारों को भी मौका मिलता रहा है। यह विविधता ही चुनाव को दिलचस्प बना देती है।

इस बार के संभावित मुद्दे

आगामी चुनाव में डुमरांव के सामने कई अहम मुद्दे होंगे। सबसे बड़ा सवाल विकास का है। सड़क, बिजली, पानी और स्वास्थ्य सेवाओं की कमी अब भी ग्रामीण इलाकों में महसूस की जाती है। डुमरांव नगर क्षेत्र में जलजमाव, जाम और साफ-सफाई जैसी समस्याएं लंबे समय से बनी हुई हैं। किसानों के लिए सिंचाई सुविधा, नहरों का रखरखाव और कृषि से जुड़े संसाधनों की उपलब्धता भी मुख्य एजेंडा में रहेंगे। इसके अलावा, बेरोजगारी और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ाने की मांग जोर पकड़ सकती है। शिक्षा संस्थानों की कमी और तकनीकी शिक्षा की सुविधाओं का अभाव भी चर्चा में रहने की संभावना है। स्वास्थ्य सुविधाओं, खासकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों की बदहाली, स्थानीय जनता के लिए गंभीर चिंता का विषय है। अभी बहुत पिछड़ा है डुमरांव बिहार के कई अन्य विधानसभा क्षेत्रों की तुलना में डुमरांव आज भी बुनियादी ढांचे के मामले में पिछड़ा हुआ माना जाता है। मुख्यालय से दूरी और बड़े उद्योग-धंधों की कमी ने यहां के विकास की गति को धीमा कर रखा है। कई गांव आज भी पक्की सड़क और स्थायी बिजली आपूर्ति से वंचित हैं। स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सरकारी योजनाओं के बावजूद यहां का स्तर औसत से नीचे है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर डुमरांव को विकास की मुख्यधारा में लाना है तो यहां के प्रतिनिधियों को केवल चुनावी वादों तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक योजनाओं पर काम करना होगा। स्थानीय लोगों की अपेक्षाएं हैं कि इस बार जो भी उम्मीदवार जीते, वह क्षेत्र के बुनियादी ढांचे, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार पर ठोस कदम उठाए। डुमरांव का चुनाव इस बार भी उतना ही रोचक होगा जितना पहले रहा है, लेकिन फर्क यह होगा कि मतदाता अब पहले से ज्यादा सजग हैं और वे वादों से ज्यादा काम के आधार पर फैसला करने को तैयार दिख रहे हैं। यही इस चुनाव को और भी खास बना देता है।

धूमधाम और श्रद्धा से मनाया गया पंचमुखी हनुमान मंदिर में हनुमान जन्मोत्सव

- **भक्तिमय वातावरण में गूंजे जय श्रीराम और जय हनुमान के उद्घोष**

केटी न्यूज/बक्सर

कार्तिक कृष्ण पक्ष चतुर्दशी के पावन अवसर पर रविवार को पंचमुखी हनुमान मंदिर परिसर में हनुमान जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। मंदिर के महंत आदरणीय श्री रमाकांत जी महाराज के पावन सानिध्य एवं मार्गदर्शन में संपन्न इस आयोजन में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। कार्यक्रम की शुरूआत वैदिक मंत्रोच्चार और पूजा-अर्चना के साथ हुई, जिसका संचालन डॉ. राजेश कुमार पांडेय की देखरेख में

किया गया। मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों, झालरों और दीपमालाओं से सजाया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय और दिव्य बना रहा। इस अवसर पर महंत रमाकांत जी महाराज ने भक्तों को संबोधित करते हुए कहा कि हनुमान जी सर्वगुण सम्पन्न, बाल ब्रह्मचारी और प्रभु श्रीराम के अनन्य भक्त हैं, जो अपने भक्तों के संकट हरने और उनके कल्याण हेतु सदा तत्पर रहते हैं। उन्होंने कहा कि हनुमान जी कलयुग में निराश जीवन में उत्साह और आस्था का संचार करते हैं तथा मानव जीवन को आदर्श पथ पर चलने की प्रेरणा देते हैं। पूजन, हवन और महावीरी झंडा स्थापना के पश्चात भव्य मंगल गायन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भोजपुरी गायक सम्राट भरत शर्मा व्यास, अशोक मिश्रा, के.के. पंडित, बटेश्वर यादव, जितेन्द्र कुमार, सोनू पांडेय, गुड्डू पाठक, जेपी तिवारी, मुकुल सिंह, पीयूष मिश्रा, मनीष पटेल, राहुल रंगीला, शेषनाथ ओझा एवं हंसराजू यादव सहित कई प्रसिद्ध कलाकारों ने अपनी भक्ति-रसपूर्ण प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

जय श्रीराम और जय हनुमान के उद्घोष से मंदिर परिसर गूंज उठा। कार्यक्रम में निगरानी अन्वेषक डीएसपी डॉ. पवन कुमार, पूर्व सीनेटर अजय कुमार मुनमुन, संदीप ठाकुर, अशोक द्विवेदी, श्रीमन पाठक, अंकित पांडेय, बीरू राय और अभिलाष सिंह सहित कई गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। व्यवस्थापक के रूप में डॉ. विमलेश पांडेय और डॉ. पंकज पांडेय ने पूरे आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराया। पंचमुखी हनुमान मंदिर द्वारा आयोजित इस भव्य जन्मोत्सव ने समाज में भक्ति, सद्भावना और एकता का संदेश दिया तथा भक्तिमय वातावरण में कार्यक्रम का सफल समापन हुआ।

एक नजर

पुलिस ने छापेमारी कर अवैध शराब निर्माण के आरोपी महिला को किया गिरफ्तार

संझौली । संझौली पुलिस ने शनिवार देर शाम को अवैध शराब के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई की । थाना क्षेत्र के चैता बहोरी (पानी टंकी) के पास एक गौशाला से पुलिस ने छापेमारी कर भारी मात्रा में शराब बनाने के उपकरण और शराब निर्माण करते एक महिला को गिरफ्तार कर लिया । लेकिन पुलिस की सूचना मिलते ही एक कारोबारी मौके से फरार हो गया। इसकी पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष पूनम कुमारी ने बताया गिरफ्तार महिला सनखन देवी जो चैता बहोरी निवासी शोभनाथ चौधरी की पत्नी है । गिरफ्तार महिला और फरार कारोबारी के विरुद्ध कांड दर्ज कर महिला को पुलिस न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया। पुलिस की इस कार्रवाई से शराब कारोबारियों में हड़कंप मच गया।

बिहार पुलिस के तीन पैंथर जवान अरेस्ट शराब के नशे में करते थे अवैध उगाही

बेतिया। पश्चिम चम्पारण जिले के बेतिया नगर थाना क्षेत्र से एक चौंकाने वाला मामला सामने आया है। नगर थाना में पदस्थापित तीन पैंथर सिपाहियों को शराब के नशे में लोगों से धमकाकर अवैध उगाही करने के आरोप में पुलिस ने गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई बेतिया पुलिस ने शनिवार की देर रात गुप्त सूचना के आधार पर की। सदर एसडीपीओ विवेक दीप द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, 18 अक्टूबर 2025 को देर रात लगभग 12:35 बजे सूचना मिली कि कुछ पुलिसकर्मी नशे में धुत होकर घूम रहे हैं और लोगों को धमकाते हुए रंगदारी के रूप में पैसे वसूल रहे हैं। सूचना के आलोक में अपर थानाध्यक्ष नितिन कुमार के नेतृत्व में छापामारी टीम गठित की गई, जिसने मौके पर पहुंचकर तीनों आरोपियों को नशे की हालत में पकड़ लिया। गिरफ्तार पैंथर सिपाहियों की पहचान बब्लू कुमार (उम्र 30 वर्ष), पिता रामश्री यादव, निवासी साओझमसूंदा, थाना वारसलीगंज, जिला नवादा; शिवम कुमार यादव (उम्र 31 वर्ष), पिता स्वर्गीय गोपाल यादव, निवासी साओझजौड़ा, थाना बांका; तथा सूर्यकांत निराला (उम्र 27 वर्ष), पिता अनिल शर्मा, निवासी साओझविष्णुपुर, थाना वजीरगंज, जिला गया के रूप में की गई है। नगर थाना द्वारा प्राथमिकी दर्ज कर तीनों के विरुद्ध विधिसम्मत कार्रवाई की गई है। सभी आरोपियों को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।

बड़हरा: नामांकन रद्द होने के बाद धरना पर बैठे निर्दलीय उम्मीदवार, पुलिस ने लिया हिरासत में

आरा। भोजपुर जिले के बड़हरा विधानसभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार विश्वनाथ सिंह का नामांकन पत्र रद्द होने के बाद को राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई। नामांकन रद्द होने से आक्रोशित विश्वनाथ सिंह जिला अनुमंडल कार्यालय के समक्ष धरना पर बैठ गए। करीब एक घंटे तक शांतिपूर्ण धरना देने के बाद प्रशासन को इसकी जानकारी मिली, जिसके बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर उन्हें हिरासत में लेकर नवादा थाना भेज दिया। धरना के दौरान विश्वनाथ सिंह ने कहा कि उनका सारा कागजात पूरी तरह से सही था, फिर भी उनका नामांकन रद्द कर दिया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि यह सब राजनीतिक दबाव और प्रभाव में आकर किया गया है। उन्होंने कहा यह लोकतंत्र की हत्या है। मेरे साथ अन्याय हुआ है। मैं बिहार के मुख्य चुनाव आयुक्त और उपचुनाव आयुक्त से मांग करता हूं कि मेरे नामांकन पत्र की निष्पक्ष जांच की जाए। विश्वनाथ सिंह ने बताया कि वे सुबह से ही निर्वाचन कार्यालय में मौजूद थे, लेकिन शाम तीन बजे के बाद उन्हें बताया गया कि उनका नामांकन रद्द कर दिया गया है। इससे नाराज होकर उन्होंने विरोध किया। साथ ही आमरण अनशन पर बैठ गए। जिसके बाद पुलिस विश्वनाथ सिंह को अपने साथ हिरासत में नवादा थाना ले गई। वहीं विश्वनाथ सिंह के समर्थक भी अनुमंडल कार्यालय पहुंचे थे।

तेज प्रताप यादव पर आचार संहिता उल्लंघन का केस दर्ज, बोलेरो पर पुलिस स्टिकर और सायरन लगाकर प्रचार करने का आरोप

एजेंसी/रोहतास

राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे और जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव के खिलाफ महुआ थाने में एफआईआर दर्ज किया गया है। आदर्श आचार संहिता मामले में वहां के सीओ ने केस दर्ज कराया है। बोलेरो पर पुलिस का स्टिकर और सायरन लाइट लगाकर प्रचार करने के आरोप में तेजप्रताप के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी है। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा था। जिस पर संज्ञान लेते हुए महुआ के सीओ ने आचार संहिता उल्लंघन का मामला तेजप्रताप के खिलाफ दर्ज कराया है। बता दें कि तेज प्रताप यादव खुद महुआ विधानसभा से जनशक्ति जनता दल के प्रत्याशी हैं। नामांकन पर्चा दाखिल करने जाने के दौरान बोलेरो गाड़ी पर पुलिस का स्टीकर और सायरन लाइट लगा

हुआ मिला और एस्कॉर्ट करते दिखाई दिखाई दिया। पुलिस की गाड़ी से एस्कॉर्ट करना आचार संहिता का उल्लंघन माना गया। सोशल मीडिया पर वीडियो वायरल होने के बाद प्रशासन ने संज्ञान लेते हुए महुआ थाने में तेज प्रताप के खिलाफ केस दर्ज कराया है। एसपी ललित मोहन शर्मा ने इस बात की जानकारी दी। कहा कि तेज प्रताप के खिलाफ आदर्श आचार संहिता उल्लंघन मामला दर्ज हुआ है। महुआ थाने में एफआईआर दर्ज किया गया है। महुआ के अंचलाधिकारी (सीओ) मनी कुमार वर्मा ने खुद महुआ थाने में आदर्श आचार संहिता उल्लंघन मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई है। दर्ज प्राथमिकी जन शक्ति जनता दल से महुआ विधान सभा क्षेत्र के उम्मीदवार तेज प्रताप यादव का नाम अंकित है। पुलिस ने वायरल वीडियो की जांच कराई जिसमें पुलिस ने पाया कि उक्त वाहन सरकारी नहीं था तथा पुलिस का स्टिकर और सायरन लाइट का इस्तेमाल गलत तरीके से किया गया था जिससे आचार संहिता के उल्लंघन का मामला बना जिसपर कार्रवाई करते हुए महुआ सीओ के बयान पर महुआ थाना में कांड संख्या 1025/25 दर्ज किया गया।इस बारे में पुलिस ने प्रेस रिलीज जारी कर बताया है कि धारा 319(2)/223/176 बीएनएस में मामला दर्ज किया गया है। दरअसल बीते 16 अक्टूबर को तेजप्रताप यादव अपना नामांकन निवार्ची पदाधिकारी सह अनुमंडल पदाधिकारी महुआ के कार्यालय में करना था। वायरल वीडियों में देखा गया कि एक सफेद कलर का बोलेरो जिसका रजिस्ट्रेशन नम्बर इफ03अफ1820 है। बोलेरो के ऊपर पुलिस का हुटर नीला एवं लाल रंग का लाइट लगा हुआ दिख रहा है। जनशक्ति जनता दल के कार्यकताओं के आगे-आगे चल रहा है। उस पर भी तेजप्रताप यादव के कार्यकर्ता सवार हैं। चुनाव के माहौल में पुलिस गाड़ी से स्कॉट किया जाना आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन माना जाता है। इसी को लेकर जन शक्ति जनता दल के प्रत्याशी तेज प्रताप यादव के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता-2023 के सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्राथमिकी की गई है।

छठ महापर्व पर एसडीएम और एएसपी ने अनुमंडल स्तरीय की शांति समिति की बैठक

एजेंसी/रोहतास

दीपावली और छठ महापर्व को लेकर रविवार को बिक्रमगंज थाना परिसर में अनुमंडल स्तरीय शांति समिति की एक अहम बैठक आयोजित की गई । बैठक की अध्यक्षता अनुमंडल पदाधिकारी प्रभात कुमार एवं अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी सह एएसपी संकेत कुमार ने संयुक्त रूप से की। इस दौरान नगर परिषद क्षेत्र सहित आसपास के पंचायतों के जनप्रतिनिधि,पूजा समिति के सदस्य,सामाजिक कार्यकर्ता एवं मीडिया प्रतिनिधि उपस्थित रहे। बैठक में लोगों ने अपने-अपने इलाकों की स्थिति,घाटों की सफाई,ट्रैफिक व्यवस्था,बिजली-पानी की समस्या समेत अन्य मुद्दों पर अधिकारियों के समक्ष सुझाव रखे । दोनों अधिकारियों ने सभी की बातें गंभीरता से सुनी और शांति एवं सौहार्दपूर्ण माहौल में पर्व मनाने की अपील की । एसडीएम प्रभात

कुमार ने कहा कि दीपावली और छठ हमारे जीवन के सबसे पवित्र महापर्व हैं,जो प्रकाश,स्वच्छता और आस्था के प्रतीक हैं । प्रशासन की ओर से सभी छठ घाटों की सफाई,रोशनी,पेयजल और सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है । किसी भी प्रकार की गड़बड़ी या असामाजिक तत्वों की सूचना तत्काल प्रशासन को दें,ताकि पर्व का माहौल शांतिपूर्ण बना रहे । वहीं एएसपी सह एसडीपीओ संकेत कुमार ने कहा कि त्योहारों में शांति बनाए रखना सबसे बड़ी जिम्मेदारी है । पुलिस प्रशासन की ओर से सभी संवेदनशील इलाकों में विशेष गश्ती दल तैनात किए जाएंगे । सभी पूजा घाटों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस बल मौजूद रहेंगे । किसी भी प्रकार की अफवाह फैलाने वालों या माहौल बिगाड़ने की कोशिश करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी । सभी पूजा समिति एवं स्थानीय लोग प्रशासन का सहयोग करें ताकि पर्व बिना किसी बाधा के संपन्न हो । बैठक में अनुमंडल के सभी थानों के थानाध्यक्ष, बीडीओ, सीओ, नगर परिषद व पंचायत पदाधिकारी, वार्ड पार्षद, समाजसेवी, व्यापारी संघ के लोग एवं विभिन्न धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। अंत में

बिक्रमगंज : अनुमंडल पदाधिकारी व सहायक विद्युत अभियंता ने छठ घाटों का किया निरीक्षण

एजेंसी/रोहतास

लोक आस्था के महापर्व छठ को लेकर अनुमंडल पदाधिकारी बिक्रमगंज व सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज द्वारा संयुक्त रुप से भलूनी छठ घाट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम मे छठ घाट स्थल पर बिजली व्यवस्था व छठ व्रतियों की सुविधाओं की जानकारी ली गयी। सहायक विद्युत अभियंता बिक्रमगंज राज कुमार के द्वारा बताया गया कि आस्था के चार दिवसीय छठ महापर्व पर व्रतियों को छठ घाटों पर विद्युत सम्बंधित किसी तरह की परेशानी न हो इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। विद्युत अनुरक्षण एवं संपोषण संबंधित कार्यों का निरीक्षण हेतु कर्मचारियों एवं पदाधिकारियों की प्रतिनियुक्ति की जाएगी।नियंत्रण कक्ष 2 दिनों के लिए बनाये जायेंगे। इस दौरान निर्वाध विद्युत आपूर्ति हेतु विद्युत आपूर्ति अवर प्रमंडल बिक्रमगंज के विभिन्न प्रशाखा क्षेत्रान्तर्गत सभी छठ घाटों पर भी कर्मियों को प्रतिनियुक्त की जाएगी, जो नियंत्रण कक्ष से समन्वय स्थापित करते हुए निर्वाध विद्युत आपूर्ति बहाल करने में सहयोग करेंगे।

दीपावली की धनतेरस पर गुलजार हुआ बाजार,लोगों ने जमकर की खरीदारी

एजेंसी/रोहतास

धनतेरस एवं दीपावली पर्व की तैयारियों ने रविवार को बिक्रमगंज नगर की रौनक को चार चांद लगा दिए। सुबह होते ही नगर के मुख्य बाजारों में खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी। हर गली,हर चौक पर खरीदारी का उत्साह साफ झलक रहा था। महिलाएं,पुरुष,युवा व बच्चे सभी अपने-अपने पसंदीदा सामानों की खरीद में मशगूल रहे। पूरा नगर धनतेरस की चमक में नहाया हुआ नजर आया। बिक्रमगंज का मुख्य बाजार,थाना रोड,स्टेशन रोड,तेंदुनी चौक दिनभर गुलजार रहे । बर्तनों से लेकर सोना-चांदी के सिक्कों, इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं,कपड़ों,दीयों, झालरों और मिठाइयों की दुकानों पर ग्राहकों की भारी भीड़ देखने को मिली। बाजारों में रौनक इतनी थी कि शाम ढलने के बाद भी ग्राहकों की

भीड़ कम नहीं हुई,बल्कि दीपों की झिलमिल रोशनी में खरीदारी का उल्लास और बढ़ गया । महिलाओं में सोना-चांदी के सिक्के,बर्तन व लक्ष्मी- गणेश की प्रतिमाओं को लेकर खास उत्साह देखा गया,वहीं बच्चों में खिलौनों व पटाखों की खरीदारी को लेकर रोमांच चरम पर रहा । कपड़ा, जूता,मोबाइल व गिफ्ट आइटम की दुकानों पर भी दिनभर ग्राहकों का तांता लगा रहा। दुकानदारों के चेहरों पर संतोष और उत्साह दोनों झलकते नजर आए। नगर के व्यापारियों ने बताया कि इस बार पिछले वर्षों की तुलना में बिक्री में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। लोग पूरे उत्साह के साथ पर्व की तैयारी में जुटे हैं । वहीं नगर की सड़कों पर उमड़ी भीड़ और दुकानों की जगमगाहट ने ऐसा माहौल बना दिया,मानो दीपावली पहले ही दस्तक दे चुकी हो। बिक्रमगंज की सजी- धजी गलियों,रोशनी से नहाए बाजारों और खरीदारी में डूबे लोगों को देखकर यही कहा जा सकता है कि इस बार धनतेरस पर बिक्रमगंज बाजार ने सच में दीपावली का आगाज कर दिया।

मधुबनी में महादलित बच्चे की अपहरण के बाद हत्या 25 लाख फिरौती नहीं देने पर बेरहमी से मारकर फेंका

एजेंसी/मधुबनी

बिहार के मधुबनी जिले से बड़ी खबर आ रही है, जहां अररिया संग्राम के पीपरोलिया गांव में एक दलित बच्चे की हत्या कर दी गई है। हत्या का मुख्य आरोपी फरार हो गया है। जबकि दो अन्य आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। बच्चे की हत्या कर शव को फेंक दिया गया था। शव के मिलने से परिजनों के बीच कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि 13 अक्टूबर को बच्चे का अपहरण हुआ था। जिसके बाद परिजनों से 25 लाख की फिरौती मांगी गई थी। फिरौती नहीं देने पर चौकीदार के अगवा बेटे की हत्या कर दी गई।

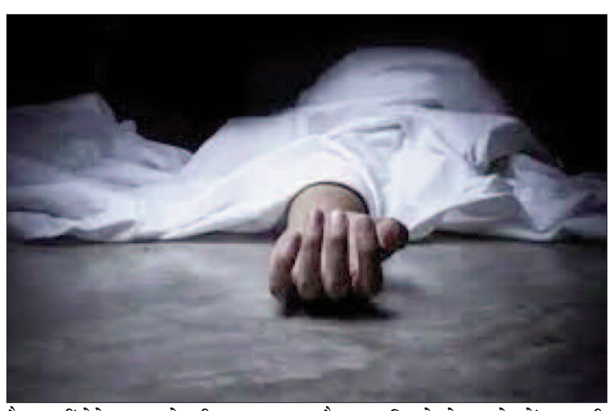

पैसा नहीं देने पर बच्चे की हत्या कर शव को फेंक दिया गया। मिली जानकारी के अनुसार चौकीदार शिबू चौपाल के बेटे को अगवा कर हत्या की गई है। महादलित बच्चे का कटा हुआ शव खेत से बरामद किया गया है। शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गयी। मौके पर पहुंची पुलिस इस पूरे मामले की छानबीन मे जुटी है। वही परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। परिजन पुलिस से मामले की जांच की मांग कर रहे हैं।

दिवाली को लेकर फायर डिपार्टमेंट ने बनाया बड़ा प्लान, पटना को 4 जोन में बांटा

एजेंसी। पटना

दीपावली के अवसर पर पटना में आग से बचाव और सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए फायर डिपार्टमेंट की तैयारियां तेज हो गई हैं। फायर डिपार्टमेंट के पुलिस उप महानिरीक्षक (डीआईजी) मनोज नट ने लोदीपुर कार्यालय में एक हाई-लेवल मीटिंग कर सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए। बैठक में अनुमंडल अग्निशमन अधिकारी और जिला अग्निशमन अधिकारी शामिल हुए। डीआईजी मनोज नट ने बताया कि इस बार पूरे पटना शहर को चार जोनों में विभाजित किया जाएगा।

खासतौर पर संकरी गलियों में तैनात वॉटर मिस्ट बाइक के जरिए फायर ब्रिगेड के कर्मी लगातार गश्त करेंगे। कुल 45 संवेदनशील पॉइंट्स की पहचान की गई है, जहां पर फायर डिपार्टमेंट की गाड़ियां तैनात रहेंगी। इन गाड़ियों पर इस बार करीब 350 फायरकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। विभाग का लक्ष्य है कि आग लगने की सूचना मिलते ही 2 से 5 मिनट के भीतर क्विक रिस्पॉन्स सुनिश्चित किया जाए। डीआईजी ने लोगों से अपील की है कि डायल 112 या 101 पर तुरंत सूचना दें। सभी अनुमंडल अग्निशमन अधिकारियों के मोबाइल नंबर सार्वजनिक कर दिए गए हैं। उन्होंने विशेष रूप से लापरवाही से बचने की अपील की है, जैसे- दीप, मोमबत्ती को ऐसी जगह न रखें जहां से आग लगने की आशंका हो। घर के अंदर पटाखे न जलाएं। दुकानों में पूजा के बाद जलते दीपक या अगरबत्ती को छोड़कर न जाएं। आतिशबाजी करते समय पास में पानी से भरी बाल्टी रखें।

जरूरी फायर डिपार्टमेंट नंबर

स्टेट फायर कंट्रोल रूम 7485805818
जिला फायर कंट्रोल रूम 7485805821
लोदीपुर अनुमंडल 7485806115
सचिवालय 0612-2215721
दानापुर 06115-221600
फुलवारी शरीफ 0612-2451100
कंकड़बाग 0612-2361198, 947399832
पटना सिटी 7485806119
बाढ़ 7485805825, 7485805823
पालीगंज 06135-277101
मसौढ़ी 0612-2434101
बिहटा 7485805934

एक नजर

धनतेरस पर लोगों ने की जमकर खरीदारी 4000 करोड़ से अधिक का हुआ कारोबार

पटना। बिहार में धनतेरस को लेकर खासा उत्साह देखने को मिला। लोग जमकर खरीददारी करते नजर आए। राजधानी पटना में भी सोने-चांदी की दुकानों, इलेक्टॉनिक्स, मोबाइल, बर्तन, टू-थ्री एंड फोर व्हीलर शो रूम में लोगों की भारी भीड़ उमड़ी। शनिवार की देर शाम तक बिहार में करीब साढ़े चार लाख चांदी के सिक्के बिक गये। पटना 2200 छोटी-बड़ी गाड़ियों की बिक्री हुई। जिसमें 100 से अधिक गाड़ियों की डिलीवरी आज हुई है। बाकी बचे गाड़ियों की डिलीवरी कल से परसो तक हो जाएगी। सबसे महंगी 10 बीएमडब्लू कार की डिलीवरी आज की गयी। डेढ़ करोड़ की गाड़ी बीएमडब्लू 7 की भी डिलीवरी आज की गयी। वही सबसे महंगी बाईक जिसकी 30 लाख रुपये हैं वो 13 पीस बिका। सबसे ज्यादा यदि कुछ बिका तो वो झाड़ू है। दो करोड़ लोगों ने झाड़ू खरीदा जिसकी कीमत 12 करोड़ रुपये आंकी जा रही है। इसी तरह बड़े टीवी की डिमांड ज्यादा रही। करीब 5 हजार टीवी बेची गयी है। पटना में सबसे महंगा टीवी 7.5 लाख का बिका वही 3.5 लाख का फ्रीज और सबसे महंगा हार 75 लाख रुपये का बिका।

चिरैया में आरजेडी कार्यकर्ताओं ने फाड़ा बैनर-पोस्टर, टिकट बंटवारे पर लालू-तेजस्वी पर भड़के

पटना। राष्ट्रीय जनता दल (RJD) में टिकट बंटवारे को लेकर लगातार विरोध प्रदर्शन लगातार जारी है। इसी कड़ी में मोतिहारी के चिरैया के राजद कार्यकताओं ने बैनर और पोस्टर को फाड़ दिया और अपनी नाराजगी प्रकट की। चिरैया के पूर्व प्रत्याशी अच्छे लाल यादव गुट के कार्यकताओं ने पार्टी दफ्तर में लगे राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव के बैनर पोस्टर को फाड़ना शुरू कर दिया और जमकर विरोध प्रदर्शन किया। टिकट बंटवारे को लेकर जारी घमासान के बीच राजद कार्यकर्ता और आरजेडी नेता पार्टी नेतृत्व पर टिकट बेचने का आरोप लगा रहे हैं। राजद से टिकट नहीं मिलने पर लोगों ने अपना आक्रोश व्यक्त किया। बीजेपी विधायक एवं बीजेपी प्रत्याशी लालबाबू गुप्ता ने चुटकी लेते हुए कहा कि राजद तो पैकेट की पार्टी है, वहां तो टिकट का खरीद फरोख्त आम बात है।

पटना में नशीले इंजेक्शन के बड़े रैकेट का खुलासा, 7 गिरफ्तार
भारी मात्रा में इंजेक्शन और नींद की गोलियां की गई बरामद

एजेंसी। पटना

बिहार में 9 साल से शराबबंदी लागू है। घरेलू हिंसा की बढ़ रही घटनाओं के बाद महिलाओं की विशेष मांग पर मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शराबबंदी कानून को बनाया था यह सोचकर कि लोग नशे से दूर रहेंगे और घर परिवार को खुश रखेंगे। लेकिन उनके इस कदम के बाद जो लोग पैसे वाले हैं वो ज्यादा पैसा देकर शराब तस्करों से शराब की व्यवस्था करने लगे। शराब की होम डिलिवरी होने की बात भी सामने आ चुकी है। वही जो लोग पैसे से कमजोर हैं वो शराब की जगह सुखा नशा और नशीली दवाइयों का सेवन करने लगे। पटना के कंकड़बाग थाना क्षेत्र में नशीले इजेक्शन के कारोबार की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने छापेमारी कर कंकड़बाग में चल रहे नशीले इंजेक्शन का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने 7 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। जिनके पास से 15,609 इंजेक्शन और 76,380

नींद की गोलियां बरामद किया गया है। कंकड़बाग थाना क्षेत्र में 17 अक्टूबर 2025 को गुप्त सूचना के आधार पर कंकड़बाग थाना पुलिस और औषधि निरीक्षक की संयुक्त टीम ने कंकड़बाग झोपड़पट्टी में छापेमारी कर नशे के कारोबार का बड़ा खुलासा किया है। इस कार्रवाई में कुल 07 लोगों को गिरफ्तार किया गया है तो वही कुल 15,609 नशे का इंजेक्शन, 76,380 नींद की गोलियां, दो मोबाइल फोन और 4,38,218/- नकद बरामद किया गया है। प्रथम चरण में कंकड़बाग झोपड़पट्टी से 102 नशे की इंजेक्शन और करीब 25 लीटर देशी शराब बरामद करते हुए 5 लोगों को मौके से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वो नशीले इंजेक्शन की खेप को ब्रजेश कुमार नामक सप्लायर से लिया था। इनकी निशानेही पर पटना सिटी स्थित ब्रजेश कुमार के घर में छापेमारी की गई, जहां से 700 नशे का इंजेक्शन और 4,38,218/- नकद बरामद किया गया। जब ब्रजेश से पूछताछ में मिले इनपुट के बाद टीम ने ई-110 पीसी कॉलोनी, कंकड़बाग में फिर छापेमारी की, जहां से राहुल कुमार को गिरफ्तार किया गया। गोदाम से 14,909 नशे का इंजेक्शन और 76,380 नींद की गोलियां (डायजेपाम और ट्रामाडोल) बरामद किया गया। पटना पुलिस नशे के खिलाफ इसे बड़ी कार्रवाई मान रही है।

पटना में अवैध कफ सिरप तस्करी का भंडाफोड़ बड़ी खेप के साथ स्कॉर्पियो से 5 तस्कर गिरफ्तार

रामकृष्णानगर थाना पुलिस ने रात्रि गश्त के दौरान एक बड़ी कार्रवाई करते हुए कोडीनयुक्त कफ सिरप की तस्करी का खुलासा किया है। पुलिस ने संदिग्ध रूप से गुजर रही एक स्कॉर्पियो (रजिस्ट्रेशन संख्या BR 19 K 0890) को रोका। पुलिस ने जब तलाशी ली तब बोनट और गेट के अंदर छिपाकर रखी गई कुल 23,178 बोतल (2317.8 लीटर) प्रतिबंधित कफ सिरप बरामद किया गया। कफ सिरफ की बड़ी खेप को देखकर पुलिस भी हैरान रह गयी। स्कॉर्पियों में सवार पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया और जब पूछताछ की गयी तब इन्होंने स्वीकार किया कि वो कफ सिरप जकरियापुर स्थित गोदाम से खरीदकर सहरसा में सप्लाई करने जा रहे थे। उनकी

निशानदेही पर पुलिस ने जकरियापुर में दो अलग-अलग गोदामों में छापेमारी कर भारी मात्रा में कफ सिरप की अतिरिक्त खेप को बरामद किया है। नशा के खिलाफ पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है।

गिरफ्तार तस्करों की पहचान

विकास कुमार, पिता विनोद कुमार, निवासी पटुआ
डब्लू कुमार, पिता जयराम यादव, निवासी पटुआ
कुंदन कुमार, पिता छोटन शर्मा, निवासी काश टोला
रामकुमार, पिता रामप्रसाद, निवासी पटुआ
शिवम रंजन, पिता संजय श्रीवास्तव, निवासी पूर्व बाजार, थाना सहरसा, जिला सहरसा

पटना एयरपोर्ट से लापता हुआ सॉफ्टवेयर इंजीनियर, लास्ट टाइम जीजा से हुई थी बातचीत, पुलिस ने शुरू की जांच

एजेंसी। पटना

दीवाली की छुट्टियों में अपने घर लौट रहे शिवहर के सॉफ्टवेयर इंजीनियर वेणु चैतन्य (25 वर्ष) गुरुवार को पटना एयरपोर्ट से लापता हो गए। वेणु चैतन्य बेंगलुरु में काम कर रहे थे और छुट्टियों में परिवार के साथ समय बिताने के लिए घर आए थे। 16 अक्टूबर की शाम वे पटना एयरपोर्ट पर इंडिगो की फ्लाइट से उतरकर घर लौटने के लिए निकले थे, लेकिन इसके बाद वे घर नहीं पहुंचे। उनका अचानक लापता होना परिवार के लिए चिंता का कारण बन गया। वेणु के पिता रामस्वरूप राय ने बताया कि 16 अक्टूबर को वेणु एयरपोर्ट पहुंचकर अपने परिवार से बातचीत कर चुके थे। उन्होंने अपनी बहन से बात की और फिर शाम करीब 6:34 बजे फोन पर कहा कि वे गांधी मैदान से घर के लिए बस पकड़ने जा रहे हैं। इसके बाद रात में उनके मोबाइल पर कॉल करने की कोशिश की गई, लेकिन फोन बंद बता रहा था। पहले परिवार ने सोचा कि मोबाइल डिस्चार्ज हो गया होगा। लेकिन अगले दिन जब वेणु घर नहीं पहुंचे, तो परिवार में घबराहट फैल गई। वेणु के पिता ने खुद पटना

एयरपोर्ट पहुंचकर अपने स्तर से बेटे की खोज शुरू की। उन्होंने एयरपोर्ट के आसपास और आसपास के क्षेत्रों में भी खोजबीन की, लेकिन कहीं से उनका पता नहीं चला। अंततः, वेणु के पिता ने पटना एयरपोर्ट थाना में बेटे की गुमशुदगी की शिकायत दर्ज करवाई। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तत्काल जांच शुरू कर दी। पटना एयरपोर्ट थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई और मामले की तफ्तीश के लिए सीसीटीवी फुटेज खंगाली गई। सीसीटीवी में देखा गया कि वेणु को आखिरी बार एयरपोर्ट टोल के पास देखा गया था। पुलिस अब यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि उसके बाद वे कहाँ गए और उनके लापता होने के पीछे क्या कारण है। पटना एसएसपी ने इस मामले पर कहा कि एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति की गुमशुदगी के संबंध में प्राथमिकी दर्ज की गई है। पुलिस विभिन्न बिंदुओं पर जांच कर रही है, जिसमें सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल लोकेशन, और एयरपोर्ट के आसपास के लोगों से पूछताछ शामिल है। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस जल्द ही इस मामले में ठोस सुराग जुटाने की कोशिश कर रही है। परिवार का कहना है कि वेणु चैतन्य एक जिम्मेदार और होशियार युवक हैं। वे अपने काम और पढ़ाई में हमेशा गंभीर रहते थे। उनका अचानक लापता होना सभी के लिए आश्चर्य और चिंता का कारण बन गया है।

पुलिस लिखी गाड़ी से तेज प्रताप की रैली, पुलिस ने दर्ज की एफआईआर वाहन जब्ती की कार्रवाई शुरू

एजेंसी। आरा

जनशक्ति जनता दल के नेता एवं पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव की रैली में शामिल एक बोलेरो वाहन पर पुलिस का अधिकारिक (लोगो) चिन्ह लगा वीडियो इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित होने के बाद पुलिस हरकत में आ गई है। इस पूरे मामले में दारोगा राजेश कुमार के बयान पर चुनाव संबंधी अपराध को लेकर गड़हनी थाना में वाहन स्वामी एवं अज्ञात चालक के खिलाफ सुसंगत धाराओं में प्राथमिकी की गई है। पुलिस ने बताया कि वाहन को जब्त करने की कार्रवाई भी की जा रही है और आगे की जांच जारी है। प्राथमिकी में आरोप है कि निजी बोलेरो वाहन पर पुलिस लिखा गया था और चेतावनी लाइट लगाई गई थी, जिससे यह सरकारी वाहन प्रतीत हो रहा था और इसका चुनाव प्रचार में उपयोग किया जा रहा था। यदि कोई व्यक्ति अपने कार्य को बढ़ाने या प्रभाव दिखाने के लिए सरकारी पहचान या शक्ति का झूठा प्रयोग करता है, तो यह अपराध माना जाता है। पुलिस के अनुसार 18 अक्टूबर 2025 को प्रसारित वीडियो में पुलिस लिखी हुई एक बोलेरो पर चेतावनी लाइट लगी हुई दिखाई दे रही है। हालांकि, उपरोक्त वीडियो कहां का हैं, यह पता नहीं चल सका है। बताया जा रहा है कि यह गाड़ी चुनाव प्रचार में उपयोग की जा रही थी। वीडियो में देखा जा रहा है कि पुलिस लिखी बोलेरो पर एक समर्थक पार्टी का टोपी लगाकर पीछे से चढ़ा हुआ है। रजिस्ट्रेशन नंबर की जांच के क्रम में पुलिस ने पाया कि उक्त बोलेरो वाहन निजी स्वामित्व वाला है। इसके स्वामी प्रमोद कुमार यादव, निवासी लसाढ़ी, थाना गड़हनी, जिला भोजपुर बताए गए हैं। वाहन स्वामी का मोबाइल नंबर भी पुलिस को प्राप्त हुआ है। पुलिस के अनुसार, निजी वाहन पर पुलिस का लोगो और चेतावनी लाइट लगाना गंभीर व संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है। इससे न केवल लोगों में भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है, बल्कि यह कानून-व्यवस्था के लिए भी खतरा बन सकता है। भोजपुर पुलिस अधीक्षक राज की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि ऐसे मामलों को गंभीरता से लिया जाएगा। कोई भी व्यक्ति या संगठन निजी वाहन पर पुलिस या किसी अन्य सरकारी पहचान चिन्ह का उपयोग नहीं कर सकता। ऐसा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

चुनाव से पूर्व जांच में 1.58 लाख कैश बरामद पश्चिम चम्पारण में दो चेक पोस्टों पर कार्रवाई

एजेंसी। पटना

बिहार दो चरणों में चुनाव 6 और 11 नवम्बर को होगा और मतों की गिनती 14 नवंबर को होगा। बिहार विधानसभा आम निर्वाचन 2025 के मद्देनजर पश्चिम चम्पारण जिले में प्रशासनिक सतर्कता बढ़ा दी गई है। बिहार के विभिन्न जिलों में सघन जांच अभियान लगातार चलाया जा रहा है। पश्चिम चंपारण के सीमावर्ती और संवेदनशील इलाकों में भी विशेष सतर्कता दल (एसएसटी) की टीम लगातार वाहन जांच अभियान चला रही है। इसी क्रम में रविवार को दो अलग-अलग चेक पोस्ट मेघोली और बासोपट्टी पर तैनात जवानों ने वाहन जांच के दौरान कैश बरामद किया है। दोनों पोस्ट को मिलाकर कुल 1.58 लाख कैश जब्त की गयी है। मिली जानकारी के अनुसार, मेघोली चेक पोस्ट पर एसएसटी टीम ने जांच के दौरान मोटरसाइकिल संख्या इफ-22इत्र-6580 को रोका गया। तलाशी लेने पर सवार दोनों ने अपनी पहचान शनि कुमार यादव, पिता छोटी यादव, एवं हसन इमाम, पिता मोटी देवान के रूप में बताई। दोनों माधोपुर बैरिया, थाना गौनाहा के पास से 77,000 (सत्तहत्तर हजार रुपये) नकद बरामद किए गए। टीम ने मौके पर ही मोटरसाइकिल और नकद राशि को जब्त कर आगे की कार्रवाई शुरू की। इसी तरह, शनिचिरी थानाक्षेत्र के बासोपट्टी चेक पोस्ट पर वाहन जांच के दौरान एसएसटी टीम ने विश्वनाथ चौधरी, पिता जंगी चौधरी, निवासी बासोपट्टी, थाना शनिचरी, के पास से 81,500 (इक्यासी हजार पांच सौ रुपये) नकद बरामद किए। मौके पर राशि की जब्ती की प्रक्रिया पूरी की गई और आवश्यक कागजी कार्रवाई की जा रही है। जिला प्रशासन की माने तो दोनों ही मामलों में बरामद नकदी की जांच की जा रही है। बरामद कैश का इस्तेमाल चुनाव या अन्य किसी अनुचित उद्देश्य के लिए तो नहीं किया जाने वाला था। पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

बिहार के दर्जनों जिलों में बढ़ा तापमान, लोगों को झेलनी होगी दोहरी मार

एजेंसी। पटना

बिहार का मौसम का मूड इन दिनों कोई समझ नहीं पा रहा है। कभी ठंडी हवाएँ, कभी हल्की धूप और अक्टूबर के अंत तक आते आते पटना समेत 25 जिलों में तापमान में अचानक 2-3 डिग्री की बढ़ोतरी हो गई है, जिससे दिन में हल्की गर्मी का एहसास हो रहा है। लेकिन सुबह-शाम की सिहरन अभी भी बरकरार है। मौसम विभाग कह रहा है कि नवंबर से ठंड का असली रंग दिखेगा, साथ ही प्रदूषण भी चढ़ेगा, यह लोगों के लिए परेशानी का सबब बनेगा। आज मौसम शुष्क रहेगा, लेकिन हवा में धूलकण बढ़ने से अदक खराब होने की आशंका है। पटना में तापमान 32-33 डिग्री

के आसपास घूम रहा है, जबकि गया और किशनगंज जैसे जिलों में रात का तापमान 19-21 डिग्री तक गिर रहा है। मौसम विज्ञान केंद्र पटना के मुताबिक, पुरवा हवाओं के असर से तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी हुई है, लेकिन अगले 3-4 दिन स्थिर रहेंगे। फिर नवंबर के पहले हफ्ते से ठंडी हवाएँ दस्तक देंगी जो ला नीना के प्रभाव से लंबे समय तक टिकेंगी। दक्षिणी और पूर्वी जिलों पटना, गया, नालंदा, नवादा, कैमूर, औरंगाबाद, रोहतास, भोजपुर, जमुई, किशनगंज, पूर्णिया, कटिहार, भागलपुर में तापमान सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। आज प्रमुख शहरों के तापमान की बात करें तो पटना में अधिकतम 32.5 डिग्री और न्यूनतम 22.7 डिग्री रहने का अनुमान है, अदक 152 के साथ मध्यम स्तर पर रहेगा। गया में 31.7-19.6 डिग्री, अदक 124। भागलपुर 32.7-22.6, अदक 150। मुजफ्फरपुर 30.8-23.3, अदक 133 और पूर्णिया में सबसे ज्यादा 33.2-23.7 डिग्री, अदक 147। ये आंकड़े शुक्रवार के हैं, लेकिन आज भी वैसी ही स्थिति बनी रहेगी। हवा में धूलकण बढ़ने से प्रदूषण चढ़ रहा है, पटना के तारामंडल में अदक 163, समनपुरा में 188 तक पहुँच गया है, ये क्षेत्र येलो जोन में है। दीपावली के पटाखों से स्थिति और बिगड़ेगी तो मास्क का प्रयोग करें और इंडोर रहने की ही कोशिश करें। नवंबर से ठंड और पॉल्यूशन का कॉम्बो लोगों को परेशान करेगा। किसानों को रबी फसलों की तैयारी में कोहरे का ध्यान रखना होगा। मौसम विभाग ने सलाह दी है कि संवेदनशील लोग बाहर कम निकलें।

बिहार में छठ घाट पर अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश, लोगों ने भू-राजस्व कर्मी को घेरा

एजेंसी। बेतिया

बेतिया के मझौलिया प्रखंड के परसा टोला केसोबन वार्ड संख्या 3 में छठ घाट पर हुए अतिक्रमण को लेकर ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। अंचल कार्यालय से जांच के लिए पहुंचे भू-राजस्व कर्मचारी को ग्रामीणों के तीखे विरोध का सामना करना पड़ा। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हस्तक्षेप करना पड़ा। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि जिस स्थल पर वर्षों से छठ पूजा होती रही है, उस पर कुछ लोगों द्वारा अवैध निर्माण कर अतिक्रमण कर लिया गया है। इससे लोगों की धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं। छठ पर्व को लेकर घाट की साफ-सफाई और सजावट की तैयारी जोरों पर है, लेकिन

अतिक्रमण के कारण पूजा स्थल पर विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई है। ग्रामीणों ने कहा कि यह घाट सदियों से सार्वजनिक स्थल के रूप में प्रयोग होता आ रहा है। उन्होंने प्रशासन से मांग की कि अतिक्रमण हटाकर परंपरागत घाट को पूजा के लिए खाली कराया जाए, ताकि छठ महापर्व शांति और श्रद्धा के साथ संपन्न हो सके।

सुभाषितम्

जीवन में कोई भी कार्य कठिन नहीं होता। मन से अभ्यास करने से हर कार्य संभव हो जाता है। - अज्ञात

एसजीबी बना सरकार के गले का फंदा

मोदी सरकार ने सोवरेन गोल्ड बांड के नाम से एक महत्वाकांक्षी योजना 2015 में शुरू की थी। सोवरेन गोल्ड बॉन्ड स्कीम (एसजीबी) का उद्देश्य था, जनता को प्रत्यक्ष सोने की खरीद से रोकना और उन्हें पेपर गोल्ड यानी सोने के स्थान पर सोने के सरकारी बॉन्ड में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया जाए। सरकार का तर्क था, इससे न केवल देश की विदेशी मुद्रा का भंडार बचेगा, बल्कि सोने के आयात पर भारत की निर्भरता भी कम होगी। आज, वही स्कीम सरकार के गले का फंदा बन चुकी है। सरकार ने सोचा भी नहीं था, उसे गोल्ड बॉन्ड के रूप में इस तरह के दिन देखने पड़ेंगे। सरकार ने निवेशकों को सोवरेन गोल्ड बॉन्ड का भरोसा दिलाते हुए कहा था, गोल्ड बॉन्ड लेने पर सालाना 2.5 प्रतिशत ब्याज के साथ बांड की अवधि पूरे होने पर सोने की बाजार कीमत का लाभ जोड़कर भुगतान किया जाएगा। जब योजना शुरू हुई थी, उस वक्त 2015 में सोना लगभग 35,000 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 2025 में सोने की कीमत 1.3 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के ऊपर पहुंच चुकी है। 2015 से 2024 तक सरकार हर साल बांड निकालती रही। बड़े पैमाने पर निवेशक गोल्ड बांड में निवेश करते चले जा रहे थे। बाँड को खरीदते समय सोने की जो कीमत थी सरकार को निवेशक को उतनी ही मूल्य के सोने की राशि को वापस करना है। सरकार ने पिछले 9 वर्ष में हर साल बांड बेचे। उसके एवज में सरकार ने सोना सरकारी खजाने के लिए नहीं खरीदा। अब भुगतान के लिए सोने की वर्तमान कीमत पर सरकार को भुगतान करना पड़ रहा है। सरकार के खजाने से हर साल एक बहुत बड़ी राशि गोल्ड बांड के निवेशकों को भुगतान करना पड़ रहा है। सरकार जिसको बेहतर स्कीम एवं सस्ता सौदा मान रही थी, वही बांड अब सरकार के खजाने की कमर तोड़ रहा है। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के आंकड़े बताते हैं, अभी तक जारी गोल्ड बॉन्ड्स में सोने की कुल मात्रा 126 टन सोने के बराबर है। जिसकी मौजूदा बाजार में कीमत लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक पहुंच चुकी है। इस सोने की राशि के साथ सरकार को हर साल करीब 3,700 करोड़ रुपये ब्याज के रूप में गोल्ड बॉन्ड के निवेशकों को चुकाने पड़ रहे हैं। यह पूरी राशि केंद्र सरकार के ऊपर बजट की लायबिलिटी बन गई है। सरकार ने इसे बजट में शामिल नहीं किया था, जिसके कारण सरकार की मुसीबत और भी बढ़ गई है। सरकार को अब टैक्स के रूप में वसूल की गई राशि में से गोल्ड बॉन्ड का भुगतान करना पड़ेगा। जिस तरह से सरकार के ऊपर आर्थिक संकट गहराता जा रहा है। ऐसे समय पर सरकारी खजाने के ऊपर इतना बड़ा बोझ सरकार की मुश्किलों को बढ़ा रहा है। केंद्र सरकार की समस्या ब्याज से नहीं है, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सोने की अप्रत्याशित मूल्य वृद्धि से हुई है। सरकार ने यह अनुमान नहीं लगाया था। सोने की कीमत में दस वर्षों में तीन गुना से ज्यादा की वृद्धि हो जाएगी। जैसे-जैसे बॉन्ड्स की मियाद पूरी हो रही है, सरकार को भारी-भरकम भुगतान निवेशकों को करना पड़ रहा है। आने वाले वर्षों में जिस तरह से सोने की कीमतें बढ़ेंगी निवेशकों को उसी अनुपात में भुगतान करना पड़ेगा। जिसके कारण आने वाले सालों में भी सरकार की परेशानी कम होने के स्थान पर बढ़ने वाली है। हालांकि केंद्र सरकार ने 2024 में इस योजना को खामोशी के साथ बंद कर दिया है। गोल्ड बॉन्ड योजना में जितना निवेश हुआ था, उसी में सरकार को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। यह एक ऐसी योजना थी, जो सोने के आयात को घटाने और जनता को सोना का वैकल्पिक निवेश देने की योजना बनाई गई थी। जो पूरी तरह से विफल साबित हुई है। ऐसा लगता है कि सरकार ने इस बारे में भविष्य को ध्यान में रखते हुए सोच-विचार नहीं किया था। वित्त मंत्रालय के लिए गोल्ड बॉन्ड योजना अब भारी सिरदर्द बन चुका है। सच्चाई यह है, पेपर गोल्ड का यह सपना निवेशकों के लिए काफी बेहतर साबित हुआ है।

चिंतन-मनन

जीवन का अर्थ बताती है अर्थी

जीवन भर व्यक्ति इसी सोच में उलझा रहता है कि उसका परिवार है, बीबी बच्चे हैं। इनके लिए धन जुटाने और सुख-सुविधाओं के इंतजाम में हर वह काम करने के लिए तैयार रहता है जिससे अधिक से अधिक धन और वैभव अर्जित कर सके। अपने स्वार्थ के लिए व्यक्ति दूसरों को नुकसान पहुंचाने के लिए भी तैयार रहता है। जबकि हर व्यक्ति के शरीर में आत्मा रूप में बसा ईश्वर गलत तरीके से, दूसरों को अहित पहुंचाकर लाभ पाने के लिए मना करता है। लेकिन जब व्यक्ति आत्मा की बात नहीं सुनता है तो आत्मा मौन धारण कर लेती है। आत्मा को उस दिन का इंतजार रहता है जब व्यक्ति अर्थी पर पहुंचता है। इस समय व्यक्ति को जीवन का अर्थ और आत्मा की कही बातें याद आती है। लेकिन इस समय पश्चाताप के अलावा कुछ और नहीं बचता है। सब कुछ मिट्टी में मिल चुका होता है। आपने मृत व्यक्ति को बांस की फट्ठियों पर लेकर जाते हुए कभी न कभी जरूर देखा होगा। बांस की फट्ठियों पर जिस पर शव को लिटाया जाता है इसे अर्थी कहते हैं। अर्थी को उठाने के लिए चार कंधों की जरूरत पड़ती है। जब व्यक्ति की अर्थी उठायी जाती है उस समय आत्मा मृत व्यक्ति से कहती है देखो, तुम्हारी यही औकात है। तुम्हें खुद सहारे की जरूरत है, तुम झूठा अहंकार करते रहे कि तुम लोगों को आश्रय दे रहे हो। जिन लोगों के लिए तुम दिन रात धन-वैभव जुटाने में लगे रहे। आज वह संगी साथी परिवार तुम्हें विराने में ले जाकर अग्नि में समर्पित कर देगा। जीवन का मात्र यही अर्थ है। इसलिए अर्थी को जीवन का अर्थ बताने वाला कहा गया है। अर्थी ले जाते समय लोग जोर-जोर से नारे लगाते हैं राम नाम सत्य है, सब की यही गत्य है। नारे लगाने वाले लोग मृत व्यक्ति को और दुनियां को यह बताता है कि वास्तविक सत्य राम का नाम है। अंत में सभी की यही गति होनी है। इसलिए प्रभु का नाम भजते हुए ईमानदारी और सहृदयता के साथ जीवन जीना चाहिए। जरूरतमंदों की सहायता से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। गीता के ग्यारहवें अध्याय का महात्म्य बताते हुए भगवान शिव ने कहा है कि जो व्यक्ति जरूरत के समय व्यक्ति से नजर फेर लेता है वह नीच योनियों में जन्म लेता है।

दीपावली अंधकार से प्रकाश, दरिद्रता से समृद्धि का प्रतीक

- किशन सनमुखदास भावनानी

वैश्विक स्तरपर भारत सहित पूरी दुनियाँ में पौराणिक काल से भारतीयों के बीच ऐसी मान्यता है कि जो मां लक्ष्मी के सामने दिल से भावपूर्ण भाव से अपनी मनोकामना रखेगा मां लक्ष्मी उन शुद्ध निस्वार्थ ईमानदार भावों पर अपनी कृपा दृष्टि जरूर बरसाती है औरउनकी दरिद्रता गरीबी हर लेती है,व धन-धान्य की बारिश करती है जिसका सटीक दिन दीपावली और पल या क्षण लक्ष्मी पूजा है।इस बार दीपावली की तारीख को लेकर दुनियाँ भर में असमंजस की स्थिति बनी हुई थी। कार्तिक माह की अमावस्या तिथि को दीपावली मनाए जाने का विधान है।भारत में अधिकतम राज्यों लोगों द्वारा सोमवार 20 अक्टूबर 2025 को दीपावली मनाई जा रही है अनेक स्कूलों में भी 19 तारीख से ही छुट्टियां घोषित की गई है,जम्मू कश्मीर सरकार ने दिवाली के पावन पर्व पर राज्य के छात्रों,शिक्षकों और कर्मचारियों को बड़ी राहत प्रदान करते हुए पूरे देश में सबसे अधिक 15 दिन की लंबी छुट्टियों की घोषणा कर दी है। राज्य सरकार ने 19 अक्टूबर से 2 नवंबर तक पूरे दो सप्ताह का दिवाली अवकाश घोषित किया है। यह निर्णय प्रदेश के सभी सरकारी और मान्यता प्राप्त निजी स्कूलों पर लागू होगा। इस अवधि में प्रदेश के सभी शिक्षण संस्थान पूरी तरह से बंद रहेंगे और कोई शैक्षणिक गतिविधि नहीं होगी।2025 में यह पर्व पहले से भी अधिक भव्य, आध्यात्मिक और विश्वव्यापी स्वरूप ले चुका है। इस वर्ष भारत के उत्तर प्रदेश में अयोध्या की पावन नगरी में होने वाला दीपोत्सव विश्व का सबसे बड़ा सामूहिक आलोक उत्सव बनने जा रहा है। वहीं दूसरी ओर, अमेरिका के टाइम्स स्क्वायर, ब्रिटेन, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, सिंगापुर और खाड़ी देशों में बसे भारतीय समुदायोंने भी दीपावली को विश्व सांस्कृतिक एकता के प्रतीक के रूप में मनाने की तैयारी कर ली है। इस बार का दीप पर्व न केवल घर-आंगन बल्कि विश्व के हृदय को भी रोशन करेगा। साथियों बात अगर कर हम दीपावली पर्व 2025 की बेला आई भक्तों की मन्नतें और मां लक्ष्मी की आराधना को समझने की करें तो,दीपावली का अर्थ ही है,॒अंधकार पर प्रकाश की विजय॒।यह त्योहार हर उस व्यक्ति के जीवन में नई आशा, विश्वास और समृद्धि का दीप जलाता है जो परिश्रम, श्रद्धा और सकारात्मकता में विश्वास रखता है। 2025 की दीपावली की बेला पर भक्तों ने मां लक्ष्मी से अपनी मन्नतें सुनाई,हे मां लक्ष्मी, दरिद्रता, गरीबी और कष्टों को दूर करो, हमारे घरों में धन, ज्ञान और स्वास्थ्य की वर्षा करो।इस भावना में केवल भौतिक समृद्धि नहीं, बल्कि मानसिक और आध्यात्मिक संतुलन की भी आकांक्षा निहित है।प्रत्येक घर में माँ लक्ष्मी का स्वागत विशेष भक्ति भाव से किया जाता है,द्वारपर रंगोली, आंगन में दीपमाला और पूजा स्थल पर धूप-दीप का समर्पण। यह वह क्षण होता है जब संपूर्ण वातावरण में एक दिव्य ऊर्जा का संचार होता है, जैसे स्वयं ब्रह्मांड भी भक्तों के आह्वान को सुनकर झिलमिलाने लगता है। साथियों बात अगर हम लक्ष्मी पूजन का शुभ मुहूर्त,कृपा वर्षा का दिव्य क्षण को समझने की करें तो,दीपावली की सबसे प्रमुख संध्या होती है मां लक्ष्मी पूजन की रात्रि, जब पूरा परिवार एकत्र होकर देवी महालक्ष्मी, भगवान विष्णु, गणेश और कुबेर की पूजा-अर्चना करता है।2025 के शुभ मुहूर्त के अनुसार, यह पूजन अत्यंत मंगलकारी संयोग में होगा,जहां ग्रह-नक्षत्रों की स्थिति धन प्राप्ति, व्यापार उन्नति और सौभाग्य में वृद्धि का संकेत दे रही है।मान्यता है कि लक्ष्मी पूजन के शुभ मुहूर्त में स्वयं देवी लक्ष्मी पृथ्वी पर अवतरित होकर अपने भक्तों पर कृपा दृष्टि बरसाने निकलती हैं। जिन घरों में स्वच्छता, शुद्धता और श्रद्धा का वातावरण होता है, वहां मां की विशेष कृपा बरसती है। कहा जाता है,॒जिस पर लक्ष्मी की नजर पड़ी,उसकी किस्मतनिहाल हो गई॒वही कारण है कि इस रात हर घर दीपों से जगमगा उठता है, हर मन में नई उम्मीद जाग उठती है।इस दिन लोग केवल धन की नहीं, बल्कि धर्म, ज्ञान और सद्बुद्धि की कामना भी करते हैं। क्योंकि भारतीय दर्शन के अनुसार धन तभी मंगलकारी होता है जब वह धर्म के मार्ग पर चलकर समाज की भलाई में प्रयुक्त हो। साथियों बात अगर हम आओ सभी मिलकर,समाज, देश और विश्व की समृद्धि के लिए प्रार्थना करने की करें तो दीपावली केवल व्यक्तिगत सुख-संपत्ति का पर्व नहीं, यह सामूहिक समृद्धि और सामाजिक एकता का प्रतीक है। इस वर्ष का दीपोत्सव विशेष रूप से ॒सर्वजन सुखाय, सर्वजन हिताय॒ की भावना को समर्पित है।हर व्यक्ति को इस अवसर पर यह संकल्प लेना चाहिए कि वह अपने परिवार,समाज और देश के कल्याण के लिए कुछ सकारात्मक योगदान देगा। दीप जलाना केवल प्रतीक नहीं, बल्कि यह हमारे भीतर के अंधकार,ईर्ष्या, घृणा, लोभ, और अहंकार को मिटाने का भी एक प्रयास है।भारत सरकार और सुप्रीम कोर्ट ने इस वर्ष पटाखों और प्रदूषण को लेकर दिशा- निर्देश जारी किए हैं।यह आवश्यक है कि दीपावली का उल्लास प्रकृति की मयार्दाओं के भीतर रहे। हम सभी को चाहिए कि इस पर्व को पर्यावरण-मित्र तरीके से मनाएँ,दीप जलाएँ, पर धुआँ नहीं फैलाएँ। बच्चों को भी यह सिखाना जरूरी है कि उत्सव का आनंद प्रकृति के साथ तालमेल में ही पूर्ण होता है। साथियों बात अगर हम अयोध्या का दीपोत्सव 2025 के अवसर पर 26 लाख दीयों से जगमगाएगी सरयू घाट को समझने की करें तो,विश्व की सांस्कृतिक राजधानी बन चुकी अयोध्या में इस बार का दीपोत्सव इतिहास रचने जा रहा है। उत्तर प्रदेश सरकार के अनुसार, 19 अक्टूबर 2025 को सरयू घाट और आसपास के 50 से अधिक घाटों पर कुल 26,11,101 दीप जलाए जाएंगे।यह आयोजन न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भारत का नाम स्वर्ण अक्षरों में दर्ज कराने की तैयारी भी है।अयोध्या में यह दृश्य मानो किसी दिव्य लोक का प्रतीत होता है,सरयू के जल पर झिलमिलाते दीप, मंदिरों की आरतियाँ, राम जन्मभूमि परिसर में गूंजते भजन, और चारों ओर ॒जय श्रीराम॒ का जयघोष। यह वह क्षण है जब पूरी धरती मानो रामराज्य की अनुभूति करती है।इस आयोजन में लाखों श्रद्धालु, पर्यटक और अंतरराष्ट्रीय मीडिया प्रतिनिधि सम्मिलित होंगे। ड्रोन और उपग्रहों से इस अद्भुत नजारे का सीधा प्रसारण दुनिया भर में किया जाएगा।अयोध्या का यह आलोकोत्सव न केवल धार्मिक भावना का प्रतीक है बल्कि भारत की ॒वसुधैव कुटुम्बकम्॒ की भावना का भी जीवंत उदाहरण है। साथियों बात अगर हम विश्व में गूंजेगी दीपावली,टाइम्स स्क्वायर से लेकर सिडनी हार्बर तक को समझने की करें तो,अब दीपावली केवल भारतीय सीमाओं तक सीमित नहीं रही। अमेरिका के न्यूयॉर्क टाइम्स स्क्वायर में हर वर्ष की तरह इस बार भी दिवाली एट टाइम्स स्क्वायर का आयोजन होगा, जहाँ भारतीय मूल के हजारों लोग दीपों और रंगारंग प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति का प्रदर्शन करेंगे।ब्रिटेन के लंदन के ट्राफलगर स्क्वायर, सिडनी हार्बर (ऑस्ट्रेलिया), सिंगापुर के लिटिल इंडिया, दुबई के ग्लोबल विलेज, और कनाडा के टोरंटो सिटी हॉल में भी दीपावली महोत्सव मनाया जाएगा।

देश में लाल आतंक के गढ़ से माओवादियों की सबसे बड़े आत्मसमर्पण की कामयाबी

- कांतिलाल मांडोत

छतीसगढ़ में नक्सली आग पर काबू पाने की तमाम कोशिशें सफलता की ओर अग्रसर है।ढाई दशक से नक्सली आग अब बुझने की कगार पर है।केंद्रीय गृहमंत्रालय ने नक्सलवादियों को आत्मसमपर्ण करने का अल्टीमेटम देने के बाद नक्सली मुख्यधारा की तरफ बढ़ रहे है।छतीसगढ़ के बस्तर में 210 नक्सलियों का सरेंडर अब तक का सबसे बड़ा आंकड़ा है।210 नक्सलियों ने हथियार डाले है।जिसमे 112महिलाएं और 98 पुरुष है।सरेंडर हथियारों में एके-47,एसएलआर, इंसास रायफल और बीजीएल लॉन्चर शामिल है।मावोवादी भी मानते थे कि सत्ता बन्दूक से निकलती है लेकिन पिछली सरकारों ने उसे नेस्तनाबूद करने के कदम नही उठाए गए।इस वजह से नक्सलियों का कारवां बढ़ता गया।कितने निर्दोष के खून के बाद अब खून की होली थम रही है।पिछली सरकारों ने माओवादी से बातचीत भी नही करती थी।जाहिर सी बात है लाल आतंक का गलियारा अब सिकुड़ता नजर आ रहा है।इतनी बड़ी संख्या में आत्मसमर्पण सरकार,जनता और उनके परिवार के लिए इतना बड़ा तौहफा औ? क्या हो सकता है?यह दिवाली की गिफ्ट किसी से कम नही है।बात अब लाजमी है कि लाल आतंक सिकुड़ने की कगार पर है।महाराष्ट्र में गत दिन 61 नक्सलियों ने हथियार डाले।उसी के साथ 271 माओवादी घर लौटे है तो यह बड़ी उपलब्धि है।सीसीएल रूपेश सहित कई इनामी नक्सलियों से आत्मसमर्पण कर केंद्र सरकार को चिंतामुक्त कर दिया है।आलम यह था कि सुरक्षा बल के जवान हर साल शहीद होते थे।लेकिन सरकार माओवादियों की वार्ता की रूपरेखा तैयार नही करती थी।माओवादी हिंसा में 90 फीसदी गिरावट दर्ज की जा चुकी है।सरकार के प्रयास रहे थे कि सशत्र बलो के जरिये माओवाद को खत्म करने का बीड़ा उठाया था।लेकिन यह संभव नही था क्योंकि जंगल मे रहने वाले नक्सलियों की संख्या का अनुमान नही लगा पा रहे थे।सरकार का अभिगम रहा था कि 2026 के पहले जोभी,नक्सली आत्मसमर्पण करता है तो उसे मुख्यधारा में जोड़ दिया जाएगा,अन्यथा 2026 सरकार का होगा।पहले बस्तर में हर दिन में अपराध होते थे।तीसरे दिन ब्लात्कार की घटना घटती थी माओवादियों का दशक पहले 40 फीसदी इजाफा हो रहा था।आज माओवादियों की हरकत घटती नजर आ रही है।अब बस्तर में बेहतर स्थिति है।सरकार ने बल प्रयोग का मार्ग छोड़कर माओवादियों को मुख्यधारा में जोड़ने के आह्वान का यह नतीजा रहा है कि आज लाल आतंक खत्म होने की कगार पर है।बहरहाल, बस्तर आदिवासी क्षेत्र में रक्तपात कम हुआ है।आधुनिक हथियार से लैस माओवादियों ने 153 हथियार डाले है।मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने कहा कि भटके हुए हमारे लोगो का पुनर्वास किया जाएगा।सीएम ने कहा कि यह समर्पण नही है,लोगो का पुनर्वास का मंच है।उन्होंने मंच से सम्बोधित करते हुए यह भी कहा कि हमारे लोगो ने इतिहास रच दिया है।हमारे भटके हुए लोग मुख्यधारा में आ गए है।बस्तर से कई वर्ष पूर्व सरगुजा संभाग नक्सल मुक्त हुआ था।अब अबूझमाड़ और उत्तरी बस्तर नक्सल मुक्त हो गए है।जगदलपुर पुलिस लाइन में पुलिस सीआरपीएफ के आला अधिकारियों की मौजूदगी में माओवादियों ने आत्म समर्पण किया और हथियार डाले है।आंध्रप्रदेश में नक्सलियों के हौसले पस्त होते दिखाई दे रहे है।गरीब आदिवासियों को नक्सली बनाकर वे उन पर हुकूमत करते आ रहे थे।लेकिन पिछले कई वर्षों से दंतेवाड़ा जैसा नरसंहार नही किया है।कोई बड़ी घटना नही हुई है।जबकि 33 लोगो को माओवादियों ने मार गिराने की बड़ी घटना पूर्व में घट चुकी थी।जवान शहीद होते है और माओवादी मारे जाते है।यह सिलसिला कई वर्षों से चल रहा था।परन्तु केंद्र की मजबूत सरकार ने माओवादियों को मुख्यधारा में लाने का भरपूर प्रयास किया है और आज भी राज्य और केंद्र सरकार का प्रयास जारी है।कुछ वर्ष पूर्व रास्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग ने नाराजगी जाहिर की गई थी।क्योंकि 40 महिलाओ से दुष्कर्म के मामले में सरकार पर नाराज आयोग ने 2017 में कार्यवाही में लेटलतीफी का आरोप लगाया था।उस समय सरकार माओवादी हिंसा को सिर्फ कानून व्यवस्था तक ही सीमित मानती थी।लेकिन पिछले दस वर्षों में माओवादियों को मुख्यधारा में लाया जा रहा है।कांग्रेस के कार्यकाल में माओवाद की जड़ में आर्थिक और सामाजिक कारण रहा था।माओवादी इलाके के लोग सड़क,बिजली, पानी,शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाओं काअभाव जेल रहे थे।कांग्रेस ने 755 स्कुलो को युक्तिकरण के तहत बस्तर में बंद कर दिया था।माओवादी चाहते ही थे कि बस्तर के बच्चे अशिक्षित रहेंगे तो उन्हें आसानी से नक्सली संगठन में शामिल कर देंगे।लेकिन यह भूतकाल की समस्या थी।आज स्कूल और शिक्षा स्तर सुद्रढ़ हुआ है।पहले भी माओवादी और सरकार के बीच मध्यस्थता की पहल होती रही थी,लेकिन माओवादी मध्यस्थता के लिए तैयार ही नही होते थे।लेकिन अब अमित शाह के प्रयास कामयाबी की ओर अग्रसर है।

भगवान महावीर का जिओ और जीने दो का अहिंसा संदेश आज भी प्रासंगिक

- विजय कुमार जैन

अहिंसा के अवतार युगदृष्टा भगवान महावीर का 2624 वाँ जन्मोत्सव हम चैत्र शुक्ल 13 दिनांक 10 अप्रैल 25 दिन गुरुवार को मनाया। भगवान महावीर का 2552 वाँ निवाणोत्सव हम कार्तिक कृष्णा अमावस्या 21अक्टूबर 25 मंगलवार को मना रहे है। भगवान महावीर एक युग पुरुष, युग दृष्टा, एक महामानव थे। वे जैन धर्म के 24 वें तीर्थंकर थे। क्षत्रिय राज कुमार होने के बावजूद भी उन्होंने कभी विश्व विजय का सपना नहीं देखा। जिस समय भगवान महावीर का अवतरण हुआ, दुनिया में हिंसा और अत्याचार का बोल बाला था। महाबीर ने विषम परिस्थिति में सच्चा मार्ग दुनिया को दिखलाया। आपने प्राणीमात्र के सुख के लिये जिओ और जीने दो का अमूल्य मंत्र दिया। वर्तमान में भगवान महावीर के निर्वाणत्सव के अवसर हम पीछे मुड़कर देखें तो विगत वर्षों सारी दुनिया कोरोना से पीड़ित रही है। कहते हैं चीन में आम आदमी ने जहरीले जीव जन्तुओं को अपनी जिव्हा का स्वाद बढ़ाने उनका वेरहमी से भक्षण किया, यह भी आरोप है कि कोरोना महामारी का शुभारंभ सन 2019 में चीन से हुआ, और यह महामारी सारी दुनिया में आग की तरह फैल गई। सभी ओर से आबाज थी, हिंसा और मांसाहार को त्याग कर ही कोरोना जैसी जानलेवा महामारी से बचा जा सकता हैं। इस महामारी से लड़ने भगवान महाबीर का अहिंसा शाकाहार सिद्धांत प्रासंगिक है। शाकाहारी समाज के लिये यह सुखद संदेश है कोरोना महामारी से पीड़ित दुनिया के लगभग सभी देशों में स्वस्थ्य रहने मांसाहार त्याग कर शाकाहार को स्वीकार किया जा रहा है। विश्व प्रेम ही भगवान महावीर का दिव्य संदेश है। भगवान महावीर के इसी सिद्धांत को राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने अपने जीवन का मूलमंत्र माना था। हमारे भारत की यह नीति है किसी दूसरे देश की भूमि मत हड़पो। सन 1971 में तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान युद्ध में पश्चिमी पाकिस्तान जीतकर उस पर कव्जा न कर स्वतंत्र बंगलादेश बनाया। भगवान महावीर का मंगल उपदेश था, पाप से घ्रणा करो, न कि पापी से। उन्होंने विरोधी को कभी विरोध से नहीं वरन सद्भावना एवं शांति से जीता। भगवान महावीर ने दुनिया को अहिंसा, सत्य, अचौर्य, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का पावन संदेश दिया, इस मार्ग पर चलकर उन्होंने सांसारिक बंधनों से मुक्त होकर मोक्ष प्राप्त किया। उन्होंने अपना कल्याण किया एवं मोक्ष मार्ग बताया। भगवान महावीर ने कहा-आत्मा के चार बड़े शत्रु हैं काम, क्रोध,लोभ और मोह। इनके चक्कर में पड़ा हुआ व्यक्ति जीवन में कभी अच्छे कार्य नहीं कर पाता। स्व कल्याण के लिये इन पर विजय प्राप्त करना बहुत आवश्यक है। विश्व वंदनीय भगवान महावीर के जीवन एवं दर्शन का गहराई से अध्ययन करते हैं तो हम पाते हैं, वे किसी एक जाति या सम्प्रदाय के न होकर सम्पूर्ण मानव समाज की अमूल्य धरोहर हैं। वह सबके थे और सब उनके थे। वह स्वयं क्षत्रिय कुल में उत्पन्न हुए थे, उनके मुख्य गणधर इन्द्रभूति गौतम ब्राह्मण थे तथा उनकी धर्मसभा (समवशरण) में सभी धर्मों और जातियों के लोग उनकी दिव्य देशना, मंगल उपदेश सुनने के लिये आते थे। उन्हें केवल जैनों या जैन मंदिरों तक सीमित रखना उनके उद्दात एवं विराट व्यक्तित्व के प्रति अन्याय है वह जैन नहीं जिन थे। इन्द्रिय जन्य वासनाओं और मनोजन्य कषायों को जीत लेते हैं,वे कहलाते हैं जिन। किसी का भी कल्याण जैन बनकर नहीं, जिन बनकर ही हो सकता है।

आज का राशिफल

मेष मिलने के योग बन रहे हैं। जीविका के क्षेत्र में किए गए प्रयास अब धीरे-धीरे फलीभूत होंगे।

वृषभ जीवन सुखमय रहेगा। वृष राशि के जातकों के लिए धन, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि के संकेत हैं।

मिथुन आज का दिन पराक्रम को बढ़ा रहा है। धन और ऐश्वर्य की वृद्धि से कुछ शत्रु ईर्ष्या करेंगे।

कर्क आज आपके कोष भाव में संचार कर रहा है, जिससे कुछ अन्तर्विरोध उत्पन्न हो सकते हैं।

सिंह आज अभीष्ट सिद्धि का कारक बन रहा है। इस दौरान आपके गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी।

कन्या आर्थिक दिशा में किए गए आपके प्रयास सफल रहेंगे और लाभ प्राप्त होगा।

तुला आज बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। आर्थिक प्रयास सफल होंगे।

वृश्चिक ऋण से मुक्ति मिलेगी। व्यावसायिक दिशा में किए गए प्रयास सफल रहेंगे।

धनु आज गुप्त शत्रु और ईर्ष्यालु साथियों से आज के दिन आपको सतर्क रहना होगा।

मकर रोजगार में सफलता दिलाएगा। मकर राशि के लोग को इस दौरान उपहार और सम्मान प्राप्त होंगे।

कुंभ आज राजनीतिक दिशा में किए गए प्रयास फलीभूत होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन आज का दिन विजय का संकेत दे रहा है। पुराने झगड़े और समस्याओं से मुक्ति मिलेगी।

विशेष

दिल्ली में पानी का संकट फतेहपुर सीकरी की याद?

इस वर्ष भारत में खासकर दिल्ली में जबरदस्त बारिश हुई है। उसके बाद भी दिल्ली के कई वार्डों में पेयजल का भारी संकट देखने को मिल रहा है। जल प्रबंधन में हो रही गड़बड़ी को लेकर लोग कहने लगे हैं।दिल्ली प्यास के कारण कहीं उजड़ तो नहीं जाएगी। दिल्ली के लोग यह भी कहने लगे हैं, अकबर बादशाह की राजधानी फतेहपुर सीकरी पानी के अभाव में 15 साल के अंदर ही उजड़ गई थी। ऐसी ही स्थिति अब दिल्ली के वार्डों में दिखने लगी है। दिल्ली महानगर की जनसंख्या 2 करोड़ से अधिक हो चुकी है। लेकिन जल प्रबंधन का सिस्टम पुराना ही चल रहा है।

घर का जोगी जोगड़ा आन गांव का संत

भारत ने व्हाट्सएप की टक्कर का एक मैसेजिंग एप तैयार किया है। यह दावा किया जा रहा है, इसके यूजर बड़ी तेजी के साथ बढ़ रहे हैं। भारतीय टेक कंपनियों की इसे बड़ी सफलता बताया जा रहा है। इस तरह के हजारों प्रस्ताव जब भारत सरकार के पास जाते हैं। उन्हें कोई प्रोत्साहन नहीं मिलता है, और वह दम तोड़ देते हैं। जानकार लोगों का कहना है। भारत के प्रशासनिक अफसर और मंत्री भारत के लोगों को मौका ही नहीं देना चाहते हैं। विदेशी बड़ी-बड़ी कंपनियों और उनकी तकनीकी को ही भारत सरकार श्रेष्ठ मानती है। उनसे पैसा भी मिलता है, जवाबदारी भी नहीं रहती है। भारत की कंपनी को मौका देंगे, तो जिम्मेदारी और पक्षपात का आरोप लगेगा।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1587: हुग्यूनो ने कोल्ट्रास (फ्रांस) में कैथोलिक लीग को पराजित किया। 1782: कोपेनहेगन शहर आग से तबाह हो गया। 1805: फ्रांसीसी सैनिकों ने उल्म की लड़ाई में आस्ट्रिया को शिकस्त दी। 1883: पेरू ने एक संधि के तहत अपना कुछ क्षेत्र चिली को दे दिया। 1905: रूस में आम हड़ताल हुई। 1921: फ्रांस और तुर्की में संधि हुई। 1945: अरब लीग का गठन हुआ। 1952: केन्या में आपात स्थिति की घोषणा की गयी। 1960: जैकलिन केनेडी और एसिरस्टाटल ओनासिस का निधन दुर्घटना में हुआ। 1962: भारत पर चीन ने हमला किया। 1977: थाईलैंड में सेना ने सत्ता पर कब्जा किया। 1986: मोजाबिक के राष्ट्रपति समीरा माइकल का निधन विमान दुर्घटना में हुआ। 1989: हंगरी की संसद ने कम्युनिस्ट पार्टी की वर्कर्स मिलिशिया पर प्रतिबंध लगा दिया गया।

दैनिक पंचांग

20 अक्टूबर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

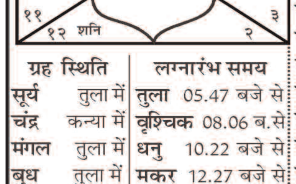

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	तुला में	तुला	05.47 बजे से
चंद्र	कन्या में	वृश्चिक	08.06 ब.से
मंगल	तुला में	धनु	10.22 बजे से
बुध	तुला में	मकर	12.27 बजे से
गुरु	कर्क में	कुंभ	14.13 बजे से
शुक्र	कन्या में	मीन	15.46 बजे से
शनि	मीन में	मेष	17.17 बजे से
राहु	कुंभ में	वृष	18.57 बजे से
केतु	सिंह में	मिथुन	20.55 बजे से
राहुकाल		कर्क	23.08 बजे से
7.30 से 9.00		सिंह	01.24 बजे से
बजे तक		कन्या	03.36 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 293 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** शरद। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** कार्तिक (दक्षिण भारत में आश्विन) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** चतुर्दशी 15.45 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** हस्त 20.17 बजे को समाप्त। **योग** वैधृति 02.35 बजे रात्र को समाप्त। **करण** शकुनि 15.45 बजे तदनन्तर चतुष्पद 04.49 बजे प्रातः को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.2 घण्टे **रवि क्रान्ति** दक्षिण 10° 21' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872503 **जूलियन दिन** 2460968.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1447 **महीना** रबी उस्सानी **तारीख** 27 **विशेष** नरक चतुर्दशी, दिवाली, लक्ष्मी पूजा, केदार गौरी व्रत, चोपड़ा पूजा, शारदा पूजा, काली पूजा, कमला जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

संक्षिप्त समाचार

दीपावली आज... मां के चरणों में चढ़ाने को कमल फूल तैयार

बोकारो, एजेंसी। कालीपूजा और दीपावली सोमवार को है। मान्यता है कि माता लक्ष्मी और मां काली को प्रसन्न करने के लिए कमल फूल चढ़ाए जाते हैं। यह फूल पवित्रता, सुंदरता और देवी लक्ष्मी का प्रिय माना जाता है। दीपावली में कमल के फूल काफी महंगा बिकते हैं। कहीं पांच रुपए तो कहीं 10 रुपए प्रति फूल बिकते हैं। इधर, मां के चरणों में अर्पित होने के लिए तालाबों में कमल के फूल खिल गए हैं। यह तलगड़िया मोड़ के पास एक तालाब कमल के फूल से पूरी तरह पटा पड़ा है। तालाब में कमल की सुंदरता किसी सजावट से कम नहीं दिख रही है। यह फूल आध्यात्मिक पवित्रता का प्रतीक माना जाता है। इसे धन और समृद्धि के लिए भी काफी शुभ माना जाता है। यही वजह है कि श्रद्धालु माता लक्ष्मी और मां काली की चरणों में कमल फूल अर्पित करते हैं।

रोमांचक हुआ घाटशिला उपचुनाव, जयराम महतो की पार्टी ने रामदास मुर्मू को बनाया उम्मीदवार

घाटशिला, एजेंसी। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांति मोर्चा (जेएलकेएम) ने रामदास मुर्मू को अपना प्रत्याशी बनाया है। पार्टी के केंद्रीय अध्यक्ष जयराम महतो ने इसकी घोषणा की। रामदास मुर्मू ने पिछला विधानसभा चुनाव भी लड़ा था। उन्हें तब 8092 वोट मिले थे। रामदास मुर्मू तीसरे नंबर पर थे। इसबार के उपचुनाव में भी पार्टी ने उन्हें अपना उम्मीदवार बनाया है। शनिवार को प्रत्याशी रामदास मुर्मू ने घाटशिला अनुमंडल कार्यालय में नाम निर्देशन प्रपत्र खरीदा है। घाटशिला उपचुनाव को लेकर शनिवार को तीन लोगों ने घाटशिला अनुमंडल कार्यालय से नाम निर्देशन प्रपत्र खरीदा है। इनमें रामदास मुर्मू, मंगल मुर्मू व बिक्रम किस्कू के नाम शामिल है। अनुमंडल कार्यालय में शनिवार को भी गहमा गहमी देखी गई। नामांकन को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजामात रहे थे। घाटशिला विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन के नामांकन के बाद अब प्रचार अभियान की तैयारी है। दीपावली के बाद प्रदेश भाजपा घाटशिला में प्रचार अभियान को तेज करेगी। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आदित्य साहू घाटशिला में कैंप कर पार्टी प्रत्याशी के लिए चुनाव अभियान का नेतृत्व करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी, पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा और रघुवर दास भी दीपावली के बाद घाटशिला में लगातार दौरा करेंगे। बाबूलाल सोरेन के पिता और पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन लगातार उनके पक्ष में प्रचार कर रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी के नामांकन सभा में उमड़ी भीड़ से पार्टी उत्साहित है। एनडीए से सभी सहयोगी दल, आजसू और जदयू के नेता भी घाटशिला में प्रचार अभियान में सक्रिय भूमिका निभाएंगे। संताल परगना से भी आदिवासी नेताओं को घाटशिला में प्रचार अभियान में लगाया जाएगा। उपचुनाव में भाजपा राज्य सरकार पर हमलावर है। पार्टी प्रत्याशी बाबूलाल सोरेन ने अपने इंटरनेट मीडिया पर राज्य सरकार को असफल, भ्रष्ट और आदिवासियों की विरोधी बताया है। घाटशिला क्षेत्र में सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य की स्थिति को दयनीय बताते हुए भाजपा नेता क्षेत्र में जनसंपर्क कर रहे हैं।

मैट्रिक-इंटर परीक्षा के लिए सख्ती, 75त उपस्थिति नहीं तो फॉर्म भरने पर रोक

चाईबासा, एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम जिले के सभी माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाध्यापक व आवासीय विद्यालयों के वार्डन सहित अन्य अधिकारी शनिवार को मांगीलाल रूंगटा 2 उच्च विद्यालय, चाईबासा में बैठक के लिए एकत्रित हुए। बैठक की अध्यक्षता जिला दंडाधिकारी सह उपायुक्त चंदन कुमार ने की। बैठक का मुख्य उद्देश्य शैक्षणिक सत्र 2025-26 के आगामी मैट्रिक और इंटरमीडिएट परीक्षा की तैयारी और विद्यार्थियों की सफलता सुनिश्चित करना था। उपायुक्त ने सभी प्रधानाध्यापकों को निर्देश दिए कि वे अपने विद्यालयों में शत-प्रतिशत नामांकित विद्यार्थियों को जेसीईआरटी से उपलब्ध सिलेबस के अनुसार सभी विषयों की तैयारी कराएं। इसके अलावा, प्रत्येक 15 दिन पर जिला स्तर पर माडल टेस्ट परीक्षा आयोजित की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि केवल 75 प्रतिशत उपस्थिति वाले विद्यार्थी ही परीक्षा में शामिल होंगे। साथ ही जिन विद्यालयों के छात्र अच्छे अंक प्राप्त करेंगे और शत-प्रतिशत परिणाम देंगे, उन विद्यालयों को पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। बैठक में तीन मुख्य बिंदुओं पर जोर दिया गया। कहा गया कि एप और पोर्टल के माध्यम से प्रत्येक विद्यार्थी के प्रदर्शन की विद्यालयवार ट्रैकिंग की जायेगी। कम उपस्थिति वाले छात्रों को परीक्षा फार्म भरने की अनुमति नहीं दी जायेगी। प्रत्येक 15 दिन के अंतराल पर माडल टेस्ट आयोजित किए जायेंगे। असिस्टेंड कलेक्टर चाईबासा ने शिक्षकों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे बच्चों को अपने कर्तव्य और सेवा भावना के साथ पढ़ाएं, ताकि वे परीक्षा में सफल होकर जिले और राज्य का नाम रोशन करें। जिला शिक्षा पदाधिकारी टोनी प्रेमराज टोप्पो ने निर्देश दिए कि दिसंबर के अंत तक सभी विद्यालयों में पाठ्यक्रम पूरा किया जाए।

धनतेरस पर देर रात तक बाजारों में रौनक, जीएसटी कम होने से लोगों ने की दिल खोलकर खरीदारी

जमशेदपुर/देवघर, एजेंसी। धनतेरस पर जमशेदपुर और देवघर के बाजारों में देर रात तक भीड़ रही। दुकानें खुली रहीं और लोग अपने परिवारों के साथ धनतेरस की खरीदारी में व्यस्त रहे। बर्तन, सोना-चांदी और इलेक्ट्रॉनिक्स के साथ-साथ मिट्टी के दीये और घरेलू सजावट के सामान बेचने वाले कई दुकानों पर देर रात तक खरीदारी जारी रही।

जीएसटी की दरों में कटौती होने से बिक्री अधिक हुई : इधर, धनतेरस के बाजार को लेकर सुरक्षा के व्यापक इंतजाम किए गए थे, पुलिस सादे लिबास में घूम रही थी और जगह-जगह पैदल गश्ती कर रही थी। इलेक्ट्रॉनिक्स दुकान में सबसे ज्यादा खरीदारी टीवी और फ्रिज की हुई। आपको बता दें कि पिछले दिनों जीएसटी की दर में कटौती होने से सामान के दामों में कमी आई है, जिसके कारण लोगों ने जमकर खरीदारी की। बर्तन की दुकान में कांसा और पीतल के बर्तनों की बिक्री ज्यादा हुई। सोने की कीमत आसमान छू रही है, लेकिन धनतेरस के बाजार में सोने की चमक बरकरार रही। दुकानदारों कहना है कि पिछले कई वर्षों के बाद इस साल धनतेरस का बाजार सबसे अच्छा रहा, लोगों में धनतेरस को लेकर काफी उत्साह दिखा और जमकर खरीदारी हुई।

जमशेदपुर में धनतेरस पर सौ करोड़ का होता है कारोबार : दुकानदारों ने बताया कि जीएसटी दर में कमी के कारण बाजार में इसका असर बेहतर दिख रहा है। लेकिन ऑनलाइन बाजार के कारण धनतेरस के बाजार में थोड़ा असर पड़ा है। इलेक्ट्रॉनिक्स सामान के विक्रेता विशाल सिंह ने बताया कि जीएसटी दर में कमी के कारण खरीदारी अच्छी हुई।

पूरे जमशेदपुर में धनतेरस के बाजार में इलेक्ट्रॉनिक्स सामान का लगभग सौ करोड़ का कारोबार होता है।

बर्तन दुकान के विक्रेता का कहना है कि कांसा, पीतल के बर्तन की ज्यादा बिक्री हुई है इस बार धनतेरस के बाजार में रौनक देखने को मिली है। बाजार अच्छा हुआ है।

सोना महंगा है, इसलिए दूसरे सामान की खरीदारी की है : इधर सोने की कीमत बढ़ने के बाद भी धनतेरस में उसकी चमक बरकरार रही दूकानदार ने बताया कि पहले ग्राहक जिस मात्रा में सोने के जेवर लिया करते थे वर्तमान में सोने का भाव बढ़ने के बाद भी ग्राहकों ने अपने बजट के अनुसार सोना और चांदी के आभूषणों की खरीदारी की है।

धनतेरस के बाजार में खरीदारी करने वाले ग्राहकों ने भी बताया कि दिवाली है और उसके पहले धनतेरस में सामान खरीदना जरूरी होता है। बाजार थोड़ा महंगा है लेकिन अच्छा भी है। जीएसटी के रेट में कमी होने से कई सामान के दाम कम हुए हैं जिससे उन्हें सस्ता सामान भी मिला है। वहीं कई ग्राहकों ने बताया कि सोना महंगा है, खरीद नहीं सकते लेकिन उसके बदले दूसरे सामान की खरीदारी की है।

देवघर में धनतेरस का बाजार : वहीं देवघर में धनतेरस के शुभ अवसर पर देवघर का बाजार इस बार भी रौनक और उमंग से सराबोर रहा। सुबह से ही शहर की गालियां, बाजार और शो-रूम ग्राहकों की भीड़ से भरी रही। हर वर्ग के लोगों ने अपने घरों को सजाने और नए शुभारंभ के लिए जमकर खरीदारी की।

500 करोड़ रुपए से अधिक का कारोबार होने का अनुमान : इलेक्ट्रॉनिक्स, ऑटोमोबाइल, आभूषण और गृह सज्जा से जुड़ी दुकानों पर भीड़ देखी गई। धनतेरस की देर शाम तक हुई खरीदारी को लेकर संथाल चैंबर ऑफ कॉमर्स के लोगों ने कहा कि इस वर्ष धनतेरस पर देवघर सहित संथाल परगना में लगभग 500 करोड़ रुपए का कारोबार होने का अनुमान है।

संथाल चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष गोपाल कृष्ण ने बताया कि कोरोना काल के बाद लगातार हर वर्ष धनतेरस पर व्यापारिक स्थिति सुदृढ़ हुई है और इस बार पिछले वर्ष की तुलना में कारोबार में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। हालांकि देर रात तक आधिकारिक आंकड़े जारी नहीं हुए, लेकिन व्यापारियों का उत्साह साफ झलक रहा है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष देवघर में 100 से डेढ़ सौ करोड़ रुपए तक के व्यापार होने की उम्मीद जताई जा रही है।

धनतेरस पर कारोबारियों का यह अनुमान है कि इस वर्ष हर वर्ष से बेहतर खरीदारी हुई है। धनतेरस की देर शाम तक देवघर के गाड़ियों के शोरूम में खूब खरीदारी हुई।

झारखंड पर्यटन को मिलेगा नया आकर्षण, राज्य के पहले टाइगर सफारी प्रोजेक्ट की तैयारी शुरू

रांची, एजेंसी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने लातेहार जिले में प्रस्तावित टाइगर सफारी प्रोजेक्ट की तैयारियों को गति देने के लिए शुक्रवार को आवासीय कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस दौरान अधिकारियों ने टाइगर सफारी प्रोजेक्ट का विस्तृत प्रेजेंटेशन प्रस्तुत किया। यह झारखंड का पहला टाइगर सफारी प्रोजेक्ट होगा, जिसका निर्माण लातेहार के पुटूवागढ़ क्षेत्र में पलामू टाइगर रिजर्व से बाहर प्रस्तावित है। मुख्यमंत्री ने इस प्रोजेक्ट को लेकर अधिकारियों को कई अहम दिशा-निर्देश दिए ताकि इसे समयबद्ध और मानकों के अनुरूप पूरा किया जा सके।

अधिकारियों ने मुख्यमंत्री को अवगत कराया कि टाइगर सफारी बेतला नेशनल पार्क के निकट बनाया जाएगा। यह प्रोजेक्ट पलामू टाइगर रिजर्व (पीटीआर) के इको टूरिज्म सर्किट, जो नेतरहाट, बेतला, केचकी से लेकर मंडल डैम तक विस्तारित है, को मजबूती प्रदान करेगा।

इस क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देने के साथ-साथ स्थानीय ग्रामीणों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। डालटनगंज, बरवाडीह और मंडल डैम क्षेत्र के निवासियों को आजीविका का बेहतर साधन मिलेगा। प्रोजेक्ट के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है और यह सुनिश्चित किया जाएगा कि निर्माण कार्य सभी निर्धारित मानकों का पालन करते हुए हो।

झारखंड की सैर को नया आकर्षण

टाइगर सफारी पर्यटकों को बाघों और अन्य वन्यजीवों को करीब से देखने का अनूठा अवसर प्रदान करेगा। यह प्रोजेक्ट न केवल पर्यटन को बढ़ावा देगा, बल्कि झारखंड की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर को भी राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाएगा।

अधिकारियों ने बताया कि यह परियोजना क्षेत्र के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। पर्यटकों के लिए यह एक नया आकर्षण होगा, जो झारखंड के इको टूरिज्म को नई ऊंचाइयों तक ले जाएगा।

मुख्यमंत्री ने प्रोजेक्ट के विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत चर्चा की और अधिकारियों को इसे पर्यावरण के अनुकूल और स्थानीय समुदाय के हित में लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने जोर दिया कि प्रोजेक्ट को समय पर पूरा करने के साथ-साथ इसकी गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए।

बैठक में मंत्री सुदिव्य कुमार, विधायक कल्पना सोरेन, प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वाइल्डलाइफ) परितोष उपाध्याय, पलामू टाइगर रिजर्व के फील्ड डायरेक्टर एस.आर. नाटेश, उप निदेशक प्रजेश जेना, कंसल्टेंट अशफाक अहमद सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।

नकली शराब के साथ मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़

धनबाद, एजेंसी। उत्पाद विभाग ने धनबाद जिले में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए शुक्रवार को दो स्थानों पर छापेमारी कर नकली शराब के अलावा मिनी शराब फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। विभाग ने तेतुलमारी थाना क्षेत्र के तिलाटांड़ बस्ती में मिनी शराब फैक्ट्री का फंडाफोड़ किया। वहीं सोनारडीह ओपी क्षेत्र के चिटाही के ब्लॉक थ्री में छापेमारी भारी मात्रा में नकली शराब जब्त की है। विभाग ने शराब बनाने के कई उपकरण, केमिकल और सामग्री आदि जब्त की है। इधर, छापेमारी की भनक मिलते ही अवैध कारोबारी फरार हो गये।

सहायक उत्पाद आयुक्त राम लीला रवानी ने बताया कि गुप्त सूचना मिली थी कि तेतुलमारी थाना क्षेत्र की तिलाटांड बस्ती तथा सोनारडीह ओपी क्षेत्र के चिटाही में अवैध शराब कारोबार का धंधा चल रहा है। सूचना पर टीम गठित कर शुक्रवार तड़के सोनारडीह ओपी क्षेत्र के चिटाही ब्लॉक थ्री स्थित एक क्वार्टर में छापेमारी की गयी। इस दौरान वहां भारी मात्रा में नकली विदेशी शराब की बोतलें बरामद की गयी और कई कार्टून मिले। इससे पता चला कि यहां पर नकली शराब बोतलों में भर कर आसपास के क्षेत्रों में बेची जाती है। उत्पाद विभाग ने 50 पेटी नकली शराब बरामद की। पूछताछ में पता चला कि पिछले कई माह से सूरज महतो और प्रकाश महतो निकली शराब का धंधा कर रहे हैं। दोनों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी चल रही है। रामलीला रवानी ने बताया कि तिलाटांड बस्ती में रहने वाले गणेश टुडू के घर में पिछले कई माह से नकली मिनी शराब फैक्ट्री चलायी जा रही थी। छापेमारी के दौरान गणेश टुडू के घर में नकली शराब बनाने वाले फरार हो गये। उसके घर से 700 लीटर स्प्रीट, कई कार्टून महंगे ब्रांड के रैपर, ढक्कन और तैयार 100 पेटी नकली शराब, मशीन, कई जार व अन्य सामान बरामद किये गये। श्री रवानी ने बताया कि तिलाटांड़ में छापेमारी के दौरान झारखंड सरकार का भी रैपर मिला है, जिसमें लोगो लगा है।

रांची में रेस्टोरेंट के मालिक की हत्या परिजनों ने किया कांके रोड जाम

रांची, एजेंसी। रांची के पॉश इलाकों में शुमार कांके रोड स्थित चौपाटी रेस्टोरेंट में शनिवार देर रात गोलियों की आवाज से अफरा-तफरी मच गई। बताया जा रहा है कि रेस्टोरेंट के मालिक विजय बैठा को कुछ युवकों ने गोली मार दी, जिससे उनकी मौत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, गोली चलने की आवाज सुनकर जब लोग रेस्टोरेंट की ओर दौड़े तो कुछ युवक बाहर भागते दिखे, जबकि विजय जमीन पर गिर पड़े थे।

उन्हें आनन-फानन में अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की सूचना पर पुलिस के वरीय अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक हत्या का कारण महज बिरयानी का पार्सल विवाद था। सूत्रों के अनुसार, अभिषेक नामक युवक ने चौपाटी से वेज बिरयानी पैक करवाई थी। घर पहुंचने पर जब उसे पैकेट में नॉन वेज बिरयानी मिली तो उसने रेस्टोरेंट संचालक विजय को फोन कर बहस की। इसके बाद देर

रात वह सीधे दुकान पहुंच गया और वहां दोनों के बीच नोकझोंक होने लगी। इसी दौरान गुस्से में आकर अभिषेक ने पिस्टल निकालकर विजय के सीने में गोली मार दी। गोली लगते ही विजय मौके पर गिर पड़े और आरोपी भाग निकला।

घटना की खबर फैलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। रविवार सुबह मृतक के परिजनों और स्थानीय लोगों ने चौपाटी रेस्टोरेंट के सामने सड़क जाम कर दी और आरोपी की जल्द गिरफ्तारी की मांग करने लगे। आक्रोशित भीड़ ने कुछ समय के लिए आवागमन रोक दिया, जिससे सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने परिजनों को समझा-बुझाकर शांत कराया और शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। आश्वासन के बाद आवागमन सामान्य हुआ।

घटना के बाद रांची पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए त्वरित कार्रवाई शुरू कर दी है। ग्रामीण एसपी प्रवीन पुष्कर के अनुसार पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। आरोपी की धरपकड़ के लिए छापेमारी जारी है। रेस्टोरेंट के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं ताकि आरोपी की पहचान पक्की की जा सके।

साहिबगंज में बबलू कबाड़ीवाला के घर राजस्व खुफिया विभाग का छापा, परिवार के सदस्यों को लाया गया थाना

साहिबगंज, एजेंसी। नगर थाना क्षेत्र के बंगाली टोला में तिलकधारी कुआं के पास रहने वाले कबाड़ी कारोबारी संतोष कुमार गुप्ता उर्फ बबलू के यहां शनिवार की रात करीब पौने दस बजे राजस्व खुफिया निदेशालय की तीन सदस्यीय टीम पहुंची।

टीम ने घर में घुसकर छानबीन शुरू की। टीम ने अपने आगमन की सूचना नगर थाना को दी। इसके बाद नगर थाने की पुलिस वहां सुरक्षा के लिए जमी हुई थी। परिवार के सभी सदस्यों को नगर थाना लाया गया है।

टीम बिहार नंबर की इनोवा गाड़ी से पहुंची। इससे अंदाजा लगाया जा रहा है कि यह टीम पटना से आयी है। गौरतलब हो कि 19 अगस्त को गोवा ईडी की एक टीम ने उसके यहां छापेमारी की थी। छापेमारी सुबह सात बजे शुरू हुई थी जो रात करीब 10 बजे तक चली थी। टीम कुछ दस्तावेज जब्त कर ले गई थी।

बाद में ईडी ने विज्ञप्ति जारी कर बताया था कि प्रवर्तन निदेशालय के पणजी क्षेत्रीय कार्यालय ने 19 अगस्त 2025 को निबू विंसेंट और अन्य के खिलाफ मादक पदार्थों की आपूर्ति से संबंधित एक मामले में दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल, गोवा, हरियाणा, झारखंड और उत्तर प्रदेश में कई स्थानों पर व्यापक तलाशी अभियान चलाया।

इस दौरान, विभिन्न आपत्तिजनक दस्तावेज, कई डिजिटल उपकरण और इलेक्ट्रानिक स्टोरेज बरामद और जब्त किए गए। साथ ही धन शोधन गतिविधियों में इस्तेमाल किए जा रहे कई बैंक खातों को भी फ्रीज कर दिया गया।

जिम्बाब्वे के नागरिक तारिरो मंगवाना को पीएमएलए, 2002 की धारा 19 के तहत गिरफ्तार किया गया। गोवा स्थित पीएमएलए की विशेष अदालत ने आरोपित को तीन दिन के लिए ईडी की हिरासत में भेज दिया गया था। छापेमारी के बाद बबलू कबाड़ी वाले को ईडी ने समन भेजकर गोवा बुलाया था और कड़ी पूछताछ की थी।

हजारीबाग में सीमेंट व्यवसायी के घर-दुकान में डकैती, अपराधियों ने परिवार को बंधक बनाकर की वारदात

हजारीबाग, एजेंसी। हजारीबाग जिले के बरकट्ठा प्रखंड स्थित सूर्यकुंड में सीमेंट व्यवसायी सुनील कुमार पांडेय के घर और दुकान पर डकैती हुई। हथियारबंद अपराधियों ने परिवार को बंधक बनाकर छह लाख रुपये नकद और जेवरात लूट लिए, साथ ही मारपीट भी की।

यह घटना शुक्रवार देर रात की है। लगभग छह नकाबपोश अपराधी एक ऑल्टो कार और एक बाइक से सूर्यकुंड ट्रेडर्स पहुंचे। उन्होंने दुकान में मौजूद सुनील पांडेय को हथियार के बल पर बंधक बनाया, उनके हाथ-पैर बांधे और ऊपर के कमरे में बंद कर दिया।

जब उनके बेटे समीत पांडे ने विरोध किया, तो अपराधियों ने बंदूक की बट से पीटकर उसे घायल कर दिया। इसके बाद अपराधी घर में घुस गए और लगभग छह लाख रुपए नगद तथा सोने-चांदी के जेवरात लूटकर फरार हो गए। जाते समय उन्होंने परिवार को पुलिस को सूचना देने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। घटना की सूचना मिलते ही बरही एसडीपीओ अजीत कुमार विमल, अंचल निरीक्षक इमदाद अंसारी और गोरहर थाना प्रभारी नितीश कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और घायल परिवार के सदस्यों को बरकट्ठा सीएचसी में उपचार के लिए भेजा। एसडीपीओ अजीत कुमार विमल ने बताया कि पुलिस ने अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए कई टीमों का गठन किया है।

आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं। अपराधियों द्वारा छोड़ी गई बाइक से भी महत्वपूर्ण सुराग मिलने की संभावना है।

झारखंड में छठ से पहले बदलेगा मौसम:दक्षिण-पश्चिमी हिस्से में हल्की बारिश के आसार

रांची, एजेंसी। दीपावली और छठ जैसे प्रमुख पर्वों से पहले झारखंड के मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिल सकता है। मौसम विभाग के ताजा पूर्वानुमान के अनुसार, 20 अक्टूबर को राज्य के दक्षिणी और पश्चिमी हिस्सों में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे।

इस दौरान कुछ इलाकों में गर्जन के साथ हल्की बारिश हो सकती है। विभाग ने चेतावनी दी है कि बंगाल की खाड़ी के ऊपर बना निम्न दबाव का क्षेत्र पश्चिमोत्तर दिशा की ओर बढ़ रहा है, जिसके प्रभाव से 24 और 25 अक्टूबर के बीच दक्षिण-पश्चिमी झारखंड के जिलों में हल्की वर्षा की संभावना है।

21 से 23 अक्टूबर तक सुबह छाएगा कोहरा

मौसम विभाग ने बताया कि 21 से 23 अक्टूबर के बीच सुबह के समय राज्य के कई हिस्सों में कोहरा और हल्की धुंध छाई रह सकती है। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ आसमान साफ हो जाएगा और मौसम शुष्क बना रहेगा। दीपावली और छठ पर्व के दौरान तापमान में उतार-चढ़ाव की संभावना है, लेकिन ठंड का असर धीरे-धीरे बढ़ेगा। विभाग के अनुसार, अक्टूबर के आखिरी सप्ताह में उत्तर-पश्चिमी हवाएं सक्रिय होंगी, जिससे रात के तापमान में गिरावट दर्ज की जाएगी।

रांची का तापमान बढ़ा, हजारीबाग में सबसे ठंडी सुबह

शनिवार को राजधानी रांची में अधिकतम और न्यूनतम तापमान में मामूली बढ़ोतरी दर्ज की गई। रांची का अधिकतम तापमान 31.5 डिग्री सेल्सियस रहा, जो पिछले 24 घंटे में 1.6 डिग्री की वृद्धि दर्शाता है। वहीं, न्यूनतम तापमान 17.4 डिग्री सेल्सियस रहा, जो सामान्य से 0.4 डिग्री अधिक है। पूरे राज्य का औसत अधिकतम तापमान 32.5 डिग्री और न्यूनतम 18.6 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। साहिबगंज में सबसे अधिक तापमान 34.5 डिग्री और हजारीबाग में न्यूनतम 14.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

अगले पांच दिनों में बढ़ेगा तापमान

मौसम विभाग के पांच दिवसीय पूर्वानुमान के अनुसार, 18 से 22 अक्टूबर तक राज्य के कई हिस्सों में अधिकतम तापमान में वृद्धि दर्ज की जा सकती है। उत्तर-पूर्वी झारखंड में अधिकतम तापमान 32 से 35 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने का अनुमान है, जिसमें पाकुड़ सबसे गर्म रहेगा। पूर्वी सिंहभूम और पश्चिम सिंहभूम में तापमान 34 डिग्री तक जा सकता है।

वहीं, रांची, हजारीबाग, कोडरमा और लोहरदगा में तापमान 30 से 33 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। हालांकि, न्यूनतम तापमान 20 से 22 डिग्री के आसपास बने रहने की संभावना है। विशेषज्ञों का कहना है कि दीपावली के बाद ठंड की दस्तक तेज होगी, लेकिन फिलहाल लोगों को हल्की गर्मी का एहसास होगा।

दीपावली का शुभ मुहूर्त क्या है? कब पड़ रहा विशेष फलदायी संयोग

दिवाली यानी दीपावली का पर्व हर साल कार्तिक महीने में अमावस्या तिथि को मनाया जाता है। हिंदू धर्म में दिवाली पर्व का बड़ा ही महत्व है। यह धनतेरस से शुरू होने वाले पंचदिवसीय पर्व का प्रमुख त्योहार है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार भगवान राम 14 वर्ष का वनवास पूरा करके जब अयोध्या लौटे थे तब उनके आगमन की खुशी में दीपावली का त्योहार मनाया गया था। वैसे दिवाली की कई अन्य कथाएं और मान्यताएं हैं। लेकिन सभी कथाओं और मान्यताओं में दिवाली को देवी लक्ष्मी की कृपा पाने का दिन बताया गया है।

दिवाली कब है?

पंचांग की गणना के अनुसार अबकी बार कार्तिक अमावस्या 20 अक्टूबर 2025 को है। लक्ष्मी पूजा मुहूर्त 20 अक्टूबर 2025 को दोपहर 03 बजकर 44 मिनट पर शुरू होगी और अगले दिन 21 अक्टूबर को शाम 05 बजकर 54 मिनट पर समाप्त होगी.

पूजा का क्या है नियम

दिवाली पर गृहस्थ लोग प्रदोष काल में स्थिर लग्न के समय भगवान गणेश, देवी लक्ष्मी और कुबेर महाराज की पूजा करते हैं। व्यापारी लोग इस दिन अपना खाता बही बदलते हैं। इसलिए व्यापारियों का नया वर्ष भी इसी दिन से शुरू होता है। गुजरात में दिवाली से ही महालक्ष्मी वर्ष का आरंभ माना जाता है।

दिवाली की रात का शगुन

दिवाली के दिन महालक्ष्मी अपने वाहन उल्लू पर सवार होकर पृथ्वी भ्रमण के लिए आती हैं। इसलिए लोग अपने घर और छत की सफाई करते है। घर में रंगोली बनाकर देवी लक्ष्मी का स्वागत करते हैं। कहते हैं कि इस रात कुछ ऐसे शगुन होते हैं जो बताते हैं कि महालक्ष्मी का घर में आगमन हुआ है।

दिवाली उत्सव

दिवाली के दिन देवी लक्ष्मी की पूजा करने के बाद लोग अपने रिश्तेदारों पड़ोसियों के बीच उपहार और मिठाई बांटते हैं। बच्चों को यह त्योहार इसलिए भी खूब पसंद आता है क्योंकि इसमें उन्हें आतिशबाजी करने का मौका मिलता है। लेकिन देश के कुछ भागों में प्रदूषण के खतरे को देखते हुए दिवाली पर आतिशबाजी को बैन कर दिया गया है। ऐसे में बच्चों को थोड़े निराश हो जाते हैं। फिर भी सभी लोग बड़े उत्साह और आनंद के साथ दिवाली का महापर्व मनाते हैं।

लक्ष्मी पूजा में रखें 10 बातों का ध्यान

दीपावली के अवसर पर जानिए दिवाली पूजा की सबसे सरल विधि और यह भी जानिए कि पूजन के समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए। इस बार दीवाली का त्योहार 20 अक्टूबर को मनाया जाएगा।

दिवाली की सबसे सरल पूजा विधि

- ईशान कोण या उत्तर दीशा में साफ सफाई करके स्वास्तिक बनाएं। उसके उपर चावल की ढेरी रखें। अब उसके उपर लकड़ी का पाट बिछाएं। पाट के उपर लाल कपड़ा बिछाएं और उस पर माता लक्ष्मी की मूर्ति या तस्वीर रखें। तस्वीर में गणेश और कुबेर की तस्वीर भी हो। माता के दाएं और बाएं सफेद हाथी के चित्र भी होना चाहिए।
- पूजन के समय पंचदेव की स्थापना जरूर करें। सूर्यदेव, श्रीगणेश, दुर्गा, शिव और विष्णु को पंचदेव कहा गया है। इसके बाद धूप-दीप चलाएं। सभी मूर्ति और तस्वीरों को जल छिड़ककर पवित्र करें।
- अब खुद कुश के आसन पर बैठकर माता लक्ष्मी की षोडशोपचार पूजा करें। अर्थात 16 क्रियाओं से पूजा करें। पाद्य, अर्घ्य, आचमन, स्नान, वस्त्र, आभूषण, गंध, पुष्प, धूप, दीप, नेवैद्य, आचमन, ताम्बुल, स्तवपाठ, तर्पण और नमस्कार। पूजन के अंत में सांगता सिद्धि के लिए दक्षिणा भी चढ़ाना चाहिए।
- माता लक्ष्मी सहित सभी के मस्तक पर हलदी कुंकू, चंदन और चावल लगाएं। फिर उन्हें हार और फूल चढ़ाएं। पूजन में अनामिका अंगुली (छोटी अंगुली के पास वाली यानी रिंग फिंगर) से गंध (चंदन, कुमकुम, अबीर, गुलाल, हल्दी आदि) लगाना चाहिए। इसी तरह उपरोक्त षोडशोपचार की सभी सामग्री से पूजा करें। पूजा करते वक्त उनके मंत्र का जाप करें।
ॐ श्रीं ह्रीं श्रीं कमले कमलालये प्रसीद प्रसीद श्रीं ह्रीं श्रीं महालक्ष्म्यै नमः।
ॐ महालक्ष्म्यै नमो नमः धनप्रदायै नमो नमः ॐ विश्वजनन्यै नमो नमः।
- पूजा करने के बाद प्रसाद या नैवेद्य (भोग) चढ़ाएं। ध्यान रखें कि नमक, मिर्च और तेल का प्रयोग नैवेद्य में नहीं किया जाता है। प्रत्येक पकवान पर तुलसी का एक पत्ता रखा जाता है। इस दिन लक्ष्मीजी को मखाना, सिंघाड़ा, बताशे, ईख, हलुआ, खीर, अनार, पान, सफेद और पीले रंग के मिष्ठान्न, केसर-भात आदि अर्पित किए जाते हैं। पूजन के दौरान 16 प्रकार की गुजिया, पपड़ियां, अनर्सा, लड्डू भी चढ़ाएं जाते हैं। आह्वान में पुलहरा चढ़ाया जाता है। इसके बाद चावल, बादाम, पिस्ता, छुआरा, हल्दी, सुपारी, गेंहू, नारियल अर्पित करते हैं। केवड़े के फूल और आम्रबेल का भोग अर्पित करते हैं।
- पूजा करने के बाद अंत में खड़े होकर उनकी आरती करके नैवेद्य चढ़ाकर पूजा का समापन किया जाता है। पूजा के बाद कपूर आरती जरूर करें। कर्पूर गौरम करुणा का श्लोक बोलें। आरती को सबसे पहले उसे अपने आराध्य के चरणों की तरफ चार बार, इसके बाद नाभि की तरफ दो बार और अंत में एक बार मुख की तरफ घुमाएं। ऐसा कुल सात बार करें। आरती करने के बाद उस पर से जल फेर दें और प्रसाद स्वरूप सभी लोगों पर छिड़कें।
- मुख्य पूजा के बाद अब मुख्य द्वार या आंगन में दीये जलाएं। एक दीया यम के नाम का भी जलाएं। रात्रि में घर के सभी कोने में भी दीए जलाएं।
- पूजा और आरती के बाद ही किसी से मिलने जाएं, मिठाई बांटे या पटाखें फोड़े।
- घर में या मंदिर में जब भी कोई विशेष पूजा करें तो अपने इष्टदेव के साथ ही स्वस्तिक, कलश, नवग्रह देवता, पंच लोकपाल, षोडश मातृका, सप्त मातृका का पूजन भी किया जाता। लेकिन विस्तृत पूजा तो पंडित ही करता है अतः आप ऑनलाइन भी किसी पंडित की मदद से विशेष पूजा कर सकते हैं। विशेष पूजन पंडित की मदद से ही करवाने चाहिए, ताकि पूजा विधिवत हो सके।

दिवाली का ज्योतिषीय महत्व

हिंदू धर्म के प्रत्येक त्यौहार की तरह दिवाली का भी अपना ज्योतिषीय महत्व है। ऐसी मान्यता है कि अनेक पर्व और त्यौहारों पर बनने वाली ग्रहों की दशा एवं विशेष योग मानव समाज के लिए फलदायी होते हैं। दिवाली का समय हिन्दुओं द्वारा किसी भी नए कार्य के शुभारंभ और किसी वस्तु को खरीदने के लिए अत्यंत शुभ माना जाता है। इसका भी अपना ज्योतिषीय कारण है। दीपावली के समय तुला राशि में सूर्य और चंद्रमा स्वाति नक्षत्र में स्थित होते हैं।

वैदिक ज्योतिष के अनुसार सूर्य और चंद्रमा की स्थिति किसी भी व्यक्ति को शुभ फल देने वाली होती है। तुला राशि एक संतुलित भाव वाली राशि है जो न्याय और निष्पक्षता का प्रतिनिधित्व करती है। तुला राशि के स्वामी शुक्र सौहार्द, भाईचारे, सद्भाव और सम्मान का कारक हैं। इन्ही गुणों के कारण सूर्य और चंद्रमा का तुला राशि में स्थित होना शुभ संयोग का निर्माण करता है।

दीपावली पर दुर्लभ योग 676 साल बाद गुरु-शनि के शुभ योग में मनेगी दीपावली

सोमवार, 20 अक्टूबर को दीपावली है। इस साल गुरु ग्रह अपनी उच्च राशि कर्क में है। इसके साथ ही गुरु की दृष्टि शनि पर रहेगी। शनि गुरु की राशि मीन में है। गुरु का उच्च राशि में होना और उसकी शनि पर दृष्टि, शनि का मीन राशि में होना, एक शुभ योग है। ज्योतिषाचार्य के मुताबिक, ऐसा योग 2025 से 676 साल पहले 20 अक्टूबर 1349 को बना था। उस दिन भी सोमवार ही था। तारीख, वार एक जैसे होने की साथ ही उच्च के गुरु की दृष्टि, गुरु की राशि में शनि है। अब 2025 के 60 बाद फिर ऐसा योग बनेगा।

कर्क, वृश्चिक, मकर और मीन के शुभ रहेगा समय

गुरु पुनर्वसु नक्षत्र में रहेगा, इसका स्वामी गुरु ही है और शनि पूर्वाभाद्रपद नक्षत्र में रहेगा, इसका स्वामी भी गुरु ही है। गुरु उच्च राशि कर्क में है, शनि भी गुरु की राशि में है, गुरु की दृष्टि भी शनि पर है। इन शुभ योगों की वजह से देश में व्यापार की स्थिति बहुत मजबूत होगी। शत्रु देशों को बड़ी हानि हो सकती है। सोना और चांदी के दाम बढ़ते रहेंगे। कर्क, वृश्चिक, मकर और मीन राशि वालों को लाभ मिलने की संभावना है।

दीपावली का पर्व क्यों मनाया जाता है?

भविष्य, स्कंद एवं पद्म पुराण में दीपावली मनाने के कई कारण बताए गए हैं। कहानियों के अनुसार समुद्र मंथन से धन्वंतरि की उत्तपत्ति कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी को हुई थी। इसके बाद कार्तिक अमावस्या को भगवती महालक्ष्मी का अवतार समुद्र से हुआ। उनके स्वागत के लिए मंगल उत्सव मनाया गया तथा दीप मालिकाएं जलाई गई थीं। इस मान्यता की वजह से दीपावली मनाई जाती है। एक अन्य कथा के अनुसार भगवान कृष्ण ने नरक चौदस के दिन नरकासुर का वध किया तथा सोलह हजार राजकन्याओं को उसकी कैद से स्वतंत्र करा कर अमावस्या पर द्वारिका में प्रवेश किया था, लोगों ने भगवान के स्वागत के लिए दीप मालिकाओं से द्वारिका को सजाया था। रावण का वध करके जब भगवान राम ने अयोध्या में प्रवेश किया, तब कार्तिक मास की अमावस्या थी और उस दिन नगरवासियों ने भगवान के स्वागत के लिए अयोध्या को दीपों से सजाया था।

देवालयों में दीप जलाएं

- दीपावली पर सायंकाल देवालयों में दीपदान, रात्रि के अंतिम पहर में दरिद्रा निस्तारण करना चाहिए।
- व्यापारी वर्ग शुभ व स्थिर लग्न में अपने प्रतिष्ठान की उन्नति के लिए महालक्ष्मी पूजन करते हैं।
- घरों में लक्ष्मी-गणेश व कुबेर का पंचोपचार या षोडशोपचार पूजन कर दीप जलाना चाहिए।
- मां लक्ष्मी को प्रसन्न करने के लिए श्रीसूक्तमकनकधारा स्त्रोत, लक्ष्मी चालीसा, लक्ष्मी मंत्र का पाठ-जप-हवन आदि करना चाहिए। इससे महालक्ष्मी, स्थिर लक्ष्मी स्वरूप में कृपा के साथ धन-धान्य, सौभाग्य, पुत्र-पौत्र, ऐश्वर्य और प्रभुत्व का इत्यादि का वरदान देती हैं।
- दीपावली की सुबह हनुमान जी का दर्शन-पूजन करना चाहिए।

देश-दुनिया में कब और कैसे मनाया जाता है दिवाली का महापर्व

दीयों के प्रकाश से जगमागहट फैलाने वाले जिस दीपावली पर्व का इंतजार लोगों को पूरे साल बना रहता है, वह देश और विदेश में हर साल बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है. देश में पूर्व से लेकर पश्चिम तक और उत्तर से लेकर दक्षिण तक इस पर्व को लेकर क्या मान्यताएं जुड़ी हैं और विदेशों में इसे कैसे मनाया जाता है हिंदू धर्म से जुड़े लोगों के लिए दिवाली का पर्व बहुत ज्यादा मायने रखता है क्योंकि इस दिन शुभ एवं लाभ के देवता भगवान श्री गणेश के साथ धन की देवी मां लक्ष्मी की विधि-विधाने से पूजा की जाती है ताकि पूरे साल उनके घर में सुख-सौभाग्य बना रहे. इस साल यह पावन पर्व देश और विदेश में 31 अक्टूबर को मनाया जाएगा. अंधकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक माने जाने वाले दिवाली पर्व को देश के अलग-अलग हिस्सों में अलग-अलग तरीकों और मान्यताओं के आधार पर मनाया जाता है.

तब दिवाली के दिन जमीन पर उतर आते हैं देवता

भारत के पूर्व में वाराणसी की दिवाली काफी प्रसिद्ध है. यहां पर दिवाली से ज्यादा रौनक देव दिवाली के दिन देखने को मिलती और इस दिन घाटों को कई हजार दीये से सजाया जाता है. हिंदू मान्यता के अनुसार इस दिन स्वर्गलोक से देवतागण पृथ्वी पर दिवाली मनाने के लिए आते हैं. देव दिवाली को देखने के लिए न सिर्फ देश बल्कि विदेशों से लोग पहुंचते हैं.

पंजाब की दिवाली से जुड़ी है ये परंपरा

उत्तर भारत की तरह पंजाब में भी दिवाली की अलग रौनक देखने को मिलती है. पंजाब में सिखी परंपरा से जुड़े लोग इस पर्व को बंदी छोड़ दिवस के रूप में मनाते हैं. उनकी मान्यता है कि इसी दिन सिखों के छठवें गुरु हरगोविंद सिंह को जेल से रिहा किया गया था. इस दिन अमृतसर के स्वर्ण मंदिर में रोशनी और आतिशबाजी देखने लायक होती है.

गुजरात में कुछ ऐसे होती है दिवाली की रौनक

गुजरात में दिवाली का पर्व बड़ी धूम-धाम से मनाया जाता है. गुजरात में दिवाली को धूमधाम से मनाने के लिए लोग 15 दिन पूर्व ही उसकी तैयारियाँ शुरू कर देते हैं. गुजरात में दिवाली के दिन लोग नए कपड़े पहनते हैं और इस दिन साफ-सफाई के साथ पूरे घर की विशेष सजावट की जाती है. दिवाली के अगले दिन गुजराती लोगों का नया साल प्रारंभ होता है. इस दिन लोग एक दूसरे को शुभकामनाएं और मिठाईयां भेंट करते हैं.

विदेश में भी होती है दिवाली की धूम

देश की तरह उन देशों में भी दिवाली की खूब धूम रहती है, जहां पर हिंदू धर्म से जुड़े लोग रहते हैं. मसलन नेपाल में दिवाली को स्वान्ति कहा जाता है. यहां पर भी यह पावन पर्व पांच दिनों तक मनाया जाता है. वहीं श्रीलंका में तमिल लोग इस पावन पर्व को विधि-विधाने से मनाते हैं. इसी प्रकार अमेरिका, लंदन, थाईलैंड, मलेशिया आदि में भी दिवाली के मौके पर खूब धूम रहती है. यहां पर रहने वाले दिवाली का पर्व पारंपरिक तरीके से पूजा-पाठ करके मनाते हैं.

लंदन तक पहुंचा चांदी का सैलाब! भंडार हुए खाली

● कारोबारी ने कहा- 27 साल के करियर में ऐसा कभी नहीं देखा

नई दिल्ली, एजेंसी। चांदी की बिक्री की सुनामी सिर्फ भारत में ही नहीं आई, बल्कि इसका सैलाब लंदन तक पहुंच गया। एमएमटीसी-पंप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के ट्रेडिंग हेड विपिन रैना को उम्मीद थी कि भारतीय धनतेरस पर जमकर खरीदारी करेंगे। वे लक्ष्मीजी की पूजा के लिए चांदी खरीद रहे थे। लेकिन जब यह हुआ, तो वे हैरान रह गए। पिछले हफ्ते की शुरुआत में भारत की सबसे बड़ी कीमती धातु रिफाइनरी (उनकी कंपनी) अपने चांदी के स्टॉक से इतिहास में पहली बार खाली हो गई। उन्होंने कहा कि लोग जबरदस्त खरीदारी कर रहे हैं। ऐसा उन्होंने अपने 27 साल के करियर में कभी नहीं देखा।

लंदन में खत्म हुई चांदी

पिछले हफ्ते के अंत तक यह उन्माद लंदन के चांदी बाजार तक फैल गया था। लंदन में दुनिया के सबसे बड़े बैंक भारी मात्रा में खरीद-बिक्री करते हैं। वहां भी उपलब्ध चांदी खत्म हो गई थी। व्यापारियों का कहना है कि बाजार लगभग टूट गया था, जहां बड़े बैंक भी कीमतें बताना बंद कर रहे थे क्योंकि उन्हें ग्राहकों के गुस्से और थकान से भरे फोन कॉल्स का सामना करना पड़ रहा था।

लंदन की ओर क्यों मुड़े डीलर

भारत में वैश्विक कीमतों से ऊपर चांदी के प्रीमियम (जो आमतौर पर कुछ सेंट प्रति औंस से अधिक नहीं होते थे) 0.50 डॉलर से ऊपर और फिर 1 डॉलर से ऊपर बढ़ने लगे, क्योंकि आपूर्ति कम हो गई। और जैसे ही भारत की मांग बढ़ रही थी चीन का बाजार एक सप्ताह की छुट्टी के लिए बंद हो गया। चीन आपूर्ति का एक प्रमुख स्रोत है। ऐसे में बुलियन डीलरों ने लंदन का रुख किया।

उन्हें जल्द ही पता चला कि शहर के कीमती धातु के वॉल्ट (सुरक्षित तिजोरियां) काफी हद तक बिक चुके थे। हालांकि लंदन के वॉल्ट, जो वैश्विक बाजार को सहारा देते हैं, उनमें 36 अरब डॉलर से अधिक की चांदी है, इसका अधिकांश हिस्सा एक्सचेंज-ट्रेडेड फंड के निवेशकों के स्वामित्व में था।

चांदी बाजार में आ गया संकट

ब्लूमबर्ग के मुताबिक 9 अक्टूबर तक (धनतेरस से कुछ दिन पहले) लंदन का चांदी बाजार सबसे बड़े संकट से जूझ रहा था। कंसल्टेंसी मेटल्स फोकस के अनुसार, रातोंरात चांदी उधार लेने की लागत सालाना 200 प्रतिशत तक पहुंच गई। हटना शुरू कर दिया, बिड-आस्क स्प्रेड (खरीद और बिक्री मूल्य का अंतर) इतना बढ़ गया कि व्यापार लगभग असंभव हो गया।

लंदन के भंडार हुए खाली

लंदन बाजार में हर दिन लगभग 250 मिलियन औंस चांदी के कारोबार को सहारा देने के लिए बहुत कम धातु बची। मेटल्स फोकस के अनुसार अक्टूबर की शुरुआत तक लंदन चांदी बाजार में ईटीएफ के स्वामित्व वाले धातु के फ्री फ्लोट (खुले बाजार में उपलब्ध धातु) घटकर 150 मिलियन औंस से कम हो गए थे।

फेडरल बैंक के प्रॉफिट में गिरावट, ब्रोकरेज ने कहा- दिवाली में शेयर खरीदो

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के फेडरल बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 की जुलाई-सितंबर तिमाही के नतीजे जारी कर दिए हैं। इस तिमाही में बैंक का नेट प्रॉफिट 9.51 प्रतिशत घटकर 991.94 करोड़ रुपये रह गया। फेडरल बैंक को पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 1,096.25 करोड़ रुपये का प्रॉफिट हुआ था। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में बैंक की मुख्य शुद्ध ब्याज आय 5.4 प्रतिशत बढ़कर 2,495 करोड़ रुपये हो गई। फेडरल बैंक के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि बैंक चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में लोन बुक को 10 से 12 प्रतिशत तक बढ़ाने का लक्ष्य रख रहा है, जो पहली छमाही की 7.6 प्रतिशत वृद्धि से अधिक होगा। हालांकि, अगर दूसरी छमाही में अधिकतम लक्ष्य भी हासिल हो जाए तो भी पूरे वित्त वर्ष 2025-26 के लिए लोन ग्रोथ 10 प्रतिशत से कम रहेगी, जो वित्त वर्ष 2024-25 की 12.14 प्रतिशत की वृद्धि से कम होगी। बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारी केवीएस मणियन ने बताया कि कॉरपोरेट ऋणों की मांग अभी भी कमजोर बनी हुई है। उन्होंने आशा जताई कि सरकार द्वारा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) में कटौती जैसे उपायों से उपभोक्ता मांग बढ़ेगी, जिससे कंपनियां अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ाने की दिशा में कदम उठाएंगी। फेडरल बैंक के शेयर की बात करें तो यह बीते शुक्रवार को 1.03 प्रतिशत टूटकर 212.40 रुपये पर बंद हुआ। ब्रोकरेज फर्म एक्सिस सिक्योरिटीज ने फेडरल बैंक के शेयर पर सकारात्मक रुख बनाकर टारगेट प्राइस तय किया है। दरअसल, दिवाली को देखते हुए ब्रोकरेज एक्सिस सिक्योरिटीज ने विक्रम संवत 2082 के लिए अपनी चुनिंदा शेयरों की सूची जारी कर दी है।

यूएई के लेंडर ने आरबीएल बैंक में खरीदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्राइवेट सेक्टर के आरबीएल बैंक में यूएई का दूसरा सबसे बड़ा लेंडर- एमिरेट्स एनबीडी बैंक पीजेएससी बड़ी हिस्सेदारी खरीद रहा है। इसके लिए यूएई का लेंडर आरबीएल बैंक में 26,580 करोड़ रुपये (3 बिलियन डॉलर) निवेश पर सहमत हो गया है। यह निवेश प्रिफरेंशियल अलॉटमेंट के माध्यम से किया जाएगा, जिसमें प्रति शेयर 280 के भाव पर नई इक्विटी पूंजी जारी की जाएगी। ईटी की खबर के मुताबिक डील पर साइन किया जा चुका है। जानकारी के लिए बता दें कि वर्तमान में आरबीएल बैंक में 22 प्रतिशत हिस्सेदारी विदेशी निवेशकों की है।

आईडीबीआई बैंक का मुनाफा लगभग दोगुना होकर 3627 करोड़ हुआ, परिणाम जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। आईडीबीआई बैंक का एकल शुद्ध मुनाफा सितंबर तिमाही में लगभग दोगुना होकर 3,627 करोड़ रुपये हो गया। इसमें एनएसडीएल में निवेश की बिक्री से प्राप्त लाभ भी शामिल है। कंपनी ने शनिवार को जारी अपने वित्तीय परिणामों में इसकी जानकारी दी। एलआईसी के नियंत्रण वाले बैंक का मुनाफा 2024-25 की जुलाई-सितंबर अवधि में 1,836 करोड़ रुपये का था। बैंक ने बीएसई को दी सूचना में बताया कि उसने अपने आईपीओ में 799.87 रुपये प्रति शेयर के निर्गम मूल्य पर 2.22 करोड़ इक्विटी शेयरों की पेशकश की थी। इसमें नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (एनएसडीएल) में 11.11 प्रतिशत शेयरधारिता शामिल है। इससे उसे 1,698.96 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ हुआ। बैंक ने कहा कि वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में उसका परिचालन लाभ 17 प्रतिशत बढ़कर 3,523 करोड़ रुपये हो गया। एक साल पहले इसी तिमाही में यह लाभ 3,006 करोड़ रुपये था। वित्त वर्ष 2026 की जुलाई-सितंबर अवधि में ब्याज स शुद्ध आय 3,285 करोड़ रुपये थी। जबकि एक साल पहले यह 3,875 करोड़ रुपये थी। इसका कुल कारोबार 5,33,730 करोड़ रुपये का रहा, जो 12 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्शाता है। आईडीबीआई बैंक ने आगे कहा कि 30 सितंबर, 2025 तक उसका सकल एनपीए अनुपात एक साल पहले के 3.68 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 2.65 प्रतिशत हो गया। शुद्ध एनपीए अनुपात सितंबर 2024 के 0.20 प्रतिशत की तुलना में 0.21 प्रतिशत रहा। बैंक ने कहा कि 30 सितंबर, 2025 तक उसकी कुल जमा राशि 3 लाख करोड़ रुपये के आंकड़े को पार कर जाएगी। 30 सितंबर, 2025 तक चालू खाता और बचत खाता (सीएएसए) 1,39,036 करोड़ रुपये और सीएएसए अनुपात 45.81 प्रतिशत रहा।

धनतेरस पर मुंबई के झवेरी बाजार में बिका 36 टन सोना

सिक्के और बार बने ग्राहकों की पहली पसंद

धनतेरस के दिन सोने की कीमतों में दिखी 5000 की नरमी

मुंबई एजेंसी। धनतेरस के अवसर पर शनिवार को मुंबई के प्रसिद्ध झवेरी बाजार में करीब 36 टन सोने की बिक्री हुई। इसमें सिक्कों और गोल्ड बार की खरीदारी में उल्लेखनीय वृद्धि देखने को मिली। सोने की कीमत में 5000 रुपये की गिरावट के बाद ग्राहकों का रुझान बढ़ा। इससे कुल कारोबार में तेजी आई। इस बार चांदी की बिक्री भी मजबूत रही, जबकि सोने के गहनों की बिक्री में थोड़ी कमी आई। इस उत्सव के दौरान देशभर में लगभग 50,000 करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान है। धनतेरस के एक दिन पहले सोने की कीमतें 1,36,000 रुपये 10 पर थी, जो शनिवार 18 अक्टूबर धनतेरस के दिन 5000 रुपये गिरकर 1,31,425 रुपये 10 ग्राम पर कारोबार करती दिखी। चांदी की कीमत 157,590 रुपये प्रति किलोग्राम पर रही। इंडियन बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के सचिव सुरेंद्र मेहता ने बताया सोने की बिक्री पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 10 प्रतिशत कम रहने का अनुमान है। पिछले वर्ष धनतेरस पर करीब 39 टन सोना बिका था, जबकि इस बार देर रात तक लगभग 36 टन सोने की बिक्री होने की संभावना है।

पूजा थालियों, मूर्तियों और चांदी के सिक्कों की खरीद में उछाल: सिल्वर एम्पोरियम के राहुल मेहता ने बताया कि इस बार चांदी की बिक्री में भी मजबूती देखी गई है और पिछले वर्ष की तुलना में बिक्री वॉल्यूम में वृद्धि दर्ज हुई है। उन्होंने कहा कि ग्राहकों ने इस बार विशेष रूप से पूजा की थालियों, मूर्तियों और चांदी के सिक्कों की खरीद में अधिक रुचि दिखाई है।

आभूषण की बिक्री में 25 से 30 प्रतिशत की गिरावट

त्योहारों में आभूषण की बिक्री में 25 से 30 प्रतिशत की गिरावट हो सकती है, क्योंकि सोने की कीमतें रिकॉर्ड स्तर पर हैं। लेकिन सिक्के और गोल्ड बार खरीदने वाले ग्राहकों की संख्या में वृद्धि हुई है। कुल मिलाकर, देर रात तक देशभर में सोना और चांदी मिलाकर लगभग 50,000 करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान है। बॉम्बे बुलियन एसोसिएशन के प्रवक्ता का कहना है, धनतेरस पर सोने में 5000 रुपये तक की गिरावट देखी गई, जो कि ग्राहकों के लिए अच्छी खबर रही।

गोल्ड नहीं है इंवेस्टमेंट जोहो के फाउंडर श्रीधर वेम्बू ने सोने को लेकर कही बात

ई दिल्ली, एजेंसी। ीते एक साल के दौरान गोल्ड ने सबका ध्यान पनी तरफ खींचा है। सोने के भाव इस समय ातवें आसमान पर हैं। जिसकी वजह से जहां क तरफ कई निवेशक काफी उत्साहित हैं। तो ुछ इसी तेजी में काफी सतर्कता दिखा रहे हैं। स बीच धनतेरस के दिन जोफो के फाउंडर ौर चीफ साइंटिस्ट श्रीधर वेम्बू का बयान ोल्ड पर आया है। उन्होंने शनिवार को सोने ो लेकर कहा कि यह सिर्फ एक परंपरागत नवेश नहीं है। बल्कि सिस्टेमेटिक ाइनेंशियल रिस्क के बदले इंश्योरेंस है। ीधर वेम्बू का बयान ऐसे दिन आया है जब ड़ी संख्या में भारतीय धनतेरस के दिन सोना ख़रीदते हैं। भारतीय परिवारों में सोना खरीदना स दिन काफी शुभ माना जाता है। उनका यान मार्केट में तेजी के बीच आया है। एक्स र श्रीधर वेम्बू पोस्ट करते हैं, मुझे नहीं लगता है कि गोल्ड एक इंवेस्टमेंट है। मेरे अनुसार यह सिस्टेमेटिग फाइनेंशियल रिस्क के लिए इंश्योरेंस है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर बढ़ते कर्ज की वजह से फाइनेंशियल सिस्टम्स का विश्वास प्रभावित हो सकता है। ऐसी स्थिति में सोना एक सुरक्षित विकल्प रहेगा। वेम्बू आगे कहते हैं कि वित्तीय व्यवस्था बहुत हद तक विश्वास पर निर्भर है। ग्लोबल स्टेज पर डेट का उच्चतम स्तर तक जाना उस विश्वास के लिए अच्छा नहीं है। पिछले 12 महीने में गोल्ड की कीमतों में 63 प्रतिशत की तेजी आई है। बीते धनतेरस पर 10 ग्राम गोल्ड का भाव 78840 रुपये पर था। अब यह 1.30 लाख रुपये के करीब है। किसी निवेशक ने अगर पिछले साल धनतेरस पर 1 लाख रुपये का निवेश सोने में किया होगा उसे आज की तारीख में 63000 रुपये का फायदा हो चुका है।

भारत और यूरोपीय संघ के बीच होगी व्यापार वार्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। वाणिज्य व उद्योग मंत्री पीयूष गोयल भारत और यूरोपीय संघ के बीच मुक्त व्यापार समझौते के लिए चल रही बातचीत को गति देने के लिए इस महीने के अंत में ब्रुसेल्स का दौरा करेंगे। अधिकारी ने बताया कि मंत्री इस दौरान बर्लिन ग्लोबल डायलॉग में भाग लेने के लिए यूरोप में रहेंगे। यह आयोजन 23 अक्तूबर से 25 अक्तूबर के बीच होगा। इसके बाद, ब्रुसेल्स में यूरोपीय संघ के साथ व्यापार वार्ता होगी। गोयल यूरोपीय संघ के व्यापार आयुक्त मारोस सेफ्कोविक से मुलाकात करेंगे। गोयल की यह यात्रा दोनों पक्षों के बीच 6 अक्तूबर से 10 अक्तूबर तक हुई 14वें दौर की वार्ता के समापन के बाद हो रही है।

दिसंबर तक व्यापार वार्ता समाप्त करने का निर्णय: वाणिज्य सचिव राजेश अग्रवाल ने ब्रुसेल्स में यूरोपीय आयोग (ईसी) के व्यापार महानिदेशक (डीजी-ट्रेड) सबाइन वेयंड के साथ भी बातचीत की। दोनों पक्षों के बीच बातचीत बढ़ गई है क्योंकि उन्होंने दिसंबर तक वार्ता समाप्त करने का निर्णय लिया है।

गोयल न्यूजीलैंड के साथ करेंगे व्यापार वार्ता

यूरोप की अपनी यात्रा के बाद, गोयल न्यूजीलैंड जाएंगे। दोनों देशों ने मार्च में एक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू की थी और इस पर तीन दौर की वार्ता हो चुकी है। जून 2022 में, भारत और यूरोपीय संघ ने आठ वर्षों से अधिक के अंतराल के बाद एक व्यापक मुक्त व्यापार समझौते, एक निवेश संरक्षण समझौते और भौगोलिक संकेतकों पर एक समझौते पर बातचीत फिर से शुरू की। बाजारों को खोलने के स्तर पर मतभेदों के कारण यह बातचीत 2013 में रुक गई थी।

यूरोपीय संघ का बाजार भारत के कुल निर्यात का 17 प्रतिशत

यूरोपीय संघ के साथ भारत का द्विपक्षीय वस्तु व्यापार 2024-25 में 136.53 अरब डॉलर (75.85 अरब डॉलर का निर्यात और 60.68 अरब डॉलर का आयात) था। यह वस्तुओं के लिए सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार बन गया। यूरोपीय संघ का बाजार भारत के कुल निर्यात का लगभग 17 प्रतिशत है, और भारत को यूरोपीय संघ का निर्यात उसके कुल विदेशी निर्यात का 9 प्रतिशत है।

दिवाली के दिन खुला रहेगा शेयर बाजार

मुहूर्त ट्रेडिंग के टाइम में हुआ बदलाव

ई दिल्ली, एजेंसी। स बार दिवाली का त्योहार 20 अक्टूबर को नाया जाएगा। लेकिन इस दिन मुहूर्त ट्रेडिंग हीं होगी। इसकी वजह बीएसई और एनएसई ां दिवाली की छुट्टी की तारीख का अलग ना है। हर बार की तरह इस बार मुहूर्त ट्रेडिंग ी टाइमिंग में बदलाव हुआ है। पहले की रह इस बार मुहूर्त ट्रेडिंग शाम के बजाय ोपहर में होगी।

देश भर में दिवाली का त्योहार सोमवार 0 अक्टूबर को मनाया जाएगा। घरेलू शेयर ाजारों में इस दिन सामान्य कारोबार दिनों की रह ही ट्रेडिंग होगी। यानी मार्केट 9 बजे से .30 बजे तक सोमवार को खुला रहेगा। हीं, बीएसई और एनएसई के कैलेंडर में दिवाली का त्योहार 1 अक्टूबर को है। जिसकी वजह से इस दिन शेयर बाजार ाजाना की तरह नहीं खुलेगा।

इस बार मुहूर्त ट्रेडिंग 21 अक्टूबर 2025 को दिन में .45 बजे से 2.45 बजे तक मनाई जाएगी। यानी हर बार ी तरह इस बार रात्रि में मुहूर्त ट्रेडिंग की टाइमिंग नहीं है। ारी सर्कुलर के अनुसार 1.30पीएम से 1.45पीएम तक 5 मिनट के लिए प्री-ओपनिंग सेशन रहेगा। ट्रेडिंग 1.45 ...

... से 1.30 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। बता दें, क्लोजिंग सेशन 2.55 बजे से 3.05 बजे तक निर्धारित किया गया है। मुहूर्त ट्रेडिंग एक परंपरा है। इस दिन बड़ी संख्या में भारतीय परिवार शेयर बाजार में ट्रेडिंग करते हैं। उनका ध्यान बस निवेश का रहता है। इस दौरान इससे वो बहुत फायदा कमाने की तरफ ध्यान नहीं देते हैं। दूसरी तरफ कई निवेशक लॉन्ग टर्म के लिए इस दिन शेयरों को खरीदते हैं। बता दें, बीते कई साल का डाटा कहता है कि मुहूर्त ट्रेडिंग के दिन अमूमन शेयर बाजार में तेजी देखने को मिलती है।

, टीवी से लेकर वॉशिंग मशीन तक, सभी की मांग आसमान पर

रेकॉर्ड ब्रेकिंग फेस्टिवल... गाड़ी से लेकर गहनों तक

नई दिल्ली, एजेंसी। धनतेरस 2025 भारतीय खुदरा विक्रेताओं के लिए एक रेकॉर्ड-तोड़ त्योहार साबित हुआ। मारुति सुजुकी इंडिया के वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारी, मार्केटिंग और सेल्स, पार्थो बनर्जी ने बताया कि 50,000 से ज्यादा गाड़ियां बिकी। यह धनतेरस पर उनकी अब तक की सबसे ज्यादा बिक्री हुई।

लाखों गाड़ियों की बुकिंग: बनर्जी ने यह भी बताया कि 18 सितंबर को कीमतें कम करने के बाद से कंपनी को लगभग 4.5 लाख बुकिंग मिली हैं। इनमें छोटी कारों की बुकिंग एक लाख के करीब है और एक महीने में 3.25 लाख यूनिट की रिटेल डिलीवरी हुई है।

वहीं, हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड के एमडी और सीईओ नामित तरुण गर्ग ने कहा कि त्योहारी मांग बहुत अच्छी है। उन्हें 14,000 यूनिट्स की डिलीवरी की उम्मीद है, जो पिछले साल से 20 फीसदी ज्यादा है। पीटीआई के ...

... चाल त्योहारी माहौल, बाजार में तेजी और जीएसटी 2.0 सुधारों के सकारात्मक असर से आ रही है।

बड़े टीवी की बिक्री बढ़ी: कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियां भी बिक्री में जबरदस्त उछाल की रिपोर्ट कर रही हैं। पैनासोनिक लाइफ सॉल्यूशंस के डायरेक्टर संदीप सहगल ने बताया कि 1 अक्टूबर से 17 अक्टूबर के बीच 55 इंच या उससे बड़े टीवी की बिक्री में 4x टीवी की ...

... कुल मिलाकर टीवी और रूम एयर कंडीशनर की बिक्री पिछले साल के मुकाबले करीब 30 फीसदी बढ़ने की उम्मीद है।

हायर एप्लायंसेज इंडिया ने भी प्रीमियम प्रोडक्ट्स जैसे बड़े स्क्रीन वाले टीवी, साइड-बाय-साइड रेफ्रिजरेटर और फ्रंट-लोड वॉशिंग मशीनों की जबरदस्त मांग बताई है। उनकी बिक्री 50 फीसदी से ज़्यादा बढ़ने की उम्मीद है। कंपनियों का ...

... सर्विसेज टैक्स) में हालिया सुधारों ने भी इसमें मदद की है। इन सुधारों से इलेक्ट्रॉनिक्स और जरूरी सामानों पर टैक्स कम हुआ है, जिससे लोगों के पास खर्च करने के लिए ज्यादा पैसे बचे हैं। ज्वैलरी (गहने) बेचने वालों ने भी अच्छी त्योहारी बिक्री देखी है। तनिष्क के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अरुण ने बताया कि 2 लाख रुपये से ज्यादा के निवेश वाले गहनों से लेकर हल्के गहनों और सोने के सिक्कों तक की खरीदारी हुई है। बड़े शहरों के साथ-साथ छोटे शहरों (टियर-2 और टियर-3) में भी मांग अच्छी रही। कामा ज्वेलरी के एमडी कॉलिन शाह ने कहा कि धनतेरस पर गहनों की बिक्री में शानदार उछाल देखा गया। सोने के दाम आसमान छूने के बावजूद लोगों ने जमकर खरीदारी की। अनुकूल आर्थिक माहौल और जीएसटी सुधारों के चलते ग्राहकों की तरफ से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली। खास तौर पर, युवा पीढ़ी में हल्के वजन के गहनों ...

वर्ल्ड जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप

तन्वी शर्मा जूनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचीं, चीनी खिलाड़ी को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। फाइनल में तन्वी का मुकाबला अब थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त अन्यापत पिचिटप्रीचसाक से होगा। पिचिटप्रीचसाक ने दूसरे सेमीफाइनल में हमवतन यातावीमिन केतक्लियेंग को एक गेम से पिछड़ने के बाद 10-15, 15-11, 15-5 से हराकर वापसी की। भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त तन्वी शर्मा ने बीडब्ल्यूएफ विश्व जूनियर चैंपियनशिप में

शानदार प्रदर्शन जारी रखा। तन्वी ने चीन की लियू सी या के खिलाफ दमदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में अपनी जगह पक्की की। 16 साल की तन्वी ने अपनी प्रतिद्वंद्वी पर 15-11, 15-9 से जीत दर्ज की। वह इस तरह इस टूर्नामेंट के फाइनल में क्वालिफाई करने वाली पूर्व विश्व नंबर एक साइना नेहवाल और अपर्णा पोपट के बाद केवल तीसरी भारतीय महिला खिलाड़ी बन गईं।

फाइनल में पिचिटप्रीचसाक से होगा सामना- फाइनल में तन्वी का मुकाबला अब थाईलैंड की दूसरी वरीयता प्राप्त अन्यापत पिचिटप्रीचसाक से होगा। पिचिटप्रीचसाक ने दूसरे सेमीफाइनल में हमवतन यातावीमिन केतक्लियेंग को एक गेम से पिछड़ने के बाद 10-15, 15-11, 15-5 से हराकर वापसी की। तन्वी ने 17 साल में पहली बार विश्व जूनियर चैंपियनशिप में भारत के लिए पदक सुनिश्चित किया था। सेमीफाइनल मुकाबले में उन्होंने ली के खिलाफ शुरुआत से ही अपने शानदार खेल का लोहा मनवाया। उन्होंने कोर्ट के अगले हिस्से शानदार इस्तेमाल करते हुए चीन की खिलाड़ी पर दबाव बना दिया। भारतीय खिलाड़ी ने शुरुआती गेम में 7-3 की बढ़त बना ली और हालांकि लियू एक समय पर अंतर को 8-7 तक कम करने में कामयाब रहीं, लेकिन तन्वी पर इसका कोई खास असर नहीं पड़ा।

गोल्फ आप किसी भी उम्र में खेल सकते हैं :कपिल देव

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान कपिल देव ने कहा है कि गोल्फ बेहद कठिन खेल है। कपिल इन दिनों गोल्फ में सक्रिय हैं। एनडीटीवी गोल्फ प्रो-एम लॉन्च कार्यक्रम के दौरान कपिल देव ने कहा कि कई लोग गोल्फ को एक साधारण खेल मानते हैं, लेकिन लक्ष्य छोटा होने के कारण गोल्फ क्रिकेट से भी कठिन खेल है। गोल्फरों को बेहद अच्छे मार्जिन के साथ काम करना पड़ता है, जिससे खेल कहीं अधिक चुनौतीपूर्ण हो

जाता है। कपिल देव प्रोफेशनल गोल्फ टूर ऑफ इंडिया (पीजीटीआई) के अध्यक्ष हैं।

पूर्व भारतीय कप्तान ने कहा कि गोल्फ का प्रशिक्षण भी काफी कठिन होता है। 90 प्रतिशत खिलाड़ी प्रशिक्षण के शुरुआती 15 दिनों के अंदर ही खेल छोड़ देते हैं। गोल्फ पर विस्तार से जिक्र करते हुए कपिल देव ने कहा, लक्ष्य जितना छोटा होगा, खेल उतना ही कठिन होगा। क्रिकेट में, आप 360 डिग्री तक हिट कर सकते हैं और फिर भी स्कोर कर सकते हैं। गोल्फ में, थोड़ी सी चूक आपको खेल से बाहर कर देती है।

उन्होंने कहा कि गोल्फ में हार के बाद निराशा में लोग खेल छोड़ देते हैं। मैं चाहता हूं कि प्रतियोगी जीतें और गोल्फ कोर्स में वापस आएं। खुद को अभिव्यक्त करें और खेल का आनंद लें। यही सबसे महत्वपूर्ण बात है। कपिल देव ने कहा, आपको क्रिकेट के मैदान पर हरियाली नहीं मिलती। गोल्फ एक ऐसा खेल है जिसे आप किसी भी उम्र में खेल सकते हैं। एक क्रिकेटर या फुटबॉलर के लिए 50 साल की उम्र में गेंदबाजी करना या दौड़ना बहुत मुश्किल है। यहां, आप अपने पिता, अपने पोते-पोतियों, अपने दोस्तों, अपनी पत्नी के साथ खेल सकते हैं।

100 से लेकर 500 मैच तकः रोहित शर्मा ने किया क्या?

रोहित शर्मा ने अपने 100वें इंटरनेशनल मैच में 15 रन बनाए थे. 200वें मैच में उन्होंने 21 रन बनाए. 300वें मैच में 8 रन उन्होंने बनाए. रोहित का 400वां इंटरनेशनल मैच टेस्ट था, जिसकी पहली पारी में उन्होंने 15 रन जबकि दूसरी पारी में 46 रन बनाए थे. वहीं 500वें मैच में उन्होंने 8 रन बनाए. अब अगर इंटरनेशनल करियर के माइलस्टोन मुकाबलों में रोहित शर्मा के बनाए रनों को जोड़ दें तो उन्होंने 6 पारियों में सिर्फ 113 रन बनाए हैं. रनों का ये आंकड़ा जाहिर सी बात है कि रोहित शर्मा के मिजा से मेल खाता नहीं दिख रहा.

ना 100 में, ना 400 में...

रोहित शर्मा रहे 500 में भी फेल

...फिर वही हुआ जो 200 मैच पहले हुआ था

नई दिल्ली, एजेंसी। कमबैक मैच में पहला रन बनाना छोड़िए, उन्होंने पर्थ के मैदान पर उतरते ही इतिहास रचा. लेकिन, उस ऐतिहासिक मैच में हुआ क्या? ना 100 में, ना 400 मेंज रोहित शर्मा 500 में भी फेल हो गए. अब आप सोच रहे होंगे कि ये 100, 400, 500 है क्या? तो ये उन मुकाबलों के नंबर हैं, जो रोहित शर्मा के इंटरनेशनल करियर से जुड़े हैं. पर्थ वनडे रोहित शर्मा के करियर का 500वां इंटरनेशनल मैच था. लेकिन, उनके साथ इस मैच में भी वही घटना घट गई, जो 200 मैच पहले दिखी थी.

फिर वही हुआ, जो 200 मैच पहले हुआ था

500वें इंटरनेशनल मैच में 8 रन बनाने वाले रोहित शर्मा, 200 मैच पहले यानी अपने करियर के 300वें मैच में भी 8 रन बनाकर आउट हुए थे.

रोहित शर्मा 500वें मैच में भी फेल

सीधी भाषा में कहें तो रोहित शर्मा का बल्ला ना तो उनके इंटरनेशनल करियर के 100वें मैच में चला है. ना ही 200वें मैच में. 300वें, 400वें और अब अपने 500वें मैच में भी वो फेल रहे हैं. रोहित शर्मा ने पर्थ वनडे में 14 गेंदों का सामना कर 1 चौके के साथ सिर्फ 8 रन बनाए.

इंटरनेशनल करियर के 100, 200, 300, 400 और 500वें मैच में वो किसी में भी शतक तो दूर अर्धशतक नहीं लगा सके. इस दौरान उनका जो सबसे बेस्ट स्कोर रहा वो 46 रन का था.

पूर्व वर्ल्ड नंबर-1 पहलवान सरिता मोर करेंगी कमबैक

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के सोनीपत की पूर्व विश्व नंबर-1 रेसलर सरिता मोर जल्द ही मैट पर वापसी करना चाहती हैं। 7 अक्टूबर को ही उन्होंने बेटे को जन्म दिया। अभी बेटे का नामकरण नहीं हुआ है। एक सप्ताह बाद ही सरिता फिटनेस पर ध्यान देने लगी हैं। पति राहुल मान खुद इंटरनेशनल रेसलर व सरिता के कोच हैं। राहुल बताते हैं कि सरिता करीब 40 दिन रीति-रिवाज पूरे करने के बाद परिवार की सहमति से ट्रेनिंग शुरू करेंगी। वहीं सरिता कहती हैं कि जब मैरी कॉम मां बनने के बाद बॉक्सिंग में 3 बार विश्व चैंपियन बन

सकती हैं, तो मैं क्यों नहीं। 7 अक्टूबर को सरिता ने सोशल मीडिया पर बेटे के जन्म की जानकारी साझा करते हुए लिखा था- नई जर्नी शुरू...वेलकम टू द वर्ल्ड, अवर बेबी ब्वाय। अब बेटे के जन्म के बाद सरिता एक नई जंग की तैयारी कर रही हैं- मैट पर वापसी की। पति राहुल मान ने दैनिक भास्कर एप से बातचीत में कहा- प्रसवोत्तर समय पूरा होने के बाद सरिता कुश्ती में दोबारा उतरेंगी। उनका लक्ष्य ओलिंपिक और वर्ल्ड चैंपियनशिप में देश के लिए पदक जीतना है।

रिशाद हुसैन ने रचा इतिहास

वेस्टइंडीज के खिलाफ झटके 6 विकेट

नई दिल्ली, एजेंसी। बांग्लादेश के युवा लेग स्पिनर रिशाद हुसैन ने शनिवार को मीरपुर के शेर-ए-बांग्ला स्टेडियम में वेस्टइंडीज के खिलाफ पहले वनडे में ऐसा कमाल किया, जो बांग्लादेश क्रिकेट के इतिहास में दर्ज हो गया। रिशाद ने सिर्फ 35 रन देकर 6 विकेट हासिल किए जो किसी भी बांग्लादेशी स्पिनर का वनडे क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनकी घातक गेंदबाजी ने वेस्टइंडीज की पूरी टीम को 133 रनों पर ढेर कर दिया, जिससे मेजबान टीम ने 74 रनों की शानदार जीत दर्ज कर तीन मैचों की सीरीज़ में 1-0 की बढ़त बना ली।

मैच के बाद बातचीत में रिशाद ने कहा, मैं अपनी प्रक्रिया पर अडिग रहा। शुरू के कुछ ओवरों में लय पकड़ने में दिक्कत हुई, लेकिन जल्दी ही मैं अपने रिदम में लौट आया। उन्होंने आगे कहा कि वह हमेशा टीम के लिए तीनों विभागों गेंदबाजी, बल्लेबाजी और फील्डिंग में योगदान देने की कोशिश करते हैं। रिशाद ने कहा, मुझे विश्वास है कि अल्लाह हमेशा टीम के लिए कुछ अच्छा करने का रास्ता जरूर दिखाते हैं।

बल्ले से भी दिखाया दम

रिशाद ने सिर्फ गेंद से ही नहीं, बल्ले से भी अपनी काबिलियत साबित की। उन्होंने 13 गेंदों में 26 रन ठोके, जिसमें एक चौका और दो शानदार छक्के शामिल थे। उनकी इस तेज़ पारी ने बांग्लादेश को 200 के पार पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कहा, झे पता है कि टीम मुझसे बल्लेबाज़ी में क्या उम्मीद रखती है। अगर मेरा योगदान टीम को 180 से 210 या 215 के स्कोर तक ले जा सकता है, तो यह बहुत अच्छा है।

करियर बेस्ट प्रदर्शन

रिशाद का यह स्पेल बांग्लादेश के वनडे इतिहास में किसी भी स्पिनर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। उनसे बेहतर आंकड़े सिर्फ दो गेंदबाजों मशरफे मुर्तजा (6/26 बनाम केन्या, 2006) और रुबेल हुसैन (6/26 बनाम न्यूजीलैंड, 2013) के नाम हैं। इससे पहले 12 वनडे मैचों की 10 पारियों में उन्होंने 16.75 की औसत से 134 रन बनाए थे और गेंद से निरंतर सुधार दिखाया था।

मैच का पूरा हाल

वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाज़ी चुनी। बांग्लादेश की ओर से तौहीद हृदॉय (51 रन) और महिदुल इस्लाम अंकोन (46 रन) ने संभली हुई पारियां खेलीं। रिशाद की आतिशी बल्लेबाज़ी की बदौलत टीम 49.4 ओवर में 207 रन तक पहुंची। जवाब में वेस्टइंडीज की शुरुआत ठीक रही, ब्रैंडन किंग (44 रन) और एलिक अथानाजे (27 रन) ने 51 रनों की साझेदारी की। लेकिन इसके बाद रिशाद की फिरकी ने सब कुछ पलट दिया।

स्मृति मंधाना बनेंगी दुल्हनिया?

शादी को लेकर मंगेतर ने दिया जवाब, कहा- जल्दी बनेंगी इंदौर की बहू...

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की उपकप्तान और स्टार बैटर स्मृति मंधाना जल्द ही दुल्हनिया बनने जा रही हैं। दरअसल भारत-इंग्लैंड के बीच महिला वर्ल्ड कप 2025 में होने वाले मैच से पहले उनके मंगेतर पलाश मुच्छल ने एक बड़ा खुलासा किया है। उन्होंने शनिवार को इंदौर में मीडिया से बात करते हुए कहा, कि वह (स्मृति मंधाना) जल्दी इंदौर की बहू बनेंगी। उनके इस बयान के बाद यह खबर सोशल मीडिया ही नहीं बल्कि पूरे खेल जगत में आग की तरह फैल गई। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के लिए डेब्यू करने के बाद से ही स्मृति को नेशनल क्रश की उपाधि मिल गई थी। उनके खेल के साथ उनके लुक और सुंदरता के भी चर्चे हर जगह थे। वहीं पिछले साल से कई बार लगातार उनको और पलाश मुच्छल को एक साथ देखा जा रहा था। इंस्टाग्राम पोस्ट में दोनों की करीबी फोटोज सामने आई थीं। अब इस बयान ने रिलेशनशिप को तो पलाश ने कंफर्म कर ही दिया बल्कि शादी की खबर को भी पुख्ता कर दिया है। अगर पलाश की बात करें तो वह पेशे से म्यूजिक डायरेक्टर हैं।

उनका जन्म 1995 में इंदौर में ही हुआ था। उनका परिवार भी वहीं रहता है। अब वह एक फिल्म बना रहे हैं 'राजू बाजे वाला'। वह इस फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में इंदौर पहुंचे हैं। इसी दौरान उन्होंने मीडिया से बात की और अपना बयान शादी को लेकर जारी किया। साथ ही उन्होंने महिला वर्ल्ड कप 2025 के मैच से पहले भारतीय महिला क्रिकेट टीम और कप्तान हरमनप्रीत कौर को भी शुभकामनाएं दीं।

सुल्तान जोहोर कप

सुल्तान जोहोर कप के फाइनल में भारतीय टीम को मिली मात, ऑस्ट्रेलिया ने 2-1 से हराकर जीता खिताब

नई दिल्ली, एजेंसी। सुल्तान जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट के रोमांचक फाइनल में भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। सुल्तान जोहोर कप हॉकी टूर्नामेंट के रोमांचक फाइनल में भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम को शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के हाथों 1-2 से हार का सामना करना पड़ा। आखिरी मिनटों में भारत के पास बराबरी का शानदार मौका था, लेकिन टीम छह पेनल्टी कॉर्नर को गोल में नहीं बदल सकी।

ग्रोब्बेलार ने दिलाई निर्णायक बढ़त- तीन बार की चैंपियन भारतीय टीम मैच की शुरुआत में अच्छी लय में दिखी, लेकिन 13वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया के इयान ग्रोब्बेलार ने ड्रैग फ्लिक के जरिए गोल दागकर अपनी टीम को बढ़त दिलाई। भारत ने दूसरे क्वार्टर में वापसी की और 17वें मिनट में अनमोल एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदलकर स्कोर 1-1 कर दिया। तीसरा क्वार्टर गोलरहित रहा, जिससे मुकाबला अंतिम क्वार्टर तक बराबरी पर था। खेल के 59वें मिनट में ऑस्ट्रेलिया को पेनल्टी कॉर्नर मिला और ग्रोब्बेलार ने एक बार फिर गोल कर अपनी टीम को 2-1 की निर्णायक बढ़त दिला दी।

गोलकीपर मैग्नस मैककॉसलैंड ने किया बेहतरीन बचाव- अंतिम मिनट में भारत को लगातार छह पेनल्टी कॉर्नर मिले, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के गोलकीपर मैग्नस मैककॉसलैंड ने बेहतरीन बचाव करते हुए भारत की बराबरी की उम्मीदों को नाकाम कर दिया।

38 की उम्र में भी जादू बिखेर रहे लियोनेल मेसी

हैट्रिक जड़कर जीता स्स्स 2025 का गोल्डन बूट

नई दिल्ली, एजेंसी। लियोनेल मेसी ने मेजर सॉकर लीग (एमएलएस) में अपने करियर की दूसरी हैट्रिक बनाई, जिससे इंटर मियामी ने नैशविले एससी पर 5-2 से जीत हासिल की। मेसी एमएलएस के वर्तमान सत्र में अभी तक 29 गोल कर चुके हैं और वह इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2025 एमएलएस सीजन का गोल्डन बूट जीत लिया है। पिछली बार उन्होंने इंटर मियामी की न्यू इंग्लैंड रेवोल्यूशन पर 6-2 की जीत में हैट्रिक बनाई थी। इंटर मियामी के डिफेंडर इयान फ्रे ने कहा, 'यह बिल्कुल स्पष्ट है कि वह (मेसी) हर मैच में हमारी जीत में अहम भूमिका निभाते हैं। उनकी प्रशंसा करने के लिए मेरे पास पर्याप्त शब्द नहीं हैं।

34 मिनट पर दागा था मेसी ने पहला गोल- लियोनेल मेसी ने अपना पहला गोल 34वें मिनट पर दागा था। इसके बाद दूसरा गोल उन्होंने 63वें मिनट पर पेनल्टी से किया। इसके बाद 81वें मिनट पर मेसी ने तीसरा गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। इसके अलावा इंटर मियामी के लुए बाल्तासार रोड्रिगेज ने 67वें मिनट पर गोल किया। वहीं तेलास्को सेगोविया ने 90 प्लस 1 मिनट पर इंटर मियामी के लिए पांचवां और आखिरी गोल किया।

चेन्नईयिन एफसी ने क्लिफोर्ड मिरांडा को हेड कोच नियुक्त किया

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नईयिन एफसी ने क्लिफोर्ड मिरांडा को अपना नया हेड कोच नियुक्त किया है। टीम की ओर से इसकी घोषणा शनिवार को हुई। ओवेन कॉयल की जगह लेने वाले मिरांडा क्लब के पहले भारतीय मुख्य कोच बने हैं। 25 अक्टूबर से अपने गृह राज्य गोवा में शुरू होने वाले एआईएफएफ सुपर कप में बतौर हेड कोच यह उनकी पहली नियुक्ति है। चेन्नईयिन को इंडियन सुपर लीग (आईएसएल) की अन्य टीमों मोहन बागान सुपर जायंट, ईस्ट बंगाल एफसी और डेम्पो एससी के साथ एक मुश्किल ग्रुप में रखा गया है, जिन्हें घरेलू मैदान पर खेलने का फायदा मिलेगा। चेन्नयिन एफसी और कॉयल इस साल की शुरुआत में आपसी सहमति से अलग हो गए थे। स्कॉटिश मैनेजर कॉयल आईएसएल के सबसे सफल खिलाड़ियों में से एक थे, जिन्होंने इससे पहले जमशेदपुर एफसी के साथ आईएसएल शील्ड जीता।

अब क्लिफोर्ड मिरांडा क्लब की किस्मत बदलने की कोशिश करेंगे। एआईएफएफ सुपर कप उनके लिए अपनी छाप छोड़ने का एक अच्छा मौका है। 2024-25 सीजन में, कॉयल की कोचिंग में चेन्नईयिन एफसी 24 मैचों में केवल सात जीत के साथ 11वें स्थान पर रही थी।

सितारों की इको फ्रेंडली दिवाली

पटाखे नहीं फोड़ेंगी सुनीता आहूजा, पहाड़ों पर जाएंगी नीना अमृता का खास अंदाज

दिवाली के त्योहार की तैयारियां शुरू हो गई हैं। बॉलीवुड सितारे भी इस पर्व के जश्न में डूबे हैं। हाल ही में अभिनेता गोविंदा की पत्नी सुनीता आहूजा और अभिनेत्री नीना गुप्ता ने अपने दिवाली योजनाओं के बारे में बात की है। जानिए उन्होंने क्या कहा। दिवाली का त्योहार बस कुछ दिनों में दस्तक देने वाला है। इस त्योहार की तैयारियों में पूरा भारत व्यस्त है। इस कड़ी बॉलीवुड के सितारे भी बिल्कुल पीछे नहीं हैं। अभिनेत्री नीना गुप्ता ने बताया कि वह इसबार पहाड़ों में जाएंगी। वहीं सुनीता आहूजा ने परिवार के साथ दिवाली मनाने की बात कही है। पढ़िए पूरी खबर।

पहाड़ों में मनाएंगी दिवाली

बात करते हुए नीना गुप्ता ने अपने दिवाली योजना का जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'मैं दिवाली बहुत खास तरीके से मना रही हूं, क्योंकि मैं पहाड़ों में मुक्तेश्वर स्थित अपने घर जा रही हूं। वहां हमारे पांच-छह पड़ोसी एक छोटी सी पार्टी में होंगे। हम साथ में खाएंगे, पिएंगे और खूब मस्ती करेंगे।

बिना पटाखों के दिवाली मनाएंगी गोविंदा की पत्नी

बॉलीवुड अभिनेता गोविंदा की पत्नी ने कहा, 'हम घर पर दीये जलाएंगे और देवी लक्ष्मी की पूजा करेंगे। हम परिवार के साथ खुशी से जश्न मनाएंगे। हम आतिशबाजी नहीं जलाएंगे क्योंकि मुझे कुत्ते बहुत पसंद हैं।'

गोविंदा की बेटी ने भी बताया दिवाली का प्लान

सुनीता आहूजा की बेटी टीना आहूज ने परिवार की दिवाली की परंपराओं के बारे में बात करते हुए कहा कि आहूजा परिवार हमेशा देवी लक्ष्मी की पूजा करके त्योहार की शुरुआत करता है। इस साल वह रंग-बिरंगी रंगोली बनाने वाली हैं। यह बताते हुए उन्होंने कहा, हमारे परिवार की परंपरा है कि घर पर देवी लक्ष्मी की पूजा की जाती है और हम ढेर सारी मिठाइयां लाते हैं। कई दोस्त आते हैं। पटाखे नहीं जलाएँगे, इस साल मैं रंगोली और दीयों के डिजाइन बनाऊंगी।

ईशा गुप्ता का शानदार फेस्टिव फैशनः

दिवाली 2025 के लिए आपका परफेक्ट स्टाइल गाइड

इस दिवाली, अपने फेस्टिव वार्डरोब को बॉलीवुड की खूबसूरत और दिलकश अदाकारा ईशा गुप्ता की प्रेरणा से चमकदार बनाएं और परंपरा के साथ आधुनिक ग्लैमर का खूबसूरत संगम नज़र आएं। रेशमी साड़ियों से लेकर झिलमिलाते मेटैलिक लुक तक, उनके हर आउटफिट में इस मौसम की शान, रॉयल्टी और रिफाइनमेंट झलकती है। आइए नज़र डालते हैं ईशा गुप्ता के शानदार लुक्स पर, जो आपके दिवाली सेलिब्रेशन में टाइमलेस एलेगेंस और मॉडर्न चार्म जोड़ देंगे।रॉयल पर्पल सिल्क साड़ी में दिखें ईशा की तरह एलिगेंटः अपने पहले लुक में, ईशा रॉयल पर्पल सिल्क साड़ी में बेहद एलिगेंट दिख रही हैं, जिसे सिल्वर बॉर्डर और मैचिंग एम्बेलिश्ड ब्लाउज़ के साथ पेयर किया गया है। मिनिमल लेकिन प्रभावशाली एमराल्ड ज्वेलरी और सॉफ्ट मेकअप उनके लुक को लक्ज़री का खूबसूरत उदाहरण बना रहे हैं। विशेष रूप से हरे-भरे बैकड्रॉप के बीच वह ऐसे नजर आती हैं जैसे तारों भरी रात में जगमगाती दिवाली की शान। पेस्टल टोन की हैवी एम्ब्रॉयडर्ड लहंगे में दिखें रॉयलः दूसरे लुक में ईशा पेस्टल टोन की हैवी एम्ब्रॉयडर्ड लहंगा में नज़र आ रही हैं, जिस पर खूबसूरत फ्लोरल डिटेलिंग और गोल्डन ज्वेलरी की लेयरिंग की गई है। कुंदन और पोल्की नेकलेस सेट, स्लीक बन और सटल ग्लैम मेकअप के साथ यह लुक रॉयल ग्रेस का प्रतीक है। यह ग्रैंड और ग्रेसफुल लुक पारिवारिक उत्सवों और फेस्टिव गेदरिंग्स के लिए परफेक्ट है। ब्लश-गोल्ड एम्ब्रॉयडर्ड साड़ी में सबको करें मंत्रमुग्धः तीसरे लुक में ईशा ब्लश-गोल्ड एम्ब्रॉयडर्ड साड़ी में बेहद मंत्रमुग्ध कर देने वाली लग रही हैं, जिस पर सीक्विन और थ्रेडवर्क की चमक खूबसूरती से झलकती है। स्टेटमेंट पर्ल ज्वेलरी और टॉस्ल्ड हेयर उनके लुक में रोमांटिक टच जोड़ते हैं। उनका कॉन्फिडेंट एक्सप्रेशन और एथरियल चार्म दिवाली की असली भावना यानी रॉयल, रेडिएंट और रेस्प्लेंडेंट को खूबसूरती से दर्शाता है।

मैंने अपने कच्चेपन को मेहनत और अनुभव से पीछे छोड़ दियाः कंवर ढिल्लों

टेलीविजन की दुनिया में कई कलाकार आते हैं, लेकिन कुछ ऐसे होते हैं जो अपनी मेहनत, लगन और आत्मविश्वास से एक खास मुकाम हासिल कर लेते हैं। ऐसे ही एक कलाकार हैं कंवर ढिल्लों, जिन्होंने महज 18 साल की उम्र में टीवी इंडस्ट्री में कदम रखा था। आज, एक दशक से भी ज्यादा का अनुभव लेकर वह अपने काम से लाखों दर्शकों के दिलों में जगह बना चुके हैं।आईएएनएस से इंटरव्यू के दौरान कंवर ने अपने अब तक के सफर पर खुलकर बात की और बताया कि कैसे वक्त के साथ उन्होंने खुद को हर शो से बेहतर बनाया और अपनी पहचान मजबूत की। कंवर ने कहा, जब मैंने अपने करियर की शुरुआत की थी, तब मैं बिल्कुल नया था और बहुत कुछ सीखने की कोशिश कर रहा था। मैंने हर सेट, हर किरदार, हर निर्देशक से कुछ न कुछ सीखा है। मैं शुरुआत में सब कुछ देखकर, समझकर ही आगे बढ़ता था। मेरा सबसे बड़ा गुरु मेरा खुद का सफर रहा है। उन्होंने कहा, मैंने हमेशा चलते-फिरते सीखा है। हर शो ने मुझे कुछ नया सिखाया है। अब जो मैं हूं, वह उस शुरुआती दौर के कंवर से बिल्कुल अलग है। तब मैं बहुत कच्चा था, अनुभव नहीं था, लेकिन आज मैंने उस कच्चेपन को मेहनत और अनुभव से पीछे छोड़ दिया है। उन्होंने बताया कि उनके निभाए गए किरदारों ने उन्हें केवल अभिनय में ही नहीं, बल्कि निजी जिंदगी में भी बहुत कुछ सिखाया। पेशेवर तौर पर हर रोल ने उन्हें आत्मविश्वास, पहचान और अवसर दिए। साथ ही, उन्होंने इंसान के तौर पर भी खुद को पहले से ज्यादा समझदार और जमीन से जुड़ा पाया।

युवा पीढ़ी को पूरे मन से अपने जुनून को फॉलो करना चाहिए

अभिनेता अजय देवगन हाल ही में बॉलीवुड के उभरते अभिनेताओं को सुझाव देते दिखे। अजय देवगन ने नए उभरते सितारों को सलाह दी है कि वे अपना पैशन फॉलो करें और खुद पर यकीन बनाए रखें। एक्टर ने कहा, वे पूरे दिल से अपने जुनून का अनुसरण करें। डर और सेल्फ डाउट को अपने लक्ष्य पर हावी न होने दें। बता दें कि अजय देवगन की फिल्म दे दे प्यार दे 2 का ट्रेलर रिलीज हो चुका है, जो काफी दिलचस्प है। उनकी यह रोमांटिक कॉमेडी फिल्म इस साल बाल दिवस पर यानी 14 नवंबर को सिनेमाघरों में दस्तक देगी। अजय देवगन के अलावा इस सीक्वल फिल्म में रकुल प्रीत सिंह, आर माधवन, मीजान जाफरी और जावेद जाफरी भी अहम भूमिकाओं में हैं। फिल्म का निर्देशन अंशुल शर्मा ने किया है। इसे टी-सीरीज फिल्म्स के बैनर तले लव रंजन और तरुण जैन प्रोड्यूस कर रहे हैं। फिल्म की स्टारकास्ट फिल्म के ट्रेलर लॉन्च के लिए दिल्ली पहुंची। इस मौके पर अजय देवगन ने फिल्म इंडस्ट्री में तीन दशकों से ज्यादा समय तक काम करने के बाद बॉलीवुड में प्रासंगिक बने रहने का अपना सूत्रा शेयर किया।

हिंदू परिवार में शादी करने पर ट्रोल हुईं सारा खान

हाल ही में 'बिदाई' फेम टीवी एक्ट्रेस सारा खान दूसरी बार शादी के बंधन में बंधीं। आठ अक्टूबर को एक्ट्रेस ने एक्टर-प्रोड्यूसर कृष पाठक संग रजिस्टर्ड मैरिज किया है। हालांकि, दूसरे धर्म में शादी करने की वजह से सारा को ऑनलाइन ट्रोलिंग का सामना करना पड़ रहा है। अब सारा के सपोर्ट में उनके ऑन स्क्रीन पति एक्टर अंगद हसीजा ने चुप्पी तोड़ी है। अंगद ने अपनी दोस्त को सपोर्ट करते हुए इंडिया फोरम से कहा- 'सारा को शादी बहुत ही सिंपल तरीके से करनी थी। उसकी हमेशा से चाहत थी। तो बस उसका परिवार और मैं अकेला दोस्त वहां मौजूद था। 18 साल की जान पहचान में आप दोस्त नहीं परिवार बन जाते हैं। उसका पार्टनर बहुत अच्छा है। सास बहुत अच्छी है। उन्होंने सारा को बहुत प्यारा से अपनाया है। वो बहुत जल्द ही धूमधाम से शादी करेगी।' वहीं, शादी की वजह से सारा की ट्रोलिंग पर एक्टर ने कहा- अब वक्त बदल गया है। लोग अपग्रेड हो गए हैं और उनकी सोच बदल गई है। मुझे नहीं लगता कि किसी को कास्ट को लेकर फर्क पड़ता है। पहले का वक्त चला गया है। मेरे लिए ये बहुत फनी सी बात है। बता दें कि ट्रोलिंग को लेकर सारा ने भी ट्रोलर्स को करारा जवाब दिया था। उन्होंने एक वीडियो मैसेज के जरिए कहा था- 'कृष और मैं अलग-अलग संस्कृतियों से हैं लेकिन हमारा मानना है कि हमारे धर्मों ने हमें प्रेम करना सिखाया है। हमारे परिवारों ने हमें सबसे पहले दूसरों का सम्मान करना सिखाया है। हम भी यही मानते हैं और एक जैसा सोचते हैं। मैं शुभचिंतकों को उनके प्यार के लिए धन्यवाद देना चाहती हूं और साथ ही उन निगेटिव टिप्पणियों को भी संबोधित करना चाहती हूं, जिन्हें बहुत सीखने की जरूरत है। कोई भी धर्म आपको किसी अन्य धर्म या विश्वास को नीचा दिखाना या किसी का अनादर करना नहीं सिखाता है।

धन पिशाचनी सोनाक्षी सिन्हा तो शिल्पा शिरोडकर बनीं लालची औरत

महेश बाबू ने फिल्म जटाधारा का ट्रेलर लॉन्च किया है। इसमें सोनाक्षी सिन्हा, सुधीर बाबू, दिव्या खोसला, शिल्पा शिरोडकर अहम भूमिका में हैं। भूत-पिशाच, काला जादू और लालच से भरी ये फिल्म 7 नवंबर को रिलीज होगी।

तेलुगू एक्टर महेश बाबू ने अपकमिंग फिल्म जटाधारा का ट्रेलर शुक्रवार, 17 अक्टूबर को डिजिटली लॉन्च किया। वेंकट कल्याण की डायरेक्टेड इस थ्रिलर मूवी में सुधीर बाबू और सोनाक्षी सिन्हा लीड रोल में हैं। वहीं, दिव्या खोसला और शिल्पा शिरोडकर भी अहम भूमिका में दिखाई देंगे। फिल्म के ट्रेलर की बात करें तो वो दर्शकों एक अलग दुनिया से रूबरू करवाता है। साथ ही एक ऐसी कहानी की झलक मिलती है जहां काला जादू एक शक्तिशाली शक्ति है। इस फिल्म में सोनाक्षी सिन्हा धन पिशाचिनी का किरदार निभा रही हैं, जो सोने के आभूषणों से लदी हुई हैं। मूवी की कहानी भी पिशाचिनी की ईर्द-गिर्द धूमती है, जो सदियों से एक सोने के खजाने की रखवाली करती है। जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, खजाने की खोज से शुरू हुआ सफर खतरों, श्रापों से भरे एक सफल में बदल जाता है। शिल्पा शिरोडकर एक लालची महिला के रूप में नजर आती हैं तो सुधीर बाबू भूत-प्रेत में भरोसा न करने वाले किरदार को निभाते दिखते हैं। घोस्ट हंटर बनकर वह सोनाक्षी के किरदार से पंगा ले लेते हैं। फिर जो होता है वो फिल्म के रिलीज पर ही पता चलेगा।

फिल्म जटाधारा की रिलीज डेट

डायरेक्टर ने इस फिल्म के जरिए पुरानी परंपराओं को दिखाने का प्रयास किया है। जटाधारा जी स्टूडियोज और प्रेरणा अरोड़ा ने प्रोड्यूस किया है। फिल्म के निर्माता उमेश कुमार बंसल, शिविन नारंग, अरुणा अग्रवाल, प्रेरणा अरोड़ा, शिल्पा सिंघल और निखिल नंदा हैं, जबकि अक्षय केजरीवाल और कुसुम अरोड़ा सह-निर्माता हैं। टीम में क्रिएटिव प्रोड्यूसर दिव्या विजय और सुपरवाइजिंग प्रोड्यूसर भाविनी गोस्वामी भी शामिल हैं। संगीत और साउंडस्केप जी म्यूजिक कंपनी द्वारा क्यूरेट किया गया है।

मेनोपॉज पर बेस्ड पर फिल्म मी नो पॉज मी प्ले में काम्या पंजाबी निभा रही हैं लीड किरदार

टीवी इंडस्ट्री की जानी-मानी अभिनेत्री और लंबे समय से टेलीविजन पर अपनी दमदार एक्टिंग से दर्शकों का दिल जीतने वाली काम्या पंजाबी ने अभिनय की नई मिसाल पेश करते हुए मेनोपॉज जैसे विषय पर बेस्ड एक ऐसी फिल्म मी नो पॉज मी प्ले में काम किया है, जिस तरह के विषय को बड़े पर्दे पर शायद ही कभी दिखाया गया हो। इतना ही नहीं, मेनोपॉज पर भारत की यह पहली हिंदी फीचर फिल्म भी है।इसी वजह से भारतीय सिनेमा के लिए एक अभूतपूर्व कदम उठाते हुए मी नो पॉज मी प्ले का पोस्टर भी 18 अक्टूबर 2025 को वर्ल्ड मेनोपॉज डे पर ही जारी किया गया। मी नो पॉज मी प्ले महिला-केंद्रित कहानी कहने की दिशा में एक साहसिक कदम भी है। इस फिल्म के के जरिये निर्माता ने समाज से सदियों से मासिक धर्म को लेकर व्याप्त रूढ़िवादिता को तोड़ने, जागरूकता का प्रचार प्रसार करने के साथ महिलाओं की समझ और सहानुभूति को बढ़ावा देने की कामयाब कोशिश की है। बता दें कि मनोज कुमार शर्मा की प्रशंसित पुस्तक पर डिजिफिल्मिंग और मिरर फिल्म्स की इस फिल्म में काम्या पंजाबी के अलावा दीपशिखा नागपाल, सुधा चंद्रन, एमी मिसोब्बा भी दमदार मुख्य भूमिकाओं में हैं। ये सभी फिल्म में ऐसी महिलाओं का किरदार निभा रही हैं, जो ताकत, स्वीकृति और बदलाव की नई परिभाषा गढ़ती हैं। साथ ही रूढ़िवादिता में जकड़े समाज से मासिक धर्म के बारे में चुप्पी की नहीं, बल्कि बेहतर और सुलझे हुए समझ की मांग करती है। इसके साथ ही फिल्म में मनोज कुमार शर्मा, करण छाबड़ा और अमन वर्मा भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। फिल्म मी नो पॉज मी प्ले सहानुभूति, जागरूकता और स्वीकृति के बारे में है और हर उस महिला के लिए है, जो इस बदलाव का सामना चुपचाप और साहस के साथ करती है। 28 नवंबर, 2025 को रिलीज होने जा रही मनोज कुमार शर्मा द्वारा लिखित-निर्मित और समर के. मुखर्जी द्वारा निर्देशित फिल्म मी नो पॉज मी प्ले एक ऐसे विषय पर आधारित है, जिसे इससे पहले बड़े पर्दे पर कभी नहीं दिखाया गया है।

मेनोपॉज यानी रजोनिवृत्ति, एक महिला के जीवन का एक अपरिहार्य, लेकिन अक्सर अनकहा अध्याय है और मेनोपॉज के विषय पर आधारित यह भारत की पहली हिंदी फिल्म है, जिसका उद्देश्य महिलाओं के स्वास्थ्य, भावनात्मक बदलावों और आत्म-स्वीकृति के इर्दगिर्द बातचीत को सामान्य बनाना है। फिल्म की पटकथा और संवाद शकील कुरैशी और मनोज कुमार शर्मा ने लिखे हैं,

पति पत्नी और वो दो में आयुष्मान खुराना की एंट्री

आयुष्मान खुराना इन दिनों फिल्म थामा को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म दिवाली के अवसर पर 21 अक्तूबर को रिलीज होने जा रही है। रोशनी के इस त्योहार पर आयुष्मान के फैंस के लिए एक और खुशखबरी है। उनकी अगली फिल्म का एलान हो गया है। नाम है- पति पत्नी और वो दो। यह फिल्म अगले साल होली पर दस्तक देगी। इस फिल्म में आयुष्मान खुराना के अलावा सारा अली खान, वामिका गब्बी और रकुल प्रीत सिंह भी नजर आएंगे।